E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 93 | प्रयागराज, गुरूवार 18 जून, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

अमेरिकी खुफिया रिपोर्ट

जंग के बाद और शक्तिशाली हुआ ईरान, जब चाहे होर्मुज स्ट्रेट बंद कर सकता है, तेल सप्लाई पर खतरा बढ़ा

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका-ईरान समझौते के बीच अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने नई चेतावनी दी है। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, जंग के बाद ईरान पहले से ज्यादा ताकतवर हो गया है। खुफिया एजेंसियों का आकलन है कि अब ईरान जब चाहे होर्मुज को बंद कर सकता है। रिपोर्ट से परिचित तीन सूत्रों ने बताया कि युद्ध के बाद ईरान के पास वैश्विक अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाने की एक और नई ताकतवर क्षमता आ गई है। अमेरिकी अधिकारियों का मानना है कि ईरान के पास ऐसा हथियार मिल गया है जो परमाणु बम से ज्यादा असरदार है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि अगर परमाणु बातचीत टूटती है, तो यमन के हूती विद्रोहियों के जरिए बाब-अल-मंदेब स्ट्रेट में भी संकट पैदा कर सकता है। ऐसे में दुनिया के दो बड़े समुद्री व्यापार मार्ग एक साथ प्रभावित हो सकते हैं। पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स- 1. होर्मुज में सुरक्षित आवाजाही का भरोसाः ईरान और ओमान ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित की जाएगी। दोनों देशों ने अंतरराष्ट्रीय कानूनों के पालन और क्षेत्र में स्थिरता बनाए रखने पर जोर दिया। 2. ट्रम्प बोले- हिजबुल्लाह से सीरिया निपट सकता हैः डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि अगर इजराइल हिजबुल्लाह

के खिलाफ कार्रवाई में आम लोगों की मौत नहीं रोक पा रहा है, तो सीरिया यह जिम्मेदारी संभाल सकता है। 3. लेबनान में जंग खत्म करने की मांगः ईरानी संसद स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने कहा कि सिर्फ ईरान में संघर्ष रुकना काफी नहीं है। उन्होंने मांग की कि लेबनान समेत सभी मोर्चों पर युद्ध खत्म हो और इजराइली सेना दक्षिणी लेबनान से पीछे हटे। 4. अमेरिका-ईरान बातचीत पर चीन की चेतावनीः चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने कहा कि मौजूदा सहमति अंतिम मंजिल नहीं, बल्कि नई शुरुआत है। उन्होंने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत का दूसरा चरण पहले से ज्यादा मुश्किल होगा और स्थायी शांति के लिए सभी पक्षों को लगातार प्रयास करने होंगे। 5. कुछ दिनों में पूरा ईरान समझौता सार्वजनिक होगाः ट्रम्प ने कहा कि वह अगले कुछ दिनों में अमेरिका-ईरान समझौते का पूरा दस्तावेज सार्वजनिक करेंगे। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ी तो प्रेस कॉन्फ्रेंस कर समझौते को शब्द-दर-शब्द पढ़कर भी सुनाएंगे, ताकि उसकी सही जानकारी सामने आ सके। डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार को कहा कि वह ईरान के साथ हुए समझौते को समीक्षा के लिए संसद में भेजने के लिए तैयार हैं। हालांकि समझौते की कई अहम बातें अभी भी साफ नहीं हैं। अब तक समझौते का वह पूरा दस्तावेज सार्वजनिक नहीं किया गया है। इस बीच समझौते की कथित शर्तों को लेकर कई रिपोर्टें लीक हुई हैं, लेकिन उनकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ट्रम्प अगर यह संसद को भेजते हैं, तो कई चीजें हो सकती हैं। जैसे- समझौते के शर्तों की जांच होगी- इससे जुड़ी सुनवाई (हियरिंग) रखी जा सकती है। विदेश मंत्री, रक्षा मंत्री और अन्य अधिकारियों से जवाब मांगे जा सकते हैं। रिपब्लिकन और डेमोक्रेट सांसद इसके पक्ष और विपक्ष में बहस कर सकते हैं। संसद औपचारिक समर्थन, संशोधन की मांग या विरोध का प्रस्ताव भी ला सकती है। ट्रम्प के लिए यह राजनीतिक रूप से जोखिम भरा कदम भी हो सकता है। इसकी वजह यह है कि अमेरिका में कई सांसद और इजराइल समर्थक समूह ईरान को आर्थिक राहत देने, प्रतिबंध हटाने और 300 अरब डॉलर के निवेश पैकेज जैसे प्रस्तावों का विरोध कर सकते हैं। हालांकि, अगर संसद में इस समझौते को समर्थन मिलता है तो इसकी वैधता बढ़ जाएगी। तब भविष्य में कोई नया राष्ट्रपति इसे आसानी से रद्द नहीं कर पाएगा। 2015 में ओबामा ने ईरान के साथ जो परमाणु डील की थी वह संसद से पास नहीं हो पाई थी।

पीएम मोदी जी7 समिट में बोले- नाविकों की सुरक्षा हमारी जिम्मेदारी, होर्मुज में भारतीयों की मौत का मुद्दा उठाया, ट्रम्प भी मौजूद थे

नई दिल्ली/एवियन। पीएम नरेंद्र मोदी ने जी7 समिट के पहले दिन होर्मुज स्ट्रेट में भारतीयों की मौत का मुद्दा उठाया। आउटरीच सेशन में मोदी ने कहा, 'होर्मुज स्ट्रेट में

कई भारतीय नागरिकों ने भी अपनी जान गंवाई है। वैश्विक समुद्री व्यापार के जरिए देशों को जोड़ने वाले नाविकों की सुरक्षा हमारी जिम्मेदारी है।' मोदी ने फ्रांस के एवियन में कहा, 'होर्मुज स्ट्रेट से होने वाले समुद्री व्यापार में रुकावट का वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी बुरा असर पड़ा है।' उधर, कांग्रेस ने पीएम के बयान में अमेरिका का जिक्र न होने पर आलोचना की। कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा, 'जी-7 में पीएम मोदी ने देश का सिर झुका दिया। देश के 3 नाविकों की अमेरिका ने हत्या कर दी है।' सेशन में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प भी मौजूद थे। पीएम मोदी के पास ही बैठे थे। वहीं, आज शाम 6:30 बजे मोदी-ट्रम्प की द्विपक्षीय मीटिंग होगी। व्हाइट हाउस के मुताबिक, भारत-अमेरिका के बीच टैरिफ, निवेश और रणनीतिक साझेदारी से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हो सकती है। मोदी की स्पीच 5 पॉइंट्स में, कहा- भरोसा सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक संपत्ति- आज की दुनिया पहले से कहीं ज्यादा आपस में जुड़ी हुई और एक-दूसरे पर निर्भर है। लेकिन, पार्टनरशिप तभी सफल हो सकती है जब वह भरोसे पर टिकी हो। आपसी भरोसा सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक संपत्ति है। दुख की बात है कि आज दुनिया में संसाधनों की नहीं, बल्कि भरोसे की कमी है। हमारी पार्टनरशिप का भविष्य इसी भरोसे को फिर से कायम करने पर निर्भर करता है।भारत में हम दुनिया को परिवार मानते हैं। हमारा अनुभव बताता है कि विकास तभी असरदार होता है जब वह लोगों की आकांक्षाओं से जुड़ा हो। यही सिद्धांत हमारी अंतरराष्ट्रीय पार्टनरशिप का आधार भी है। भारत का मानना ??है कि पार्टनरशिप की असली परीक्षा यह नहीं है कि हम दूसरों के लिए क्या बनाते हैं, बल्कि यह है कि हम दूसरों को अपने लिए कुछ बनाने में कैसे सक्षम बनाते हैं। ग्लोबल साउथ को दुनिया से बहुत उम्मीदें हैं। उसे केवल समर्थन नहीं, बल्कि पार्टनरशिप चाहिए। हमें लेन-देन वाली सोच से आगे बढ़कर समान पार्टनर के तौर पर काम करना चाहिए।मोदी की यूएई, दक्षिण कोरिया और जापान के साथ भी बैठकें-जी7 समिट के दौरान पीएम मोदी ने यूएई, केन्या, मिस्र, दक्षिण कोरिया और जापान के नेताओं के साथ बैठकें कीं।

1 महीने से सिगरेट नहीं पी नींद भगाने के लिए कॉफी पीती हूं-जॉर्जिया मेलोनी

जी7 समिट में माइक पर रिकॉर्ड हुई बातचीत

पेरिस। फ्रांस में चल रहे जी7 शिखर सम्मेलन के दौरान नेताओं की अनौपचारिक बातचीत

माइक्रोफोन में रिकॉर्ड हो गई। इन नेताओं को सिगरेट, फुटबॉल, तोहफों जैसी बातों पर हल्के-फुल्के मजाक करते हुए सुना गया। इन सबमें से इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी की सिगरेट छोड़ देने वाली बातचीत की खूब चर्चा हो रही है। दरअसल, बैठक शुरू होने से पहले मेलोनी ने नेताओं से बातचीत में कहा कि आज उन्होंने 3 कप कॉफी पी है। यह सुनकर यूरोपीय यूनियन की चीफ उर्सला वॉन डेर लेयेन ने चौंकते हुए पूछा- क्या आज सुबह, उठने के लिए? इस पर जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने मजाक में कहा- और सिगरेट कितनी पी? मेलोनी ने इससे इनकार करते हुए कहा कि उन्होंने एक महीने से सिगरेट नहीं पी है। यह सुनते ही कनाडा, ब्रिटेन, जापान और यूरोपीय संघ के नेताओं ने उन्हें बधाई दी। मेलोनी ने खुशी में दोनों हाथ उठा दिए। इसके बाद कनाडाई पीएम मार्क कार्नी ने मजाकिया अंदाज में अपने हाथ की ओर इशारा कर पूछा, क्या आपने निकोटिन पैच लगाया है? इस पर आसपास मौजूद लोग हंस पड़े। निकोटिन पैच शरीर की त्वचा पर लगाया जाता है। यह धीरे-धीरे शरीर में थोड़ी मात्रा में निकोटिन पहुंचाता है, जिससे सिगरेट, बीड़ी या तंबाकू छोड़ने वाले लोगों को उसकी तलब कम लगती है और छोड़ने में आसानी होती है। जी7 में नेताओं की और भी मजेदार बातचीत सुनाई दी-मैक्रों ने फ्रांस फुटबॉल टीम का समर्थन किया-अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको में चल रहे फीफा विश्व कप के बीच नेता खेलों पर चर्चा करते नजर आए। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

नेपाल ने चीन के सामने कालापानी-लिपुलेख का मुद्दा उठाया,कहा- भारत के साथ समझौते का आधार क्या,चीन बोला- ये आप दोनों का मामला

काठमांडू। नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने बीजिंग में चीन के विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात के दौरान कालापानी, लिम्पियाधुरा और लिपुलेख विवाद का मुद्दा

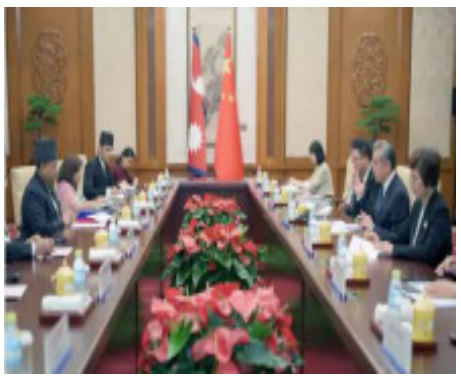

उठाया। उन्होंने भारत और चीन के बीच लिपुलेख दर्रे के इस्तेमाल को लेकर हुए समझौते पर सवाल उठाते हुए पूछा कि यह व्यवस्था किस आधार पर बनाई गई और इसकी प्रकृति क्या है।इसके जवाब में वांग यी ने कहा कि यह मूल रूप से भारत और नेपाल के बीच का मामला है और इसका समाधान बातचीत से ही निकलेगा। उन्होंने कहा कि इस तरह के मुद्दे संबंधित देशों के बीच कूटनीतिक वार्ता के जरिए सुलझाए जाने चाहिए। नेपाल ने दोहराया कि कालापानी, लिम्पियाधुरा और लिपुलेख उसके क्षेत्र का हिस्सा हैं। काठमांडू पहले भी नई दिल्ली और बीजिंग को विरोध नोट भेजकर कह चुका है कि उसकी सहमति के बिना इस इलाके से जुड़ा कोई समझौता स्वीकार नहीं होगा। 2020 में हुआ था भारत-चीन समझौता-भारत और चीन ने 2020 में लिपुलेख दर्रे के जरिए कैलाश मानसरोवर यात्रा और सीमा पार व्यापार को फिर से शुरू करने पर सहमति बनाई थी। दोनों देशों ने इस मार्ग को तीर्थयात्रा और व्यापार के लिए इस्तेमाल करने की व्यवस्था पर सहमति जताई थी। नेपाल ने उस समय इसका विरोध किया था। काठमांडू का कहना था कि लिपुलेख, कालापानी और लिम्पियाधुरा उसके क्षेत्र का हिस्सा हैं, इसलिए उससे बिना राय लिए इस मार्ग को लेकर कोई भी समझौता स्वीकार नहीं किया जा सकता। इसके बाद नेपाल ने भारत और चीन दोनों को राजनयिक विरोध नोट भेजा था। इसके बावजूद भारत और चीन कैलाश मानसरोवर यात्रा और सीमावर्ती व्यापार के लिए इस मार्ग का इस्तेमाल करते रहे हैं। खनाल ने भारत दौरे पर नहीं उठाया था मुद्दा-दिलचस्प बात यह है कि शिशिर खनाल ने हाल की भारत यात्रा के दौरान यह मुद्दा नहीं उठाया था। उस समय उन्होंने विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ बातचीत की थी। बैठक के बाद जारी संयुक्त बयान में भी कालापानी, लिम्पियाधुरा और लिपुलेख का जिक्र नहीं था। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

मस्क की स्पेसएक्स दुनिया की 5वीं सबसे मूल्यवान कंपनी बनी,मस्क की एक दिन की कमाई बफे की नेटवर्थ से 11फीसदी ज्यादा

नई दिल्ली। इलॉन मस्क की स्पेस और एआई कंपनी स्पेसएक्स के शेयरों में मंगलवार को 14फीसदी से ज्यादा का उछाल आया, जिससे कंपनी का मार्केट कैप डॉलर-2.85 ट्रिलियन (करीब रु240 लाख करोड़) के पार पहुंच गया। इस तेजी के साथ स्पेसएक्स ने टेक कंपनी अमेजन को पीछे छोड़ दिया है और कुछ समय के लिए माइक्रोसॉफ्ट से भी आगे निकल गई थी। स्पेसएक्स अब दुनिया की पांचवी सबसे मूल्यवान कंपनी बन गई है। यही नहीं सोमवार को स्पेसएक्स के शेयरों में 20फीसदी से ज्यादा का उछाल आया था। इससे इलॉन मस्क ने सिर्फ एक दिन में 164 अरब डॉलर यानी करीब 15.5 लाख करोड़ रुपए कमा लिए। यह वॉरेन बफे की पूरी लाइफ टाइम कमाई 148 अरब डॉलर यानी करीब 14 लाख करोड़ रुपए से 11फीसदी ज्यादा है। वॉल स्ट्रीट पर लिस्टिंग के कुछ ही दिन बाद निवेशक लगातार इस स्टॉक में खरीदारी कर रहे हैं। मार्केट कैप 2.85 ट्रिलियन डॉलर पहुंचा-यह स्पेस और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कंपनी मंगलवार को डॉलर-220 पर ट्रेड कर रही थी, जो एक दिन में 14.3फीसदी की बढ़त है। यह कीमत इसके डॉलर-135 के आईपीओ प्राइस से 62फीसदी से अधिक ऊपर है। इस स्तर पर स्पेसएक्स की कुल वैल्यू करीब 2.85 ट्रिलियन डॉलर आंकी गई है, जिसने इसे दुनिया की पांच सबसे मूल्यवान कंपनियों में शामिल कर दिया है। यह कंपनी नैस्डैक कंपोजिट इंडेक्स में बढ़त दर्ज कराने वाली सबसे बड़ी योगदानकर्ता रही है। अमेजन को पीछे छोड़ा, माइक्रोसॉफ्ट से भी आगे निकली- इस तेजी के साथ स्पेसएक्स ने अमेजन को पीछे छोड़ दिया है, जिसका मार्केट कैपिटलाइजेशन करीब 2.64 ट्रिलियन डॉलर है। इसके अलावा कंपनी ने कुछ समय के लिए माइक्रोसॉफ्ट को भी पीछे छोड़ दिया था, जिसकी वैल्यू लगभग 2.92 ट्रिलियन डॉलर है, हालांकि बाद में स्पेसएक्स थोड़ा नीचे आ गई। वर्तमान में दुनिया की तीन सबसे बड़ी कंपनियां 4 ट्रिलियन डॉलर से अधिक का मार्केट वैल्यूएशन रखती हैं। ऑप्शंस ट्रेडिंग शुरू होने से निवेशकों का उत्साह बढ़ा-मंगलवार को स्पेसएक्स के शेयरों से जुड़े ऑप्शंस में ट्रेडिंग शुरू हो गई, जिससे निवेशकों में रुचि और बढ़ गई है। बाजार सहभागियों को अब इस नए लिस्टेड स्टॉक की दिशा पर दांव लगाने का एक नया जरिया मिल गया है। स्पॉटगामा ऑप्शंस एनालिटिक्स प्लेटफॉर्म के फाउंडर ब्रेंट कोचुबा ने बताया कि मंगलवार से स्पेसएक्स ऑप्शंस लॉन्च हो गए हैं, जो स्टैंडर्ड मंथली एक्सपायरी और डॉलर25 से डॉलर380 तक की स्ट्राइक प्राइस की सुविधा दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर कॉल ऑप्शंस की डिमांड भारी रहती है, तो डीलर्स को कम लिक्विडिटी वाली स्थिति में भी स्पेस-एक्स शेयर खरीदने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है। अगले हफ्ते से इंडेक्स की मांग भी बढ़ सकती है, जबकि अधिक शेयर अगले 1-2 महीनों तक उपलब्ध होने की उम्मीद नहीं है। वैल्यूएशन पर उठे सवाल, एक्सपर्ट ने बताया सट्टेबाजी-इतनी भारी बढ़त के बावजूद बाजार के कुछ जानकारों ने इस बात पर सवाल उठाए हैं कि क्या यह वैल्यूएशन पूरी तरह सही है। स्विसकोट बैंक की सीनियर मार्केट एनालिस्ट इपेक ओजकार्डेसकाया ने कहा, 'हम निश्चित रूप से कह सकते हैं कि आज के समय में इस वैल्यूएशन का कोई मतलब नहीं बनता है। लोग स्पेसएक्स को इस उम्मीद में खरीद रहे हैं कि दूसरे लोग भी इसे खरीदेंगे और कीमत को और ऊपर ले जाएंगे- यह सिर्फ एक सट्टेबाजी है।'

पीएम के विशेष विमान में राष्ट्रीय प्रतीक की अधूरी झलक, डूंगरपुर की 13 साल की लड़की ने पकड़ी चूक-पीएमओ को लेटर लिखकर दिया सुझाव

डूंगरपुर। जिस बात पर वर्षों से देश के बड़े-बड़े अधिकारियों, तकनीकी विशेषज्ञों और प्रोटोकॉल से जुड़े लोगों का ध्यान नहीं गया, उसे डूंगरपुर की 13 साल की बेटी ने पकड़ लिया। आठवीं कक्षा में पढ़ने वाली किम भारतीय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विशेष विमान 'एयर इंडिया वन' पर अंकित राष्ट्रीय प्रतीक 'अशोक स्तंभ' की अधूरी दिखाई देने वाली छवि को लेकर चिंता जताई है। उसने इस संबंध में 15 जून को सीधे प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) को पत्र लिखकर सुझाव भेजा है। किम प्रधानमंत्री की विदेश यात्राओं से जुड़ी खबरें और तस्वीरें नियमित रूप से देखती हैं। हाल ही में जब प्रधानमंत्री फ्रांस और स्लोवाकिया की यात्रा पर थे, तब टीवी पर प्रसारित दृश्यों को देखते हुए किम की नजर एक तकनीकी चूक पर गई। उसने गौर किया कि जैसे ही विमान का मुख्य दरवाजा खुलता है, राष्ट्रीय प्रतीक अशोक स्तंभ का एक हिस्सा उसके पीछे छिप जाता है। इससे भारत के राष्ट्रीय प्रतीक की पूरी आकृति दिखाई नहीं देती। दुनिया देखती है पीएम के विमान को, गरिमा से समझौता क्यों? किम का मानना है कि प्रधानमंत्री के विमान से उतरने और चढ़ने के दृश्य दुनिया भर के मीडिया में प्रसारित होते

हैं। ऐसे में भारत की पहचान, गरिमा और गौरव का प्रतीक राष्ट्रीय चिह्न हर स्थिति में पूर्ण रूप से दिखाई देना चाहिए। इसी सोच के साथ उसने पीएमओ को सुझाव दिया है कि अशोक स्तंभ को विमान पर ऐसी जगह स्थापित किया जाए, जहां दरवाजा खुलने पर भी उसकी पूरी आकृति हमेशा स्पष्ट दिखाई दे। 13 साल की किम भारतीय सिर्फ टीवी देखने वाली बच्ची नहीं है, बल्कि वह कम उम्र में ही सामाजिक मुद्दों को लेकर बेहद सक्रिय हैं। किम डूंगरपुर जिले में सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चला चुकी हैं। उन्होंने अपने पिता के साथ जिलेभर में घूमकर लोगों को हेलमेट लगाने और सीट बेल्ट बांधने के लिए प्रेरित किया। वह कन्या भ्रूण हत्या के खिलाफ भी जागरूकता अभियानों का एक बड़ा चेहरा रही हैं। विभिन्न जिलों में आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से उसने बेटियों के संरक्षण और सम्मान का संदेश जन-जन तक पहुंचाया है।

प्रयागराज में मौसम ख़ुशनुमा,27 जिलों में आंधी-बरसात का अलर्ट

प्रयागराज। यूपी के मौसम में तेजी से उतार-चढ़ाव हो रहा है। कभी आंधी-बारिश तो कभी तेज धूप और उमस। प्रदेश में प्री-मानसून एक्टिव है। मौसम विभाग ने बुधवार को 27 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया था। इस दौरान कुछ हवा के झोकों ने लोगो को खुश कर दिया। लखनऊ में बुधवार सुबह से बादल छाए थे। जबकि दोपहर बाद तेज धूप निकली है। वहीं प्रयागराज में दोपहर में अचानक मौसम बदल गया और हल्की बारिश शुरू हो गई। पश्चिम के ज्यादातर जिलों में सुबह से धूप है। काशी-प्रयागराज और कानपुर में भी गर्मी और उमस है। प्रदेश का अधिकतम पारा भी एक डिग्री बढ़ गया है। मंगलवार को बांदा 43.4डिग्री के साथ सबसे गर्म शहर रहा। जबकि एक दिन पहले सोमवार को 42.4डिग्री पारा दर्ज किया गया था। मंगलवार को प्रदेश में 10 शहरों में बारिश हुई। गोरखपुर, महाराजगंज

और झांसी में तेज बारिश हुई। महाराजगंज में सड़कों पर पानी भर गया। लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल सिंह ने बताया-'पश्चिमी यूपी और तराई इलाकों में कहीं-कहीं गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। तेज हवाएं चलने की संभावना है। बंगाल की खाड़ी से नमी भरी हवा आ रही है और पश्चिमी हवाओं का भी असर है। इस वजह से प्री-मानसून की बारिश हो रही है। मानसून बिहार बॉर्डर पर महाराजगंज जिले के पास तक पहुंच चुका है। उम्मीद है कि 20 से 25 जून के बीच मानसून सोनभद्र के रास्ते यूपी में प्रवेश कर सकता है।' अगले 5 दिन कैसा रहेगा मौसम-18 जूनः पूरे प्रदेश में बादलों की आवाजाही रहेगी। कहीं-कहीं बारिश हो सकती है। 19 जूनः पूरे प्रदेश में हल्की से भारी बारिश हो सकती है। कहीं-कहीं तूफान भी आ सकता है। 20 जूनः प्रदेश के अधिकांश जिलों में बादल छाए रहेंगे। कहीं-कहीं जोरदार बारिश हो सकती है। 21 जूनः पूरे प्रदेश में मौसम साफ रहेगा। तेज हवाएं चलेंगी। कहीं-कहीं बादलों की आवाजाही के कारण बूंदाबांदी हो सकती है। 22 जूनः प्रदेश के अधिकांश जिलों में बादल छाए रहेंगे। कहीं-कहीं तेज रफ्तार के साथ जोरदार बारिश हो सकती है।

यूपी में अब 24 जून तक बंद रहेंगे प्राइमरी स्कूल,योगी सरकार ने लाया नया नियम-पहले 15 जून तक होती थी छुट्टी

प्रयागराज। योगी सरकार ने बेसिक शिक्षा परिषद के स्कूलों में गर्मी की छुट्टियों में बड़ा बदलाव कर दिया है। बेसिक शिक्षा के अपर मुख्य सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा ने बताया- अब परिषद और मान्यता प्राप्त विद्यालयों में हर साल 20 मई से 24 जून तक गर्मी की छुट्टियां रहेंगी। पहले यह अवकाश 15 जून तक निर्धारित था। नई व्यवस्था के तहत प्रदेश के सभी बेसिक विद्यालय 25 जून से नियमित पढ़ाई के लिए खुलेंगे। हालांकि शिक्षकों, शिक्षा मित्रों, अनुदेशकों और कर्मचारियों को 22, 23 और 24 जून को स्कूल पहुंचकर जरूरी तैयारियां पूरी करनी होंगी। मंगलवार को ही परिषदीय और उच्च प्राथमिक स्कूलों की छुट्टियां खत्म हुई थीं। स्कूल खुलने पर बच्चों का रोली और टीका लगाकर शिक्षकों ने स्वागत किया। पहले स्कूलों में 20 मई से 15 जून तक गर्मी की छुट्टियां घोषित की गई थीं। कानपुर देहात

में बीएसए ने कई स्कूलों को चेक किया। बच्चों के आने से पहले स्कूल चमकाएंगे शिक्षक-शिक्षकों को विद्यालय खुलने से पहले परिसर, रसोईघर और शौचालयों की साफ-सफाई करानी होगी। इसके अलावा मिड-डे मील की तैयारी, किताबों का वितरण, लेसन प्लान तैयार करना, बिजली और पेयजल व्यवस्था दुरुस्त करना, बाल वाटिका, स्मार्ट क्लास और आईसीटी लैब को संचालित करने योग्य बनाना और खेल सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा गया है। 21 जून को मनाया जाएगा योग दिवस-योगी सरकार ने विद्यालय शिक्षा समिति की बैठक कर लोगों का सहयोग लेने पर भी जोर दिया है। 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर विद्यालयों में शिक्षक और छात्र सामूहिक योगाभ्यास करेंगे। 220 शिक्षण दिवस होना अनिवार्य-अपर मुख्य सचिव ने सभी जिलाधिकारियों और मंडलायुक्तों से कहा है कि स्थानीय स्तर पर अतिरिक्त अवकाश घोषित करने से पहले शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम के प्रावधानों का पालन सुनिश्चित किया जाए। अधिनियम के अनुसार प्रारंभिक स्तर के विद्यालयों में एक शैक्षणिक सत्र के दौरान कम से कम 220 शिक्षण दिवस होना अनिवार्य है।

सरकार का उद्देश्य केवल योजनायें बनाना नहीं अपितु उन योजनाओं को प्रत्येक किसान तक पहुंचाना- उद्यान मंत्री

परंपरागत खेती की तुलना में औद्यानिक फसलों से अधिक आय की जा सकती है अर्जित- दिनेश प्रताप सिंह,47.54 करोड़ की 60 परियोजनाओं का किया गया लोकार्पण/शिलान्यास,औद्यानिक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 27 कृषकों को किया गया सम्मानित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री जी कार्यकाल के 12 साल एवं 30प्र0 के मा0 मुख्यमंत्री जी के 9 साल विश्वास, विकास एवं जन-कल्याण के तथा प्रगति के पथ पर उद्यान के स्वर्णिम 51 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर मंगलवार को श्री महावीर सिंह स्मारक महाविद्यालय, कठवारा, हरचन्दपुर, जनपद रायबरेली में आयोजित मण्डलीय औद्यानिक उन्नयन गोष्ठी का दिनेश प्रताप

सिंह मा0 राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार तथा कृषि निर्यात 30प्र0 सरकार द्वारा फीता काटकर उद्घाटन किया गया. इस अवसर पर विभिन्न विभागों द्वारा लगाये गये स्टॉल का निरीक्षण किया गया। आयोजित मण्डलीय गोष्ठी में लखनऊ, अयोध्या एवं प्रयागराज मण्डल के नौ जनपदों के किसानों द्वारा प्रतिभाग किया गया, जिसमें कृषकों को उद्यान विभाग की 12 वर्ष की उपलब्धियों के बारे में अवगत कराया गया, इस अवसर पर मा0 उद्यान मंत्री जी द्वारा लखनऊ, अयोध्या एवं प्रयागराज मण्डल के उद्यान विभाग के रू 19.43 करोड़ एवं मंडी विभाग के 28.10 करोड़ की लागत से कुल धनराशि रु 47.54 करोड़ की 60 परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास किया गया एवं औद्यानिक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 27 कृषकों को सम्मानित किया गया तथा खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति 30प्र0 के तहत विभिन्न जनपदों के 10 लाभार्थी उद्यमियों को प्रमाण पत्र वितरित किये गये। इस अवसर पर कृषकों को सम्बोधित करते हुए मा0 उद्यानमंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल योजनायें बनाना नहीं अपितु उन योजनाओं को प्रत्येक किसान तक पहुंचाना है। आज परंपरागत खेती के साथ औद्यानिक खेती के रूप में फल, फूल, सब्जी, सुगंधित फसलों एवं औषधीय खेती को अपनाने की जरूरत है, क्योंकि परंपरागत खेती की तुलना में औद्यानिक फसलों से अधिक आय अर्जित की जा सकती है एवं अधिक से अधिक फसलों का निर्यात किये जाने हेतु आवश्यक पहल की जाये जिससे किसानों को उचित मूल्य मिल सके। साथ ही अवगत कराया गया कि भारत सरकार एवं 30प्र0 सरकार की डबल इंजन की सरकार ने मिलकर विगत कुछ वर्षों में पूरे प्रदेश में औद्यानिकी के क्षेत्र में अवस्थापना सुविधाओं व अन्य कियाकलापों में कीर्तिमान स्थापित किये गये हैं। इस गोष्ठी में सम्मिलित 9 जनपदों में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, मिनी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, हाईटेक नर्सरी, शहद उत्कृष्टता केन्द्र, पौधशाला /प्रक्षेत्रों का सुदृढ़ीकरण / उच्चीकरण, प्रशिक्षण कार्यक्रमों हेतु आवश्यक आधारभूत संरचनाओं व अन्य आवश्यक ढांचागत सुविधाओं के विकास में कमशः जनपद रायबरेली में लगभग रु 27 करोड़, लखनऊ में रू 12.50 करोड़, बाराबंकी में रू 18 करोड़, कौशाम्बी में रू 14 करोड़, अमेठी में रू 2 करोड़, फतेहपुर में रू 6 करोड़, प्रतापगढ़ में रू 5.5 करोड़ तथा उन्नाव में रू 1.3 करोड, इस प्रकार उद्यान विभाग द्वारा कुल धनराशि रू 86.30 करोड़ का कार्य कराया गया हैं इसी कम में श्री बी0एल0मीणा अपर मुख्य सचिव उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा अवगत कराया गया कि पूरे देश में 30प्र0 सब्जी उत्पादन, सिंघाड़ा उत्पादन, तरबूज, खरबूज, शिमला मिर्च, दूध एवं गन्ना उत्पादन में प्रथम स्थान पर हैं. इसके अलावा 30प्र0 खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति 2023 के अन्तर्गत 30प्र0 में 3,50,883 खाद्य प्रसंस्करण उद्याम स्थापित किये गये हैं, जो पूरे देश में सर्वाधिक है इसी तरह उद्योग स्थापित किये जाने हेतु ऋण प्रदान करने में भी 30प्र0 पूरे देश में प्रथम स्थान पर है। इस अवसर पर रंजना चौधरी जिला पंचायत अध्यक्ष, राकेश सिंह पूर्व विधायक हरचन्दपुर, बुद्धि लाल पासी जिलाध्यक्ष भाजपा, बी0एल0मीणा अपर मुख्य सचिव उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग, भानु प्रकाश राम निदेशक उद्यान विभाग, सरनीत कौर ब्रोका, जिलाधिकारी, अंजूलता मुख्य विकास अधिकारी, डॉ0 सृष्टि थवन अपर निदेशक प्रशासन, डॉ0 सर्वेश कुमार संयुक्त निदेशक उद्यान, डॉ0 राजीव कुमार वर्मा संयुक्त निदेशक शाकभाजी, डॉ0 वीरेन्द्र सिंह संयुक्त निदेशक/नोडल अधिकारी गोष्ठी, डॉ0 डी0 के0 वर्मा उप निदेशक उद्यान, लखनऊ मण्डल, लखनऊ, डॉ0 जय राम वर्मा जिला उद्यान अधिकारी सहित उद्यान विभाग के अन्य अधिकारी / कर्मचारी एवं लगभग 4000 से अधिक कृषक बन्धु उपस्थित रहे।

योगा को हर चिकित्सा विधा ने स्विकारा -ई0 विजय रस्तोगी

शैक्षिक विधायक उमेश द्विवेदी,व स्नातक विधायक ई0अवनीश पटेल हुए सामिल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। स्थानीय इंद्रा उद्यान में

विश्व योग सप्ताह का शुभांरभ हुआ। शैक्षिक विधायक उमेश द्विवेदी ने कहा मानव जीवन के लिए योग बरदान इस लिए सभी को नियमित योग कर असाध्य रोग से बचाव किया जा सकता है स्नातक विधायक अवनीश पटेल ने कहा भारत ऋषि मुनियों कि धरती है आदिकाल से से योग और जड़ी-बूटियों का महत्व रहा है सुनील मौर्या ने युवाओं में ध्यान योग प्रति स्विकारिता बढ़ी है प्रसिद्ध योगाचार्य डाक्टर रवि प्रताप सिंह ने विभिन्न योगासन का अभ्यास कराया योग कार्यशाला का आयोजन। किसना डायमंड एण्ड गोल्ड ज्वेलरी के तत्वावधान में आयोजित किया गया योगासन में आईएमए अध्यक्ष डाक्टर संजीव जायसवाल, डाक्टर जे,एस, पाण्डेय डाक्टर अतुल अग्रवाल,डाक्टर सुमेधा रस्तोगी,

डाक्टर संजय रस्तोगी, डाक्टर एस, एम् सिंह, डाक्टर गीता शर्मा, डाक्टर बी,पी, त्रिपाठी , डाक्टर विश्राम योग प्रक्रितिक चिकित्सा, दिनेश,आर,के, द्विवेदी महामंत्री संस्कार भारती, व्यापर मण्डल अतुल गुप्ता, बीरेंद्र अग्रहरि,सभासद पुष्पा यादव,एस,पी, सिंह बी,एन, पाठक पतंजलि योग समिति, विजय शर्मा योग शिक्षक, राजेन्द्र प्रसाद योग शिक्षक, महादेव प्रसाद आर्य समाज,आर,पी, सिंह समन्वय हार्ट फुलनेश,राम शरण सिंह पतंजलि सहित सैकड़ों गणमान्य लोगों ने योग-शिविर में भाग लिया।

डीएम की अध्यक्षता में 100 दिवसीय सघन टीबी अभियान की समीक्षा बैठक संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत

कौर ब्रोका की अध्यक्षता में जनपद में चलाये जा रहे राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत 100 दिवसीय सघन टीबी अभियान की समीक्षा बैठक की गई। जिलाधिकारी द्वारा समस्त टीबी सूचकांको की समीक्षा करते हुए कार्यकम में सुधार हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ नवीन चंद्रा द्वारा अवगत कराया गया कि अभियान के दौरान अब तक 27146 व्यक्तियों की जांच हेतु इनरोलमेंट करते हुए 14848 एक्सरे तथा 8261 नाट जांचे करायी गयी है। माह जून में विकास खण्ड बछरावां, डीह, दीनशाहगौरा तथा सतांव में मेडिकल मोबाइल यूनिट के माध्यम से चिन्हित हाई रिस्क ग्रामों में स्वास्थ्य शिविर चलाया जा रहा है। इस स्वास्थ्य शिविर में हैण्ड हेल्ड एक्सरे मशीन द्वारा एक्सरे तथा खून की जांचे तथा बलगम संग्रहण किया जा रहा हैं। जिलाधिकारी द्वारा अभियान की सफलता हेतु जनमानस से सहभागिता हेतु अपील की गयी। साथ ही समस्त अधीक्षक सामु0 स्वा0 केन्द्र को उनके सीएचसी क्षेत्र में चिन्हित समस्त हाई रिस्क ग्रामों में सम्बन्धित ब्लाक अधिकारी तथा ग्राम प्रधान के सहयोग से स्वास्थ्य शिविर लगाते हुए टीबी स्क्रीनिंग एवं क्षयरोग से सम्बन्धित प्रचार प्रसार हेतु निर्देशित किया गया। जिलाधिकारी द्वारा समस्त ग्राम प्रधानों को टीबी मुक्त भारत ऐप डाउनलोड कराकर निःक्षय मित्र बनाये जाने हेतु निर्देशित किया गया। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अंजुलता, जिला क्षयरोग अधिकारी सहित समस्त सीएचसी अधीक्षक तथा एनटीईपी कर्मचारी उपस्थित रहे।

तमंचा सटाकर बदमाशों ने रैपीडो कर्मी का मोबाइल व ब्लूटूथ लूटकर हुए फरार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नैनी/प्रयागराज। नैनी थाना क्षेत्र के इंदलपुर रोड पर कब्रिस्तान के समीप मंगलवार की भोर में तकरीबन 4:30 बजे बाइक सवार बदमाशों ने रैपीडो बाइक टैक्सी में काम करने वाले कर्मचारी को तमंचा सटाकर मोबाइल व ब्लूटूथ लूट कर फरार हो गए। पीड़ित ने घटना की तहरीर नैनी पुलिस को दे दी है। मिली जानकारी के अनुसार नैनी थाना क्षेत्र के चकदोदी प्रयागपुरम निवासी पत्रकार अखिलेश कुमार शुक्ला के बड़े भाई अनिल कुमार शुक्ला पुत्र जगजीवन प्रसाद शुक्ला रैपीडो बाइक टैक्सी में काम करते हैं। बताते हैं, कि मंगलवार भोर में तकरीबन 4:30 बजे वह बाइक लेकर गंगोत्री नगर स्थित सवारी को लेने के लिए जा रहे थे। जैसे ही वह इंदलपुर कब्रिस्तान के समीप पहुंचे, तभी बाइक सवार तीन बदमाशों ने ओवरटेक कर उनकी बाइक को रोक लिए। जब तक कि वह कुछ समझ पाते, तब तक बाइक सवार बदमाशों ने उन्हें तमंचा सटाकर मोबाइल व ब्लूटूथ लूट कर फरार हो गए। पीड़ित अनिल कुमार शुक्ला ने बाइक सवार बदमाशों का काफी दूर तक पीछा भी किया, लेकिन वह लोग फरार होने में कामयाब रहे। पीड़ित तत्काल घटना की सूचना देने गंगोत्री नगर पुलिस चौकी पहुंचा, चौकी पर तालाबंद देख वह नैनी कोतवाली पहुंचकर लिखित तहरीर दी। बता दें, कि नैनी कोतवाली इलाके में बीते कई महीने के दौरान एक-एक कर कई अपराधिक घटनाएं घटित हो चुकी हैं। नैनी पुलिस अपराधों पर अंकुश लगाने के बजाय धन उगाही करने में पूरी तरह से जुटी हुई है। क्षेत्र में कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं रह गई है। क्षेत्र की जनता अपने आप को असुरक्षित महसूस कर रही है।

17 वाहनों पर अवैध खनन के विरुद्ध कार्यवाही

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मंगलवार को की कार्यवाही की जा रही है। उक्त कार्यवाही देर रात/सुबह 02

जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका के निर्देशानुसार अवैध खनन बजे के आसपास की गई। इस मौके पर एसडीएम लालगंज

परिवहन के रोकथाम हेतु तहसील स्तरीय टास्क फोर्स द्वारा 17 वाहनों के विरुद्ध कार्यवाही की गई है। जिन पर लगभग 07 लाख रुपये जुर्माने की धनराशि आरोपित कर वसूली राजेश श्रीवास्तव, क्षेत्राधिकारी लालगंज अमित सिंह, खनन निरीक्षक सुरेश, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) उमेश कटियार मौजूद रहे।

थाना नैनी पुलिस टीम द्वारा 01 अभियुक्त गिरफ्तार,कब्जे से 04 नाजायज देशी बम बरामद

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। मंगलवार को थाना नैनी पुलिस टीम द्वारा मुखबिर खास की सूचना पर 01 अभियुक्त सुधांशु शुक्ला उर्फ शशांक शुक्ला उर्फ छोटा थाना पुत्र राकेश शुक्ला निवासी विद्यानगर गंगोत्री नगर थाना नैनी जनपद प्रयागराज को टीएसएल कम्पनी के अन्दर गोल चौराहे नैनी के पास से गिरफ्तार किया गया, जिसके कब्जे से 04 नाजायज देशी बम बरामद हुआ । गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 302/2026 धारा 4/5 विस्फोटक पदार्थ अधि0 पंजीकृत कर नियमानुसारअग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। घटना का संक्षिप्त विवरण- दिनांक 16.06.2026 को वादी मुकदमा उ0नि0 अमित कुमार चौकी प्रभारी एडीए थाना नैनी, मय हमराही के रवाना होकर देखभाल क्षेत्र, संदिग्ध व्यक्ति, वाहन चेकिंग व तलाश वांछित वारन्टी में सरगम मोड़ पर मामूर थे कि जरिये मुखबिर खास सूचना मिली की एक व्यक्ति जिसका नाम सुधांशु शुक्ला उर्फ छोटा थाना पुत्र राकेश शुक्ला जो कि विद्यानगर , गंगोत्री नगर का रहने वाला है इस समय टीएसएल कम्पनी के अन्दर गोल चौराहे पर खड़ा है वह एक थैला लिए है जिसमे अवैध देशी बम है । और वह कोई अपराधिक घटना कारित करने की फिराक में है यदि जल्दी करें तो पकड़ा जा सकता है इस सूचना पर मय हमराही व थाना स्थानीय पुलिसगण को अवगत कराते हुये मुखबिर द्वारा बताये गये स्थान से थोड़ा पहले पंहुचे ही थे की मुखबिर द्वारा इशारा करके टीएसएल कम्पनी रोड के पास खड़े होकर बताया की वह वही व्यक्ति है । जिसके दाहिने हाथ मे काली पन्नी है जिसमें अवैध देशी बम है, जो किसी घटना को कारित करने के लिये कही जाने की फिराक में है , मुखबिर खास की बातों पर विश्वास करते हुए, मय पुलिस बल के घेराबन्दी करते हुए आवश्यक बल का प्रयोग करते हुये गोल चौराहे

पर ही उक्त व्यक्ति को पकड़ लिया गया । पकड़े गये व्यक्ति से उसका नाम पता पूछते हुये जामा तलाशी ली गयी तो उसने अपना नाम सुधांशु शुक्ला उर्फ छोटा थाना पुत्र राकेश शुक्ला निवासी विद्यानगर गंगोत्री नगर जनपद प्रयागराज बताया तथा जामा तलाशी से उसके दाहिने हाथ में लिये काले थैले में से 04 देशी बम नाजायज बरामदगी करते हुए आरोपी उपरोक्त की गिरफ्तारी किया गया ।बरामदगी व गिरफ्तारी के आधार पर थाना नैनी पर मु0अ0सं0 302/2026 धारा 4/5 विस्फोटक पदार्थ अधि0 पंजीकृत कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। पूछताछ का विवरणः-अभियुक्त सुधांशु शुक्ला उर्फ शशांक शुक्ला उर्फ छोटा थाना उपरोक्त से पूछताछ करने पर बताया कि दिनांक 15.06.2026 को रात मे छिवकी रेलवे स्टेशन पर कुछ लोगो से मेरी कहा सुनी व मारपीट हुयी थी, उन लोगों से मेरी पुरानी रंजिश है । जिसके चलते मैं यह बम लेकर जा रहा था यदि वह लोग आज रास्ते मे मिल जाते तो मै उन्हे मार देता जिस कारण से मैने यह बम अपने पास रखा था । लेकिन आप लोगो के द्वारा पकड़ लिया गया। गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण- 1- सुधांशु शुक्ला उर्फ शशांक शुक्ला उर्फ छोटा थाना पुत्र राकेश शुक्ला निवासी विद्यानगर गंगोत्री नगर जनपद प्रयागराज उम्र करीब 24 वर्ष, सम्बन्धित अभियोग का विवरण- 1. मु0अ0सं0- 302/2026 धारा 4/5 विस्फोटक पदार्थ अधि0 थाना नैनी कमि0 प्रयागराज। आपराधिक इतिहास- 1. मु0अ0सं0 774/2021 धारा 323, 504, 506 आईपीसी थाना नैनी कमि0 प्रयागराज। 2. मु0अ0सं0 636/2022 धारा 323, 504, 506 आईपीसी थाना नैनी कमि0 प्रयागराज। 3. मु0अ0सं0 11/2023 धारा 160, 188 आईपीसी थाना नैनी कमि0 प्रयागराज। 4. मु0अ0सं0 12/2023 धारा 147, 148, 149, 286, 336, 427 आईपीसी व 3 वि0पदार्थ अधि0 थाना नैनी कमि0 प्रयागराज । 5. मु0अ0सं0 437/2023 धारा 286, 323, 427, 504, 506 आईपीसी व 3 वि0पदार्थ अधि0 थाना नैनी कमि0 प्रयागराज। 6. मु0अ0सं0 265/2026 धारा 115(2), 191(2), 333, 351(2), 352 बीएनएस थाना नैनी कमि0 प्रयागराज। 7. मु0अ0सं0 159/2022 धारा 323, 504, 506 आईपीसी थाना औ0क्षेत्र प्रयागराज। 8. मु0अ0सं0 72/2025 धारा 115(2), 191(2), 351(2), 352 बीएनएस थाना औ0क्षेत्र प्रयागराज। **गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम का विवरण- 1. प्र0नि0 श्री बृजकिशोर गौतम थाना नैनी कमि0 प्रयागराज। 2. उ0नि0 अमित कुमार थाना नैनी कमि0 प्रयागराज। 3. उ0नि0 मनोज सिंह थाना नैनी कमि0 प्रयागराज। 4. का0 मोहित कुमार थाना नैनी कमि0 प्रयागराज। 5. का0 लक्ष्मीकांत थाना नैनी कमि0 प्रयागराज। 6. का0 विनय कुमार थाना नैनी कमि0 प्रयागराज।**

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में एआई टूल्स, बायोडाटा एवं पर्सनैलिटी डेवलपमेंट पर विशेष सत्र आयोजित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। नैनी औद्योगिक की ओर से कार्यक्रम के सफल संचालन में समन्वयक

प्रशिक्षण केंद्र में आज Lift Life World.com AI Company के सहयोग से एआई टूल्स, प्रभावी बायोडाटा निर्माण एवं पर्सनैलिटी डेवलपमेंट विषय पर एक विशेष प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक, रोजगारोन्मुख कौशल एवं व्यक्तित्व विकास से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करना था। कार्यक्रम में Lift Life World.com AI Company की ओर से अमित दत्ता, पुष्कर पांडेय, अभिषेक श्रीवास्तव एवं देवांग मिश्रा ने प्रतिभाग किया। विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को विभिन्न एआई टूल्स के उपयोग, आकर्षक एवं प्रभावी बायोडाटा तैयार करने की तकनीकों तथा साक्षात्कार में सफलता प्राप्त करने हेतु आवश्यक व्यक्तित्व विकास संबंधी सुझाव दिए। नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र कौसर,प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट अधिकारी प्रभाकर पांडेय तथा सोशल मीडिया प्रभारी ऋषभ चौरसिया की महत्वपूर्ण भूमिका रही। सभी ने विद्यार्थियों को करियर निर्माण और नई तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। सत्र के दौरान विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की और विशेषज्ञों से विभिन्न विषयों पर प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। कार्यक्रम के अंत में छात्रों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रशिक्षण सत्र उनके कौशल विकास एवं रोजगार के अवसरों को बढ़ाने में अत्यंत सहायक सिद्ध होंगे।संस्थान प्रशासन ने भविष्य में भी विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए इसी प्रकार के ज्ञानवर्धक एवं रोजगारपरक कार्यक्रमों के आयोजन की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

देर से आया ग्रीष्मकालीन अवकाश का आदेश,परिषदीय शिक्षकों ने ली राहत की सांस

बीस मई के बाद से 16 जून तक शिक्षकों की अतिरिक्त ड्यूटी का समय आखिर कहां समायोजित होगा?

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) गौरीगंज/अमेठी। परिषदीय और बहुत कम पाये थे।कतिपय शिक्षकों ने भीषण गर्मी में स्कूलों

मान्यता प्राप्त विद्यालयों के लिए खुशखबरी है।देर से आ ही गया ग्रीष्मकालीन अवकाश का आदेश। परिषदीय शिक्षकों ने ली राहत की सांस। सचिव 30 प्र0 बेसिक शिक्षा परिषद प्रयागराज की ओर से 15 दिन बाद ही सही 16 जून को ग्रीष्मकालीन अवकाश का आदेश जारी कर दिया है। 16 जून तक विद्यालय भीषण गर्मी के बावजूद खुले रहे आदेश के अभाव में।इस बीच जिले में कहीं - कहीं कुछ जरतुए टाइप के अधिकारियों ने विद्यालयों की चेकिंग भी करना शुरू कर दिये थे और छात्र - छात्राओं की संख्या को खोले रखने का विरोध भी जताना शुरू कर दिया था।कहीं के शिक्षक संघ ने अधिकारी को ज्ञापन भी सौंपा था कि विद्यालय भीषण गर्मी को देखते हुए बंद किये जायें। ग्रीष्मावकाश के संबंध में शासन प्रशासन को स्पष्टीकरण जारी करना पड़ा।सचिव 30 प्र0 बेसिक शिक्षा परिषद प्रयागराज द्वारा प्रदेश के समस्त जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों को जारी पत्रांक - बे0 शि0 प0 /4436 - 4624 / 2026 - 27 दिनांक 16 - 6 - 26 के अनुसार संबंधित सभी उक्त विद्यालयों में प्रत्येक वर्ष 20 मई से 24 जून तक ग्रीष्मकालीन अवकाश रहेगा। इस पत्र में शासन के पत्र संख्या - 405 / ए सी एस (बेसिक /माध्यमिक शिक्षा) का भी हवाला दिया गया है। सचिव के पत्र के क्रमांक तीन में इस बात का भी उल्लेख है कि प्रत्येक वर्ष 22-24 जून को सभी शिक्षक शिक्षामित्र अनुदेशक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी विद्यालय में उपस्थित रहकर पूर्व में वर्णित / दिये गये सभी कार्यों में सहयोग करेंगे। क्रमांक 4 में 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर विद्यालयों में सभी शिक्षकों एवं छात्र -छात्राओं द्वारा सामूहिक योगाभ्यास सुनिश्चित किया जाये।

आध्यात्मिक चेतना और जनस्वास्थ्य का महाअभियान बना मातृभूमि सेवा मिशन का योग महोत्सव

18 जून को जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका करेंगी पांच दिवसीय विश्व योग महोत्सव का शुभारंभ,एम्स निदेशक प्रो. डॉ. अमिता जैन की गरिमामयी उपस्थिति में योग, स्वास्थ्य और जनजागरूकता का संदेश देगा आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मंगलवार को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर मातृभूमि सेवा मिशन, धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र की रायबरेली इकाई द्वारा 18 से 22 जून तक पांच दिवसीय विश्व योग महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। एम्स के निकट मुंशीगंज स्थित शहीद स्मारक स्थल, सालई नदी के तट पर अवस्थित राणा बेनी माधव बख्श सिंह पार्क में आयोजित होने वाले इस महोत्सव को लेकर योग साधकों और नागरिकों में विशेष उत्साह देखा जा रहा है।मातृभूमि सेवा मिशन पिछले पांच वर्षों से इसी प्रांगण में प्रतिदिन प्रातः 5:30

बजे निःशुल्क योग शिविर का संचालन कर रहा है। योग के माध्यम से स्वास्थ्य जागरूकता के साथ-साथ संस्थान सामाजिक, सांस्कृतिक एवं सेवा से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों का भी निरंतर संचालन करता रहा है। इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को विशेष स्वरूप देते हुए संस्थान इसे पांच दिवसीय विश्व योग महोत्सव के रूप में मना रहा है। संयोजक प्रदीप पाण्डेय ने जानकारी देते हुए बताया कि पांच दिवसीय विश्व योग महोत्सव का शुभारंभ 18 जून को प्रातः 5:30 बजे जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका मुख्य अतिथि के रूप में करेंगी, जबकि एम्स की निदेशक प्रो. डॉ. अमिता जैन विशिष्ट अतिथि के रूप में अपनी गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगी। उन्होंने बताया कि महोत्सव में वरिष्ठ वक्त के रूप में अध्यात्म गुरु कथावाचक डॉक्टर श्रीगोपाल शरण महाराज उपस्थित रहेंगे। श्री पाण्डेय ने बताया कि माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को योग से जोड़ने, स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने तथा जनसहभागिता के साथ स्वस्थ एवं सकारात्मक समाज निर्माण का संदेश दिया जाएगा। महोत्सव की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं और नागरिकों से इसमें सहभागिता की अपील की गई है।

भारतीय किसान यूनियन भानु संगठन ने नोएडा अथॉरिटी के सीईओ को 81 गांवों की समस्याओं को लेकर दिया ज्ञापन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। बीकेयू भानु यूनियन के

अध्यक्ष राजवीर मुखिया ने कहा कि नोएडा के 49 वर्ष बाद भी किसानों की समस्याओं को गंभीरता पूर्वक नहीं लेने एवं निस्तारण नहीं किया जा रहा है। नोएडा को 49 वर्ष हो गए हैं और किसानों की कई पीढ़ियाँ प्राधिकरण के चक्कर लगा लगा कर चली गई हैं,विभिन्न किसान संगठनों द्वारा समय समय पर आंदोलन किए जा चुके हैं वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष /मीडिया प्रभारी सुभाष भाटी शहदरा ने कहा की नोएडा अथॉरिटी मे नियोजन विभाग मे तैनात मीणा भार्गव किसानों के खिलाफ कार्य करती है किसानों ने इसकी शिकायत की इसलिए किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं हो पाता है और भाटी ने कहा की कुछ दिन पूर्व हाई पावर कमेटी बनी थी लेकिन अभी तक भी निर्णय नहीं आया है प्रदेश महामंत्री प्रेम सिंह भाटी ने कहा कि किसानों की समस्याओं को हम लगातार आंदोलन करते रहते है। क्योंकि नोएडा अथॉरिटी ने मौके पर सर्वे किए बिना हमारी आबादियों का भी अधिग्रहण कर लिया गया और पी पी एक्ट के तहत हजारों मुकदमें चलाए जा रहे हैं, सभी मुकदमों को वापस लिया जाय आबादियों को जहाँ है जैसी है के आधार पर छोड़ा जाए सभी किसानों को 10फीसदी प्लॉट दिए जाए और नोएडा की आवासीय स्कीम में आरक्षण दिया जाय आज भी इसके पात्र किसान सैकड़ो की संख्या में लाभ से वंचित हैं आवासीय स्कीम एवं ओद्यागिक प्लॉट स्कीम में किसानों का आरक्षण जारी रखा जाये 5फीसदी के किसानों के प्लॉटो को अतिक्रमण बता कर उन्हें प्लॉट से वंचित किया जा रहा है सभी किसानों को 5फीसदी के अतिरिक्त प्लॉट आवंटित किए जाय 5फीसदी के प्लॉटों में कमर्शियल प्रयोग करने का नियम बनाया जाय गांवों का विकास शहर की तर्ज पर किया जाए नोएडा, प्राधिकरण स्कूलों एवं प्राइवेट संस्थाओं में स्थानीय बच्चों को नौकरियों में कम से कम 25इ अनिवार्य कोटा निर्धारित किया जाए गांवों में आबादी बढ़ने के कारण पुराने सीवर पाइप छोटे हैं जो ज्यादातर चौक हो गए हैं नोएडा के कई गांवों मे शमशान घाट का निर्माण नहीं किया गया है जैसे गांव आगाहपुर मे ओर सीवर के बड़ी लाइन डाली जाए जल्द सहानुभूति पूर्वक विचार कर उचित समाधान किया जाए नोएडा अथॉरिटी के सीईओ कृष्णा करुणवेश से वार्ता सकारात्मक रही बहुत अच्छे तरीके से सुना जल्द समाधान का आश्वासन दिया इस मौके पर प्रेमसिंह भाटी सुभाष भाटी सुनील अवाना राजवीर मुखिया अनिल बेसोया ओमी प्रधान मोहित सिंहराज भाटी अजय अधाना किट्टी प्रधान उमेश स्वामी अभिषेक मोहित बेसोया आदि उपस्थित रहे।

सोनभद्र पुलिस की प्रभावी पैरवी के फलस्वरूप गैंगस्टर एक्ट के 03 अभियुक्तों को 02-02 वर्ष के कारावास की सजा,प्रत्येक अभियुक्त को 02-02 वर्ष का कारावास एवं प्रत्येक को रु5,000/- अर्थदण्ड

Operation Conviction' अभियान के तहत सोनभद्र पुलिस को मिली महत्वपूर्ण सफलता,गैंगस्टर एक्ट के 03 अभियुक्त दोषसिद्ध

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र।पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश, लखनऊ एवं अपर पुलिस महानिदेशक, वाराणसी जोन, वाराणसी के निर्देशन, पुलिस उपमहानिरीक्षक विन्ध्याचल परिक्षेत्र, मिर्जापुर के कुशल पर्यवेक्षण तथा पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के नेतृत्व में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे 'ध्र्जैग्दह ण्दहन्मूदह' अभियान के क्रम में सोनभद्र पुलिस को एक महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। सोनभद्र पुलिस की प्रभावी विवेचना, सुदृढ़ साक्ष्य संकलन एवं अभियोजन पक्ष की सशक्त पैरवी के फलस्वरूप थाना पन्नूगंज पर पंजीकृत गैंगस्टर एक्ट के अभियोग में माननीय न्यायालय एएसजे/एफटीसी/स्पेशल गैंगस्टर न्यायालय (14वाँ), सोनभद्र द्वारा 03 अभियुक्तों को दोषसिद्ध कर दण्डित किया गया। प्रकरण का विवरणः-थाना : पन्नूगंज, जनपद सोनभद्र, मु0अ0सं0 : 07/2023, धारा : 3(1) उत्तर प्रदेश गैंगस्टर एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, अभियुक्तगण का विवरणः-1. लवकुश साकेत पुत्र लक्ष्मण साकेत, निवासी माधोगढ़ ईटोरा, थाना रामपुर बाघेलाल, जनपद सतना (मध्य प्रदेश)। 2. केनुर बहेलिया पुत्र दिलबहार बहेलिया, निवासी पौड़ी, थाना पौड़ी, जनपद सतना (मध्य प्रदेश)। 3. जानकी बाई पत्नी फिरतू, निवासी पौड़ी, थाना पौड़ी, जनपद सतना (मध्य प्रदेश)। मा0 न्यायालय द्वारा पारित सजा माननीय न्यायालय द्वारा उपरोक्त अभियुक्तगण को धारा 3(1) उ0प्र0 गैंगस्टर एक्ट में दोषसिद्ध पाते हुए प्रत्येक को 02-02 वर्ष के कठोर कारावास एवं रु5,000/- (पाँच हजार रुपये) अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। अर्थदण्ड अदा न करने की दशा में प्रत्येक अभियुक्त को 01 माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। अभियुक्तों द्वारा पूर्व में जेल में बितायी गयी अवधि को सजा में समायोजित किया जायेगा।सजा दिलाने में सराहनीय भूमिकाः-उक्त प्रकरण में थाना पन्नूगंज पुलिस, अभियोजन अधिकारी, कोर्ट मोहर्रिर एवं जनपद मॉनिटरिंग सेल द्वारा समन्वित एवं प्रभावी पैरवी करते हुए न्यायालय के समक्ष सशक्त साक्ष्य एवं तथ्य प्रस्तुत किये गये, जिसके परिणामस्वरूप अभियुक्तगण को दोषसिद्ध कराते हुए सजा सुनिश्चित करायी गयी। सोनभद्र पुलिस अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करने तथा अपराधियों को न्यायालय से दण्डित कराकर कानून के शासन को सुदृढ़ बनाने हेतु निरन्तर प्रतिबद्ध है।

सरकार समाज के कमजोर एवं वंचित वर्गों के सर्वांगीण विकास के लिए है प्रतिबद्ध- अध्यक्ष

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। अध्यक्ष उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति आयोग बैजनाथ रावत द्वारा जनपद भ्रमण के दौरान आज निरीक्षण भवन में पत्रकारों के साथ प्रेसवार्ता आयोजित की गई। प्रेसवार्ता के दौरान उन्होंने केन्द्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के उत्थान हेतु संचालित विभिन्न योजनाओं, नीतियों एवं उपलब्धियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। अध्यक्ष ने कहा कि सरकार समाज के कमजोर एवं वंचित वर्गों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, रोजगार एवं सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं प्रभावी रूप से संचालित की जा रही हैं, जिससे पात्र लाभार्थियों को सीधा लाभ मिल रहा है। उन्होंने बताया

कि आयोग का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के लोगों को उनके अधिकार समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से प्राप्त हों। अध्यक्ष द्वारा संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि शासन की योजनाओं का क्रियान्वयन गुणवत्ता एवं पारदर्शिता के साथ सुनिश्चित किया जाए। प्रेसवार्ता के दौरान उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि आयोग आमजन की शिकायतों के समाधान के लिए पूरी तरह संवेदनशील है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे अपनी समस्याओं एवं शिकायतों को आयोग के समक्ष प्रस्तुत करें, जिनका निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। अध्यक्ष ने कहा कि 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के मूल मंत्र के अनुरूप सरकार समाज के हर वर्ग को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य कर रही है। उन्होंने मीडिया प्रतिनिधियों से अपेक्षा की कि वे सरकार की योजनाओं एवं नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने में सकारात्मक भूमिका निभाएं।

जी एल बजाज के एनसीसी कैडेट्स ने सीएटीसी -129 में बिखेरा प्रतिभा का दमखम, 31 पदकों के साथ लौटे विजेता बनकर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। ग्रेटर नोएडा - जी एल बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ

टेक्नोलॉजी ' मैनेजमेंट के एनसीसी कैडेट्स ने एनसीसी संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विभिन्न प्रतियोगिताओं और गतिविधियों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कीं और संस्थान को गौरवान्वित किया। संस्थान के द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के 29 कैडेट्स ने एएनओ लेफ्टिनेंट अंजना के मार्गदर्शन में इस शिविर में भाग लिया। इस दल का नेतृत्व सीनियर अंडर ऑफिसर शांभवी सिंह ने किया, जिनके नेतृत्व और समर्पण ने टीम की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संस्थान के गौरव में और वृद्धि करते हुए, SUO शांभवी सिंह को पूरे शिविर की 'बेस्ट कैडेट' के प्रतिष्ठित सम्मान से नवाज़ा गया। यह सम्मान शिविर के दौरान उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता का प्रतीक है। GL Bajaj के दल ने 30 स्वर्ण पदक और 1 रजत पदक जीतकर CATC-129 के सबसे सफल दलों में अपनी पहचान बनाई। कैडेट्स ने दो महत्वपूर्ण टीम ट्रॉफियां भी अपने नाम कीं, जिनमें ग्रुप सॉन्ग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान ट्रॉफी तथा ड्रिल प्रतियोगिता में रनर-अप ट्रॉफी शामिल हैं। व्यक्तिगत प्रदर्शन भी सराहनीय रहे। पेंटिंग प्रतियोगिता में मृदुल सिंह सोम ने अपनी रचनात्मकता और कलात्मक उत्कृष्टता का प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं, एक्सटेम्पोर प्रतियोगिता में आद्रिका ने प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि साक्षी ने अपने आत्मविश्वासपूर्ण और प्रभावशाली प्रस्तुतीकरण के दम पर रनर-अप स्थान प्राप्त किया। संस्थान ने औपचारिक एवं ड्रिल प्रतियोगिताओं में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतिष्ठित गार्ड ऑफ ऑनर प्रतियोगिता में अरुणिमा, शांभवी सिंह और सुहानी सिंह ने अपने अनुशासन और शानदार परेड प्रदर्शन के लिए स्वर्ण पदक हासिल किए।स्क्वाड ड्रिल प्रतियोगिता में मृदुल सिंह सोम, शुभांजलि, कृतिका, तरुणा और मेनका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीते। वहीं, टेबल ड्रिल प्रतियोगिता में सोनम ने स्वर्ण पदक जीतकर संस्थान की उपलब्धियों में एक और गौरवपूर्ण अध्याय जोड़ा। सांस्कृतिक गतिविधियों में भी GL Bajaj के कैडेट्स की प्रतिभा देखने को मिली। गायन प्रतियोगिता में कविता, प्रीति, श्रुति, प्राची, सुनामी, निशा, शांभवी सिंह, याशी, शुभांजलि और साक्षी ने स्वर्ण पदक जीतकर अपनी असाधारण संगीत प्रतिभा और टीम समन्वय का परिचय दिया। संस्थान की उपलब्धियों में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि जोड़ते हुए, अरुणिमा ने एंकरिंग प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। उन्होंने पूरे शिविर के दौरान उत्कृष्ट संवाद कौशल, मंच संचालन क्षमता और आत्मविश्वास का शानदार प्रदर्शन किया। कैडेट्स की ये असाधारण उपलब्धियां उनकी कड़ी मेहनत, समर्पण, अनुशासन और टीम भावना का प्रमाण हैं। ANO लेफ्टिनेंट अंजना के मार्गदर्शन और SUO शांभवी सिंह के नेतृत्व ने कैडेट्स को अपनी सर्वोच्च क्षमता के साथ प्रदर्शन करने के लिए निरंतर प्रेरित किया।GL Bajaj Institute of Technology and Management का पूरा परिवार अपने NCC कैडेट्स की इन उपलब्धियों पर अत्यंत गर्व महसूस करता है। CATC-129 में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन ने न केवल संस्थान की प्रतिष्ठा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है, बल्कि नेतृत्व, अनुशासन, देशभक्ति और उत्कृष्टता जैसे उन मूल्यों को भी साकार किया है, जिन्हें NCC युवाओं के व्यक्तित्व में विकसित करने का प्रयास करता है।

भाजपा नोएडा महानगर द्वारा प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। भारतीय जनता पार्टी नोएडा महानगर द्वारा जिला अध्यक्ष महेश चौहान के नेतृत्व में सेक्टर-6 स्थित इंदिरा भवन में मंगलवार को प्रबुद्ध वर्ग

सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। सम्मेलन में मुख्य वक्ता के रूप में राज्यसभा सांसद एवं भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लक्ष्मीकांत बाजपेई ने 12 साल विश्वास के विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों में भारत की जनता और नेतृत्व के बीच विश्वास का एक अटूट रिश्ता स्थापित हुआ है। यह विश्वास किसी प्रचार या नारे का परिणाम नहीं, बल्कि सेवा, सुशासन, पारदर्शिता और राष्ट्रहित में लिए गए निर्णयों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में देश की जनता ने पहली बार नरेंद्र मोदी जी को सेवा के लिए दिल्ली भेजा था और तब से लेकर आज तक जनता ने लगातार अपना विश्वास उन पर व्यक्त किया है। वर्ष 2019 और 2024 के जनादेश इस बात का प्रमाण हैं कि जनता केवल वादों पर नहीं बल्कि परिणामों पर विश्वास करती है। आज देश के युवाओं को अपने भविष्य पर विश्वास है, महिलाओं को अपनी भागीदारी पर विश्वास है और किसानों को यह विश्वास है कि उनकी आवाज दिल्ली तक पहुंचती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी ने सदैव कहा है कि सरकार का पहला अधिकार गरीब, किसान, युवा और महिलाओं का है और यही विश्वास विकसित भारत के संकल्प को शक्ति प्रदान कर रहा है। पूर्व मंत्री नवाब सिंह नागर ने 12 साल जनकल्याण के विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में सरकार ने जनकल्याण को शासन का मूल आधार बनाया है। उन्होंने कहा कि जन धन योजना के माध्यम से करोड़ों गरीबों को बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ा गया, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाया गया और लाभ सीधे पात्र लोगों तक पहुंचाया गया। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना ने करोड़ों माताओं को धुएं से मुक्ति दिलाई, आयुष्मान भारत योजना ने गरीब परिवारों को स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान की तथा प्रधानमंत्री आवास योजना ने करोड़ों लोगों को पक्के घर उपलब्ध कराए। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना, जल जीवन मिशन, लखपति दीदी योजना तथा विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं ने समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार का उद्देश्य केवल विकास नहीं बल्कि अंत्योदय के माध्यम से समाज के प्रत्येक वर्ग का सशक्तिकरण है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता माननीय श्री गोपाल कृष्ण अग्रवाल जी ने 12 साल विकास के विषय पर अपने विचार रखते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों की यात्रा राष्ट्र निर्माण के मिशन की यात्रा रही है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में जिस नए भारत और नई अर्थव्यवस्था का सपना देखा गया था, वह आज धरातल पर दिखाई दे रहा है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के विस्तार, राष्ट्रीय राजमार्गों के तीव्र निर्माण, आधुनिक एक्सप्रेस-वे, रेलवे के आधुनिकीकरण, वंदे भारत ट्रेनों, अमृत भारत स्टेशन योजना तथा रैपिड रेल जैसी परियोजनाओं ने देश के विकास को नई गति प्रदान की है। उन्होंने कहा कि डिजिटल इंडिया और यूपीआई ने भारत को डिजिटल क्रांति का वैश्विक मॉडल बनाया है। कृषि क्षेत्र में सिंचाई, उत्पादन और तकनीक के विस्तार ने किसानों को नई ताकत दी है। आज भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है और आधारभूत संरचना, तकनीक तथा नवाचार के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह विकास केवल आंकड़ों का नहीं बल्कि 140 करोड़ भारतीयों के जीवन में आए सकारात्मक परिवर्तन का प्रतीक है। कार्यक्रम की अध्यक्षता भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय के पूर्व सचिव एवं वरिष्ठ आईएएस अधिकारी श्री योगेंद्र नारायण सिंह जी ने की। गौतम बुद्ध नगर सांसद आदरणीय डॉ महेश शर्मा जी, राज्य मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार एवं प्रभारी मंत्री नोएडा आदरणीय कुंवर बृजेश सिंह जी, पूर्व विधायक विमला बाथम जी, जिला प्रभारी भाजपा नोएडा आदरणीय श्रीमती कांता कर्दम ने भी संबोधित किया त कार्यक्रम में कर्नल एस.पी.वैद्य,बी. एस.चौहान महेश सक्सेना, विपिन मल्लन , पीयूष द्विवेदी ,सुशील भारद्वाज, टी.एन. चौरसिया , मनोज राणा , प्रणय गोयल , पुष्कर शर्मा , मुकेश शर्मा , एन पी सिंह, विनीत मेहता, नरेंद्र चोपड़ा, संजय गुप्ता, अतुल अग्रवाल, भूपेंद्र जी, परमजीत सिंह, हरबीर, गणेश अग्रवाल, सहित बड़ी संख्या में प्रबुद्ध जन उपस्थित हुएत कार्यक्रम में 12 साल विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के अभियान के संयोजक विनोद शर्मा, प्रज्ञा शर्मा एवं बबलू यादव तथा कार्यक्रम संयोजक संजय बाली, अमरीश त्यागी, सी.पी. शर्मा, चंदगीराम यादव, अमित त्यागी, ओमवीर अवाना, पंकज झा सहित भाजपा के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं प्रबुद्धजन उपस्थित रहे। सम्मेलन में उपस्थित सभी वक्ताओं ने विकसित भारत-2047 के संकल्प को साकार करने हेतु जन-जन तक केंद्र सरकार की उपलब्धियों, जनकल्याणकारी योजनाओं तथा सुशासन के संदेश को पहुंचाने का आह्वान किया।

कलेक्टर ने जिले के दूर-दराज क्षेत्रो से आएं लोगो की सुनीं समस्या एवं शिकायतें,,

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) शहडोल। मंगलवार को कलेक्ट्रेट

कार्यालय स्थित सोन सभागार में साप्ताहिक जनसुनवाई का आयोजन किया गया। जनसुनवाई में कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने जिले के विभिन्न दूरस्थ क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों की समस्याएं एवं शिकायतें गंभीरता से सुनीं तथा संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में शहडोल जिले के वार्ड नम्बर 15 बुढार निवासी ईशिका राजपूत ने टीसी प्रदाय करवाने, ग्राम बरेली निवासी महेश प्रसाद गुप्ता ने पीएम स्वनिधि योजना का लाभ दिलाने, ग्राम खैरहा निवासी हुजुरूददीन ने घर में बोरिंग कराई जाने पर अनुमति प्रदान करने, ग्राम कटकोना निवासी राम स्वरूप बैगा ने विद्युत कनेक्शन लगवाने संबंधी आवेदन जनसुनवाई में दिए। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने सभी प्राप्त आवेदनों को संबंधित विभागों के अधिकारियों को प्रेषित करते हुए शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री शिवम प्रजापति सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल को मिला 'व्यापार एवं उद्योग नेतृत्व सम्मान 2026

नोएडा में आयोजित भव्य समारोह में दिग्गजों ने किया सम्मानित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। मोदी सरकार के गौरवशाली और सफल 12 वर्ष पूरे होने के ऐतिहासिक उपलक्ष्य में नोएडा के सेक्टर-6 स्थित इंदिरा गांधी कला केंद्र के ऑडिटोरियम में एक भव्य और गरिमामयी 'विकसित भारत

प्रबुद्ध सम्मान 2026' समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल को उनके द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों, व्यापारियों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण और प्रदेश के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान के लिए प्रतिष्ठित 'व्यापार एवं उद्योग नेतृत्व सम्मान' से नवाजा गया है। इस ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण उपलब्धि को स्वीकार करने के लिए संगठन के शीर्ष पदाधिकारी मंच पर मौजूद रहे, जिनमें मुख्य रूप से माननीय प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन, प्रदेश उपाध्यक्ष निखिल अग्रवाल, प्रदेश प्रभारी कपिल सब्बरवाल और डिस्ट्रीब्यूटर एसोसिएट के सम्मानित अध्यक्ष राजेश जिंदल शामिल थे, जिन्होंने संयुक्त रूप से इस पुरस्कार को ग्रहण कर संगठन का मान बढ़ाया। इस बेहद खास और प्रतिष्ठित मंच से उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के समस्त पदाधिकारियों ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित वरिष्ठ राजनेताओं–जिनमें सांसद लक्ष्मीकांत वाजपेयी, उत्तर प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री कुँवर बृजेश सिंह, गौतमबुद्ध नगर के लोकप्रिय सांसद डॉ. महेश शर्मा और भाजपा जिलाध्यक्ष महेश चौहान शामिल रहे–का उनके निरंतर मार्गदर्शन और स्नेह के लिए हृदय की असीम गहराइयों से आभार व्यक्त किया, साथ ही इस पूरे गरिमामयी कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने और इसे सफल बनाने में अपना विशेष एवं अतुलनीय सहयोग देने वाले वरिष्ठ संसद प्रतिनिधि संजय बाली का भी विशेष तौर पर धन्यवाद ज्ञापित किया। सम्मान समारोह के दौरान वक्ताओं ने स्पष्ट किया कि मोदी सरकार के 12 वर्षों के स्वर्णिम कार्यकाल में देश के व्यापार और उद्योग जगत को जो अभूतपूर्व गति मिली है, उसे धरातल पर उतारने और व्यापारियों व सरकार के बीच एक मजबूत सेतु का निर्माण करने में इस संगठन की भूमिका सराहनीय रही है; वहीं दूसरी ओर इस सम्मान से उत्साहित युवा व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने इसे प्रदेश के हर छोटे-बड़े उद्यमी व व्यापारी की सामूहिक मेहनत का प्रतीक बताते हुए संकल्प लिया कि वे भविष्य में भी इसी ऊर्जा, निष्ठा और समर्पण के साथ 'विकसित भारत' के सपने को साकार करने और देश की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए निरंतर कार्य करते रहेंगे। उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल को मिला 'व्यापार एवं उद्योग नेतृत्व सम्मान 2026'; नोएडा में आयोजित भव्य समारोह में दिग्गजों ने किया सम्मानित-नोएडाः मोदी सरकार के गौरवशाली और सफल 12 वर्ष पूरे होने के ऐतिहासिक उपलक्ष्य में नोएडा के सेक्टर-6 स्थित इंदिरा गांधी कला केंद्र के ऑडिटोरियम में एक भव्य और गरिमामयी 'विकसित भारत प्रबुद्ध सम्मान 2026' समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल को उनके द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों, व्यापारियों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण और प्रदेश के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान के लिए प्रतिष्ठित 'व्यापार एवं उद्योग नेतृत्व सम्मान' से नवाजा गया है। इस ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण उपलब्धि को स्वीकार करने के लिए संगठन के शीर्ष पदाधिकारी मंच पर मौजूद रहे, जिनमें मुख्य रूप से प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन, प्रदेश उपाध्यक्ष निखिल अग्रवाल, प्रदेश प्रभारी कपिल सब्बरवाल और डिस्ट्रीब्यूटर एसोसिएट के सम्मानित अध्यक्ष राजेश जिंदल शामिल थे, जिन्होंने संयुक्त रूप से इस पुरस्कार को ग्रहण कर संगठन का मान बढ़ाया। इस बेहद खास और प्रतिष्ठित मंच से उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के समस्त पदाधिकारियों ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित वरिष्ठ राजनेताओं–जिनमें माननीय सांसद लक्ष्मीकांत वाजपेयी, उत्तर प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री कुँवर बृजेश सिंह, गौतमबुद्ध नगर के लोकप्रिय सांसद डॉ. महेश शर्मा और भाजपा जिलाध्यक्ष महेश चौहान शामिल रहे–का उनके निरंतर मार्गदर्शन और स्नेह के लिए हृदय की असीम गहराइयों से आभार व्यक्त किया, साथ ही इस पूरे गरिमामयी कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने और इसे सफल बनाने में अपना विशेष एवं अतुलनीय सहयोग देने वाले वरिष्ठ संसद प्रतिनिधि संजय बाली का भी विशेष तौर पर धन्यवाद ज्ञापित किया। सम्मान समारोह के दौरान वक्ताओं ने स्पष्ट किया कि मोदी सरकार के 12 वर्षों के स्वर्णिम कार्यकाल में देश के व्यापार और उद्योग जगत को जो अभूतपूर्व गति मिली है, उसे धरातल पर उतारने और व्यापारियों व सरकार के बीच एक मजबूत सेतु का निर्माण करने में इस संगठन की भूमिका सराहनीय रही है; वहीं दूसरी ओर इस सम्मान से उत्साहित युवा व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने इसे प्रदेश के हर छोटे-बड़े उद्यमी व व्यापारी की सामूहिक मेहनत का प्रतीक बताते हुए संकल्प लिया कि वे भविष्य में भी इसी ऊर्जा, निष्ठा और समर्पण के साथ 'विकसित भारत' के सपने को साकार करने और देश की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए निरंतर कार्य करते रहेंगे।

विकसित सोनभद्र की नई उड़ान विकास प्रदर्शनी में दिखी प्रगति, नवाचार और आत्मनिर्भर भारत की झलक,प्रधानमंत्री के सफल नेतृत्व के 12 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित चार दिवसीय भव्य प्रदर्शनी में उमड़ी जनभागीदारी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की विकासवादी सोच से विकास पथ पर फर्राटा भर रहा है सोनभद्र,विकसित भारत के संकल्प को नई गति दे रहा सोनभद्र, विकास प्रदर्शनी में दिखी प्रगति, तकनीक और आत्मनिर्भरता की सशक्त तस्वीर,सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 12 स्वर्णिम वर्ष विकास प्रदर्शनी में उभरी बदलते सोनभद्र की नई पहचान,ऊर्जा, उद्योग, नवाचार और जनकल्याण का संगम विकास प्रदर्शनी में दिखी विकसित सोनभद्र की नई उड़ान, प्रधानमंत्री के नेतृत्व में विकास के 12 वर्ष पूर्ण, भव्य प्रदर्शनी में झलकी आत्मनिर्भर भारत और विकसित उत्तर प्रदेश की परिकल्पना,पिछड़ेपन से प्रगति की ओर बढ़ता सोनभद्र विकास प्रदर्शनी बनी जनभागीदारी, नवाचार और सुशासन का सशक्त मंच,

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सफल नेतृत्व में सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में पंचायत रिसोर्स सेंटर, सोनभद्र में आयोजित चार दिवसीय भव्य विकास प्रदर्शनी जनपद की विकास यात्रा, औद्योगिक प्रगति, तकनीकी नवाचार तथा जनकल्याणकारी योजनाओं का सजीव दस्तावेज बनकर उभरी है। प्रदर्शनी में बड़ी संख्या में नागरिकों, विद्यार्थियों, युवाओं एवं जनप्रतिनिधियों ने सहभागिता कर विकास की बदलती तस्वीर को नजदीक से देखा। प्रदर्शनी का शुभारंभ प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री श्री संजीव कुमार गौड़ द्वारा फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर विधायक घोरावल डॉ. अनिल कुमार मौर्य, विधायक सदर श्री भूपेश चौबे, अनुसूचित जनजाति आयोग के उपाध्यक्ष श्री जीत सिंह खरवार, जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़, मुख्य विकास अधिकारी सुश्री जागृति अवस्थी, भाजपा जिलाध्यक्ष श्री नन्दलाल गुप्ता, भाजपा जिला प्रभारी श्री अनिल सिंह, पूर्व राज्यसभा सांसद श्री रामसकल, पूर्व सांसद श्री नरेन्द्र सिंह कुशवाहा सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।इस अवसर पर राज्य मंत्री श्री संजीव कुमार गौड़ ने कहा कि कभी पिछड़े जनपदों में गिना जाने वाला सोनभद्र आज ऊर्जा उत्पादन, औद्योगिक विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, डिजिटल सेवाओं एवं आधारभूत संरचना के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां प्राप्त कर प्रदेश के अग्रणी जनपदों में अपनी पहचान बना रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं प्रदेश सरकार की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से जनपद में विकास की नई धारा प्रवाहित हुई है तथा तकनीकी नवाचारों और औद्योगिक निवेश के माध्यम से रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं। राज्य मंत्री श्री संजीव कुमार गौड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश देश की सबसे तेजी से विकसित होती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो चुका है। मजबूत कानून-व्यवस्था, बेहतर आधारभूत संरचना और निवेश अनुकूल वातावरण के कारण प्रदेश में औद्योगिक विकास को नई गति मिली है, जिससे युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के अवसर लगातार बढ़ रहे हैं। चार दिवसीय विकास प्रदर्शनी का उद्देश्य आमजन को केंद्र एवं प्रदेश सरकार की उपलब्धियों, विकास परियोजनाओं, तकनीकी प्रगति एवं आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में उनकी भूमिका से अवगत कराना है। प्रदर्शनी में उमड़ी जनभागीदारी यह दर्शाती है कि विकास और नवाचार के प्रति लोगों का विश्वास लगातार मजबूत हो रहा है। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने अपने संबोधन में कहा कि यह विकास प्रदर्शनी केवल उपलब्धियों का प्रदर्शन नहीं, बल्कि जनपद की परिवर्तनकारी विकास यात्रा का प्रतिबिंब है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के नेतृत्व में सोनभद्र ने शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पेयजल, डिजिटल सेवाओं, कृषि और उद्योग के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। उन्होंने कहा कि प्रशासन का लक्ष्य विकास की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। जिलाधिकारी ने युवाओं से नवाचार, तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। प्रदर्शनी में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों के माध्यम से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास परियोजनाओं तथा सुशासन की उपलब्धियों को आकर्षक ढंग से प्रदर्शित किया गया।

आगंतुकों को योजनाओं की जानकारी देने के साथ-साथ लाभार्थियों की सफलता की कहानियों को भी साझा किया गया। प्रदर्शनी का प्रमुख आकर्षण आधुनिक तकनीकों और नवाचारों पर आधारित तकनीकी वीथिकाएं रहीं। यहां ड्रोन तकनीक, 3डी प्रिंटिंग, रोबोटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, ब्लूटूथ नियंत्रित वाहन, लाइन फॉलोइंग रोबोट, ऑब्स्टेकल अवॉइडिंग रोबोट तथा औद्योगिक ऑटोमेशन आधारित मॉडलों का प्रदर्शन किया गया। इन नवाचारों ने युवाओं एवं विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक की असीम संभावनाओं से परिचित कराया। कृषि क्षेत्र में तकनीक के बढ़ते उपयोग को भी प्रदर्शनी में प्रमुखता से प्रस्तुत किया गया। किसानों को ड्रोन आधारित कृषि सर्वेक्षण, कीटनाशक छिड़काव, स्मार्ट कृषि उपकरणों तथा आधुनिक खेती की तकनीकों की जानकारी दी गई, जिससे कृषि उत्पादकता बढ़ाने एवं लागत कम करने के उपायों को समझाया जा सके। प्रदर्शनी में जनपद की औद्योगिक क्षमता और आर्थिक योगदान को भी प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया। एनसीएल, आवादा ग्रुप, अदाणी समूह, हिंडालको, ओबरा तापीय परियोजना एवं अल्ट्राटेक जैसी प्रतिष्ठित औद्योगिक इकाइयों ने अपनी परियोजनाओं, उपलब्धियों एवं भविष्य की योजनाओं को प्रस्तुत किया। इन प्रदर्शनों ने यह दर्शाया कि सोनभद्र प्रदेश एवं देश की अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। माध्यमिक शिक्षा विभाग द्वारा संचालित अटल टिंकरिंग लैब की गतिविधियों को भी प्रदर्शनी में विशेष स्थान दिया गया।

विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए नवाचार आधारित मॉडल और तकनीकी परियोजनाएं आकर्षण का केंद्र रहीं। इससे यह संदेश मिला कि सरकारी विद्यालय अब केवल पारंपरिक शिक्षा के केंद्र नहीं रह गए हैं, बल्कि नवाचार, शोध एवं कौशल विकास के नए आयाम स्थापित कर रहे हैं। यह प्रदर्शनी केवल उपलब्धियों का प्रदर्शन नहीं, बल्कि विकसित भारत एवं विकसित उत्तर प्रदेश के संकल्प को साकार करने की दिशा में सोनभद्र के बढ़ते कदमों का प्रेरक उदाहरण है।

प्रभु चरित्र सुनिबे को रसिया रामलखन सीता मन बसिया की चौपाई पर पाँच दिन तक चलेगा हनुमंत कथा-पं आदर्श कृष्ण शास्त्री

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) करमा/सोनभद्र। करमा ब्लाक के सरौली ग्राम पंचायत मे स्थित डीहबाबा मंदिर प्रांगण मे हनुमंत यज्ञ हनुमंत कथा एवं महादिव्य दरबार का प्रथम दिवस प्रभु चरित्र सुनिबे को रसिया रामलखन सीता

मन बसिया की चौपाई पर पाँच दिन तक कथा बोला जायेगा ऐसा कहना है सीधेश्वर धाम सरकार के पिठाधिश्वर पं श्री आदर्श कृष्ण शास्त्री जी महाराज का ।शास्त्री जी ने बताया की एक ही चौपाई पर पाँच दिन तक कथा चलने वाली है उन्होंने बताया की प्रभु श्री हनुमान जी अपने आराध्य श्री राम जी के चरित्र सुनने के सबसे बड़े रसिक है। साथ ही दैहिक दैविक भौतिक ताप को समन करने के लिए दिव्य दरबार मे छः लोगों की अर्जी स्वीकार हुई। वही महराज श्री के द्वारा बालाजी के चरणों मे सामूहिक अर्जी भी स्वीकार किया गया। मानस हंस श्री श्यामबली पाठक के द्वारा सुन्दरकांड पंचम सोपान का पारायण प्रथम दिवस किया गया।मंच संचालन आचार्य पं मनोज कुमार दीक्षित के द्वारा किया गया।उन्होंने बताया की प्रथम दिवस के कथा मे ही पांडाल श्रोताओं से भर गया सबसे ज्यादा उपस्थिति माताओं की रही।यज्ञाचार्य के रूप मे आचार्य राजन पाण्डेय, आलोक तिवारी, अभिषेक पाठक शिवम शुक्ला,दीपक पाण्डेय रहे इस मौके पर मुख्य यजमान के रूप मे प्रेमनाथ उपाध्याय मिलेट्री सपत्नीक व सहायक यजमान दिनकर पाण्डेय सपत्नीक रहे इस मौके पर मनीष पाण्डेय सुबाष दीक्षित दीपेंद्र सिंह, प्रफुल्ल आलोक मिश्रा विमलेश गिरी, मनीष गिरी, राजेश पटेल अवधेश पाण्डेय, सूरज पटेल, अशोक यादव, हीरालाल यादव, अशोक पटेल गोपाल यादव,सहित हजारों की संख्या मे श्रोता उपस्थित रहे।

आदिवासी विकास का बजट बढ़ाने को कॉर्पोरेट पर लगे टैक्स, रोजगार-सामाजिक अधिकार यात्रा जारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) म्योरपुर/सोनभद्र। मंगलवार को खरवार समाज की बैठक में ऑल इंडिया पीपुल्स फ्रंट के जिला सचिव दलित, आदिवासी के विकास के लिए जारी होने वाले सब प्लान बजट और जनकल्याण के मदों में बढ़ोतरी के लिए कॉरपोरेट की संपत्ति पर टैक्स लगाने की मांग पुरजोर तरीके से यात्रा में उठ रही है। जनगणना में आदिवासी धर्म कोड लागू करने और 8 सूत्रीय एजेण्डा पर रोजगार-सामाजिक अधिकार यात्रा जारी है। खैराही, कुसम्हा, गंभीरपुर, आश्रम रनटोला में संपर्क संवाद किया गया। साथ ही बभनी गांव में इंद्रदेव खरवार ने पहुंचकर जनगणना में आदिवासी धर्म कोड को लागू करने पर बात रखी। संवाद में वक्ताओं ने कहा कि देश में संसाधनों की कोई कमी नहीं है। यदि देश के बड़े कॉर्पोरेट घरानों की संपत्ति पर महज 2 प्रतिशत टैक्स लगा दिया जाए तो मौजूदा बजट लगभग दुगना हो जाएगा। जिससे रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेंशन, आवासीय भूमि का अधिकार सभी नागरिकों को दिया जा सकता है। साथ ही दलित और आदिवासियों के विकास के बजट में भी पर्याप्त बढ़ोतरी हो सकती है। वक्ताओं ने कहा कि आजादी से पूर्व और आजादी के बाद सन 1961 तक जनगणना में आदिवासी समुदाय के धर्म के लिए अलग कालम बना हुआ था, जिसे समाप्त कर दिया गया। सभी लोग जानते हैं कि आदिवासी समाज का अपना धर्म, परंपरा, सभ्यता, संस्कृति, रीति रिवाज, बोली, भाषा, लिपि मौजूद है जिसकी पहचान का आज का बड़ा संकट खड़ा हो गया है। इसलिए सरकार को आदिवासी धर्म कोड को जनगणना में शामिल करना चाहिए ताकि आदिवासियों की अपनी विशिष्ट पहचान सुरक्षित हो सके। संवाद कार्यक्रमों में ऑल इंडिया पीपुल्स फ्रंट के जिला संयोजक कृपा शंकर पनिका, सविता गोंड, रूबी सिंह गोंड, राजेंद्र प्रसाद गोंड, देवकुमार खरवार, सुगवंती गोंड, मंगरु प्रसाद श्याम, जवाहर खरवार, रामचंद्र पटेल, अंतलाल खरवार, राजकुमार खरवार, गंभीरा गोंड, ललित गोंड, समरजीत गोंड आदि लोग शामिल रहे।

'12 साल का राज, सोनभद्र बेहाल और मंत्री-विधायक मस्त'

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिला कांग्रेस अध्यक्ष रामराज सिंह गोंड का सरकार पर सीधा और तीखा हमला।सोनभद्र। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रामराज सिंह गोंड ने आज प्रेस वार्ता में भाजपा सरकार और उसके मंत्रियों पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा के 12 साल का कार्यकाल सोनभद्र के इतिहास का सबसे काला अध्याय साबित हुआ है। उन्होंने मंत्रियों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि सरकार में बैठे लोग और उनके चहेते मंत्री केवल अपनी जेबें भरने और कॉरपोरेट की दलाली में व्यस्त हैं, जबकि सोनभद्र की जनता बुनियादी चीजों के लिए तरस रही है।जिलाध्यक्ष ने सरकार और मंत्रियों को घेरते हुए निम्नलिखित तीखे सवाल और आरोप दागे:- 1. 'मंत्रियों के संरक्षण में पल रहा है खनन माफिया'12 साल से सत्ता का मलाई खा रहे भाजपा के मंत्रियों और नेताओं की शह पर सोनभद्र में 'माफिया राज' चल रहा है।जो बालू-गिट्टी यहाँ की धरती से निकलती है, उसे ही यहाँ का गरीब दोगुनी कीमत पर खरीदने को मजबूर है। मंत्रियों के संरक्षण में संसाधनों की खुली लूट हो रही है और गरीब का आशियाना बनाना सपना हो गया है।2. 'अडानी की दलाली बंद करे सरकार, आदिवासियों की जमीन बेचना बंद करो'नगवा ब्लॉक में 30 किलोमीटर के दायरे में चल रही भूमि अधिग्रहण और जंगलों की कटाई सरकार और मंत्रियों की कॉरपोरेट परस्ती का जीता-जागता सबूत है।सरकार अपने आका अडानी की कंपनी को फायदा पहुंचाने के लिए आदिवासियों को उनकी ही जल, जंगल और जमीन से बेदखल कर रही है। कांग्रेस चेतावनी देती है कि मंत्रियों की इस कॉरपोरेट दलाली को हम सोनभद्र की धरती पर चलने नहीं देंगे।3. 'पूरे देश को रोशन करने वाला ऊर्जांचल खुद अंधेरे में, मंत्रियों को शर्म आनी चाहिए'सोनभद्र का 'ऊर्जांचल' अपनी छाती पर प्रदूषण झेलकर पूरे देश को बिजली देता है, लेकिन यहाँ के मूल निवासी अघोषित बिजली कटौती और भारी-भरकम बिलों से त्रस्त हैं।स्थानीय मंत्रियों और विधायकों को इस पर शर्म आनी चाहिए कि वे सत्ता के नशे में चूर हैं और जनता लालटेन युग में जीने को मजबूर है। हम माँग करते हैं कि यहाँ के निवासियों को मुफ्त या बेहद रियायती दरों पर बिजली मिले। 2. 4. हमलासोनभद्र। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रामराज सिंह गोंड ने आज प्रेस वार्ता में भाजपा सरकार और उसके मंत्रियों पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा के 12 साल का कार्यकाल सोनभद्र के इतिहास का सबसे काला अध्याय साबित हुआ है। उन्होंने मंत्रियों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि सरकार में बैठे लोग और उनके चहेते मंत्री केवल अपनी जेबें भरने और कॉरपोरेट की दलाली में व्यस्त हैं, जबकि सोनभद्र की जनता बुनियादी चीजों के लिए तरस रही है।जिलाध्यक्ष ने सरकार और मंत्रियों को घेरते हुए निम्नलिखित तीखे सवाल और आरोप दागे:- 1. 'मंत्रियों के संरक्षण में पल रहा है खनन माफिया'12 साल से सत्ता का मलाई खा रहे भाजपा के मंत्रियों और नेताओं की शह पर सोनभद्र में 'माफिया राज' चल रहा है।जो बालू-गिट्टी यहाँ की धरती से निकलती है, उसे ही यहाँ का गरीब दोगुनी कीमत पर खरीदने को मजबूर है। मंत्रियों के संरक्षण में संसाधनों की खुली लूट हो रही है और गरीब का आशियाना बनाना सपना हो गया है।2. 'अडानी की दलाली बंद करे सरकार, आदिवासियों की जमीन बेचना बंद करो'नगवा ब्लॉक में 30 किलोमीटर के दायरे में चल रही भूमि अधिग्रहण और जंगलों की कटाई सरकार और मंत्रियों की कॉरपोरेट परस्ती का जीता-जागता सबूत है।सरकार अपने आका अडानी की कंपनी को फायदा पहुंचाने के लिए आदिवासियों को उनकी ही जल, जंगल और जमीन से बेदखल कर रही है। कांग्रेस चेतावनी देती है कि मंत्रियों की इस कॉरपोरेट दलाली को हम सोनभद्र की धरती पर चलने नहीं देंगे।3. 'पूरे देश को रोशन करने वाला ऊर्जांचल खुद अंधेरे में, मंत्रियों को शर्म आनी चाहिए'सोनभद्र का 'ऊर्जांचल' अपनी छाती पर प्रदूषण झेलकर पूरे देश को बिजली देता है, लेकिन यहाँ के मूल निवासी अघोषित बिजली कटौती और भारी-भरकम बिलों से त्रस्त हैं।स्थानीय मंत्रियों और विधायकों को इस पर शर्म आनी चाहिए कि वे सत्ता के नशे में चूर हैं और जनता लालटेन युग में जीने को मजबूर है। हम माँग करते हैं कि यहाँ के निवासियों को मुफ्त या बेहद रियायती दरों पर बिजली मिले। 2. 4. 'स्थानीय युवाओं को भीख नहीं, हक चाहिए – उद्योगों में 80फीसदी नौकरी दो'सोनभद्र में बड़े-बड़े उद्योग लगे हैं, जिनमें मंत्रियों के करीबी और बाहरी लोग मलाई काट रहे हैं, और यहाँ का पढ़ा-लिखा नौजवान रोजगार के लिए दर-दर की ठोकरें खा रहा है।हम मंत्रियों को चुनौती देते हैं कि अगर उनमें थोड़ी भी नैतिकता बची है, तो सभी सरकारी और निजी उद्योगों में स्थानीय युवाओं को 80फीसदी पक्की नौकरियों की लिखित कानूनी गारंटी दिलवाएं, वरना गद्दी छोड़ें। 5. 'किसान बेहाल, मंत्री मालामाल'12 साल में सोनभद्र का किसान पानी की एक-एक बूंद के लिए तरस गया और कर्ज के बोझ तले दबा है। सिंचाई योजनाएं सिर्फ मंत्रियों के भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ चुकी हैं। किसानों के कृषि ऋण तुरंत माफ किए जाएं और सिंचाई के लिए मुफ्त पानी दिया जाए।कांग्रेस की खुली चेतावनी: 'सड़कों पर होगा मंत्रियों का घेराव'जिला अध्यक्ष रामराज सिंह गोंड ने साफ शब्दों में चेतावनी दी: 'भाजपा सरकार और उसके मंत्री यह कान खोलकर सुन लें कि सोनभद्र आदिवासियों, किसानों और युवाओं का है, किसी कॉरपोरेट घराने या माफिया की बपौती नहीं है। अगर नगवा ब्लॉक के आदिवासियों को उजाड़ा गया या जनता की माँगें पूरी नहीं हुईं, तो कांग्रेस पार्टी मंत्रियों के घरों का घेराव करेगी, चक्का जाम करेगी और इस जनविरोधी सरकार की ईंट से ईंट बजा देगी।' 6. प्रेस वार्ता के दौरान जिला अध्यक्ष रामराज सिंह गोंड शहर अध्यक्ष हाजी फरीद अहमद पूर्व शहर अध्यक्ष राजीव त्रिपाठी पिछड़ा प्रकोष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष सेतराम केशरी आरटीआई के जिला अध्यक्ष श्रीकांत मिश्रा जिला महासचिव दयाशंकर पांडे पिछड़ा प्रकोष्ठ कार्यवाहक अध्यक्ष दिनेश यादव उपस्थित रहे।

कोर्ट के आदेश के ढाई साल बाद भी नहीं हुई जमीन की फ़ाटबन्दी,कानूनगो व लेखपाल द्वारा की जा रही हीलाहवाली

पीड़ित महिला ने डीएम सोनभद्र व डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र को प्रार्थना पत्र देकर लगाई गुहार,डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन ने महिला को न्याय दिलाने का दिया आश्वासन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। कोर्ट के आदेश के ढाई साल बाद भी जमीन की फ़ाटबन्दी नहीं हुई। सिर्फ कानूनगो व लेखपाल द्वारा हीलाहवाली की जा रही है। पीड़ित महिला ने डीएम सोनभद्र व डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र को प्रार्थना पत्र देकर गुहार लगाई है। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन ने मामले को गम्भीरता से लेते हुए महिला को न्याय दिलाने का आश्वासन दिया है। पीड़ित महिला मंजू देवी पुत्री सदाफल चौहान निवासी ग्राम मधुपुर, परगना अहरौरा, तहसील व थाना रॉबर्ट्सगंज, जिला सोनभद्र ने 16 जून 2026 को डीएम को दिए शिकायती पत्र में आरोप लगाया है कि डिप्टी कलेक्टर रॉबर्ट्सगंज के न्यायालय ने 31 अक्तूबर 2023 को मौजा मधुपुर स्थित पिताजी की आराजी नम्बर 856/1 रकबा 0.2920 हेक्टेयर जमीन फ़ाटबन्दी का स्पष्ट आदेश पारित किया गया है। जिसमें राजस्व निरीक्षक व लेखपाल को टीम के साथ मौके पर जाकर सीमांकन करने को कहा गया था। बावजूद इसके ढाई साल बीत जाने के बाद भी कोर्ट के आदेश का अनुपालन नहीं किया जा रहा है, बल्कि कानूनगो व लेखपाल द्वारा आदेश की अवहेलना की जा रही है। इतना ही नहीं पिताजी की शिकायत पर राजस्व निरीक्षक द्वारा एक जून 2026 को नोटिस जारी की गई थी, जिसमें मधुपुर के प्रधान के साथ 8 जून 2026 को सुबह 8 बजे नापी के लिए पहुंचने को निर्देशित किया गया था। लेकिन मौके पर राजस्व निरीक्षक व लेखपाल नहीं पहुंचे, जब फोन कर नापी के लिए बुलाया गया तो तरह तरह का बहाना बनाकर लगातार हीलाहवाली की जा रही है। पिताजी बीमार हैं, जिसकी वजह से महिला होकर पैरवी करनी पड़ रही हैं। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र कार्यालय में बुधवार को पीड़ित महिला मंजू देवी ने एक शिकायती पत्र देकर कोर्ट के आदेश का अनुपालन कराए जाने की मांग की है। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन, सोनभद्र के महामंत्री राजेंद्र कुमार यादव एडवोकेट ने कहा कि महिला के शिकायती पत्र को एसोसिएशन ने संज्ञान में लिया है। महिला को न्याय दिलाने के लिए कटिबद्ध है। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र के मीडिया प्रभारी राजेश कुमार यादव एडवोकेट ने कहा कि न्यायालय के आदेश की खुली अवमानना है तथा एक गरीब महिला को न्याय से वंचित करने का प्रयास है। पूर्व महामंत्री प्रदीप कुमार मौर्य एड ने कहा कि उक्त प्रकरण में तत्काल हस्तक्षेप कर न्यायालय के आदेश का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित कराया जाए। यहाँ एसोसिएशन स्पष्ट करता है कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो अधिवक्ता समाज पीड़िता के समर्थन में विधिक एवं लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन के लिए बाध्य होगा। न्याय में देरी अन्याय के समान है। इस अवसर पर एडवोकेट पवन कुमार सिंह, टीटू गुप्ता, मृगराज सिंह, अमित वर्मा, संतोष कुमार यादव, राकेश कुमार सिंह, विनीता, आकृति निर्भया, किरन सिंह, आदर्श देव पांडेय, शाहनवाज आलम खान आदि अधिवक्ता मौजूद रहे।

थाना बीजपुर परिसर में 'मिशन शक्ति केंद्र' का शिलान्यास

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'मिशन शक्ति' (नारी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन) के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक सोनभद्र श्री अभिषेक वर्मा के निर्देशन में आज थाना बीजपुर परिसर में 'मिशन शक्ति केंद्र' का शिलान्यास किया गया। यह केंद्र महिलाओं एवं बालिकाओं को त्वरित पुलिस सहायता, कानूनी परामर्श एवं सुरक्षा संबंधी सुविधाएं उपलब्ध कराने में सहायक होगा। साथ ही महिलाओं से संबंधित शिकायतों का त्वरित निस्तारण एवं जागरूकता कार्यक्रमों के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस पहल से महिलाओं एवं बालिकाओं में सुरक्षा की भावना और अधिक सुदृढ़ होगी तथा उन्हें अपनी समस्याओं के समाधान हेतु एक सुरक्षित एवं सुलभ मंच प्राप्त होगा।

थाना रायपुर पुलिस को मिली बड़ी सफलता,अवैध मादक पदार्थ/अवैध शराब के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही

01 अभियुक्त गिरफ्तार, भारी मात्रा में अवैध शराब, स्कूटी एवं नकदी बरामद

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र श्री अभिषेक वर्मा के निर्देशन में अपराध, अपराधियों तथा अवैध मादक पदार्थों एवं अवैध शराब की तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) श्री ऋषभ रुणवाल के पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी सदर श्री राज सोनकर के कुशल निर्देशन में थाना रायपुर पुलिस द्वारा एक महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की गई है। प्रकरणः- दिनांक 16.06.2026 को थाना रायपुर पुलिस टीम द्वारा क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की सघन चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान पुलिस टीम ने अभियुक्त इन्द्रेश कुमार केशरी पुत्र कन्हैया निवासी गोटीबाँध, थाना रायपुर, जनपद सोनभद्र को गिरफ्तार किया। तलाशी एवं जांच के दौरान उसके कब्जे से भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद हुई। उक्त बरामदगी के आधार पर थाना रायपुर पर मु0अ0सं0- 86/2026, धारा 60/63/72 आबकारी अधिनियम के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की गई। गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त का विवरणः-1. सुरेश कुमार केशरी- पुत्र कन्हैया उम्र करीब 36 वर्ष, निवासी - गोटीबाँध, थाना रायपुर, जनपद सोनभद्र। बरामदगी का विवरण- 1. ब्लू लाइम शराब के कुल 270 पैकेट (कुल 72 लीटर) 2. एक अदद स्कूटी (बिना नम्बर) 3. नगद रु5,450/- गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम- 1. उ0नि0 अतुल कुमार पटेल, थाना रायपुर, जनपद सोनभद्र। 2. हे0का0 वृष्णा राय, थाना रायपुर, जनपद सोनभद्र। 3. रिक्रूट आरक्षी सौरभ कुमार, थाना रायपुर, जनपद सोनभद्र। सोनभद्र पुलिस द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध तथा अवैध शराब एवं मादक पदार्थों की तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु अभियान निरंतर जारी है।

मेसी की फुटबॉल वर्ल्डकप में पहली हैट्रिक, टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा गोल करने की बराबरी की

11 इंटरनेशनल हैट्रिक लगा चुके

स्पोर्टडेस्क। अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने बुधवार को फुटबॉल वर्ल्ड कप में अपने करियर की पहली तीन गोल पीछे थे। मेसी ने हैट्रिक लगाकर इस अंतर को खत्म किया और क्लोज की बराबरी पर आ गए। मेसी ने आया जब मैक एलिस्टर के तेज शॉट को गोलकीपर लुका जिदान पूरी तरह नियंत्रित नहीं कर सके। मेसी ने मौके का फायदा

हैट्रिक लगा दी है। यह मौजूदा वर्ल्ड कप की पहली हैट्रिक भी है। मेसी की यह हैट्रिक खास मौके पर आई है। उन्होंने आज ही के दिन 17 जून 2006 में फीफा वर्ल्ड कप में अपना पहला मैच खेला था।38 साल के मेसी ने 17वें, 60वें और 76वें मिनट में गोल दागे। वे 78 मिनट के गेम के बाद मैदान से बाहर चले गए। कैनसस सिटी के एरोहेड स्टेडियम में मेसी के इस दमदार प्रदर्शन से अर्जेंटीना ने ग्रुप-जे के मुकाबले में अल्जीरिया को 3-0 से हराया। मेसी अब तक 11 इंटरनेशनल हैट्रिक लगा चुके हैं। इस जीत से अर्जेंटीना ग्रुप-जे के पॉइंट्स टेबल में पहले स्थान पर आ गई है। अर्जेंटीना अब 22 जून को अपने अगले ग्रुप मुकाबले में ऑस्ट्रिया से भिड़ेगा। वहीं, अल्जीरिया की टीम अपने अगले मैच में जॉर्डन से भिड़ेगी। मैच में खासः- मेसी ने टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे ज्यादा गोल के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। उनके नाम अब 16 गोल हो गए हैं। मेसी 5 अलग-अलग वर्ल्ड कप में गोल करने वाले दुनिया के दूसरे फुटबॉलर बने हैं। उनसे पहले पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो यह कारनामा कर चुके हैं। मेसी ने क्लोज के रिकॉर्ड की बराबरीः- इस मैच से पहले मेसी के नाम वर्ल्ड कप में 13 गोल थे। वे जर्मनी के दिग्गज फुटबॉलर मिरोस्लाव क्लोज के 16 गोल के रिकॉर्ड से 200वां इंटरनेशनल गोल दागाः- मेसी ने अल्जीरिया के खिलाफ शुरुआती मिनटों में गोल कर मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना को 1-0 की बढ़त दिलाई। यह मुकाबला मेसी के इंटरनेशनल करियर का 200वां मैच भी था। उनका इंटरनेशनल करियर 2005 में 18 वर्ष की उम्र में शुरू हुआ था। उनसे ज्यादा मैच केवल पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो और कुवैत के बदर अल-मुतावा ने खेले हैं। पहले हाफ में ऑफ साइड के कारण 2 गोल रद्दः- मुकाबले की शुरुआत तेज रही। मेसी और अल्जीरिया के फारिस शाइबी, दोनों के गोल ऑफसाइड के कारण रद्द कर दिए गए। इसके बाद मेसी ने 30 गज दूर से गेंद हासिल की, डिफेंडर को छकाया और शानदार कर्लिंग शॉट लगाकर अर्जेंटीना को बढ़त दिला दी। पहले हाफ में अल्जीरिया ने अर्जेंटीना को ज्यादा मौके नहीं दिए। हालांकि, एलेक्सिस मैक एलिस्टर का एक हेडर क्रॉसबार के ऊपर चला गया। दूसरी ओर अल्जीरिया के अनिस हद्ज मौसा ने भी मौका बनाया, लेकिन गोलकीपर एमिलियानो मार्टिनेज ने आसानी से उसे रोक लिया। दूसरे हाफ में छाए मेसी, 3 गोल दागेः- ब्रेक के बाद मेसी लगातार अर्जेंटीना के हमलों का केंद्र बने रहे। पहले उन्होंने दूर से शॉट लगाया और फिर लाउतारो मार्टिनेज को शानदार पास दिया। उनका दूसरा गोल तब उठाते हुए रिबाउंड पर गेंद को गोल में पहुंचा दिया। इसके बाद उन्होंने अपने चिर-परिचित अंदाज में बॉक्स के बाहर से कर्लिंग शॉट लगाकर हैट्रिक पूरी की और स्टेडियम में मौजूद अर्जेंटीनी समर्थकों को जश्न मनाने का मौका दे दिया। मेसी ने आज के दिन डेब्यू किया था, अब छठा वर्ल्ड कप खेल रहे हैं मेसी अपने करियर का रिकॉर्ड छठा वर्ल्ड कप खेल रहे हैं। उन्होंने 20 साल पहले आज के दिन सर्बिया एवं मोंटेनेग्रो के खिलाफ मुकाबले से वर्ल्ड कप में डेब्यू किया था। हाल ही में मेसी हैमस्ट्रिंग की मामूली चोट से जूझ रहे थे, लेकिन टूर्नामेंट से पहले आइसलैंड के खिलाफ अभ्यास मैच में उन्होंने वापसी के संकेत देते हुए पेनल्टी पर गोल किया था। कैनसस सिटी में दिखा 'मेसी-मेनिया' अर्जेंटीना की टीम के कैनसस सिटी पहुंचने के बाद से ही शहर में मेसी को लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। मैच के दिन हजारों प्रशंसक मेसी की नंबर-10 जर्सी पहनकर स्टेडियम पहुंचे। डाउनटाउन क्षेत्र में आयोजित वॉच पार्टी में भी मेसी के सम्मान में विशेष आयोजन किए गए। उनके नाम के नारे पूरे मुकाबले के दौरान गूंजते रहे। मेसी की इस अचीवमेंट ने एक बार फिर उन्हें फुटबॉल इतिहास के महानतम खिलाड़ियों की बहस के केंद्र में ला खड़ा किया है।

विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप

श्रीलंका की न्यूजीलैंड पर बड़ी जीत, टूर्नामेंट में पहली बार कीवियों को हराया

साउथम्पटन। विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में मंगलवार को खेले गए मैच में श्रीलंका ने न्यूजीलैंड को रोमांचक मुकाबले में 5 विकेट से हरा दिया। यह पहली बार है जब विमेंस वर्ल्ड कप में श्रीलंका ने न्यूजीलैंड को हराया है। वहीं, इसी ग्राउंड पर खेले गए दूसरे मैच में इंग्लैंड ने आयरलैंड को 4 विकेट से हराकर इस वर्ल्ड कप में अपनी दूसरी जीत दर्ज की। साउथम्पटन में पहले बैटिंग करते हुए न्यूजीलैंड ने 20 ओवर में 150/6 का स्कोर बनाया। इसके जवाब में श्रीलंका ने 19.4 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर टारगेट हासिल कर लिया। रनचेज में श्रीलंका ने 55 रन पर 4 विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद निलाक्षिका सिल्वा (54ङ) और कौशनी नुथ्यंगना (24ङ) ने टीम को 19.4 ओवर में जीत दिला दी। निलाक्षिका को उनकी मैच विनिंग पारी के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया। श्रीलंका ने 10 रन के अंदर 4 विकेट गंवाए- रनचेज में श्रीलंका को चमारी अटापट्टू (27 रन) ने अच्छी शुरुआत दिलाई। टीम ने 5.4 ओवर में बिना विकेट गंवाए 45 रन बना लिए थे। न्यूजीलैंड की पेसर ब्री इलिंग ने अट्टापटू को आउट कर टीम को पहला झटका दिया। इसके बाद स्पिनर नेंसी पटेल ने 2 विकेट लेकर श्रीलंका का स्कोर 45/0 से 55/4 कर दिया। हसिनी परेरा 2 रन बनाकर रनआउट हुईं। नंबर-6 पर बल्लेबाजी करने उतरी निलाक्षिका सिल्वा ने कविशा दिलहारी के साथ मिलकर 5वें विकेट लिए 50 रन जोड़े। 15वें ओवर की आखिरी गेंद पर दिलहारी रनआउट हुईं। इसके बाद कौशनी बल्लेबाजी के लिए उतरीं। निलाक्षिका और कौशनी ने छठवें विकेट के लिए नाबाद 48 रन जोड़े और टीम को 2 गेंद शेष रहते जीत दिला दी। डिवाइन और अमेलिया कर की पारियों से न्यूजीलैंड 150 रन तक पहुंची-इससे पहले टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत खराब रही। ओपनर इजी गेज सिर्फ 4 रन बनाकर मिथाली अयोध्या की गेंद पर कैच आउट हुईं। इसके बाद जॉर्जिया प्लिमर और अमेलिया कर ने दूसरे विकेट के लिए 46 गेंद पर 49 रन जोड़े। प्लिमर के आउट

होने के बाद सोफी डिवाइन ने आक्रामक बल्लेबाजी की। उन्होंने कर के साथ 26 गेंद में 43 रन जोड़कर पारी को गति दी। हालांकि कविशा दिलहारी ने लगातार 2 विकेट लेकर न्यूजीलैंड को बैकफुट पर ढकेल दिया। डिवाइन और मैडी ग्रीन ने 3 ओवर में 30 रन बटोरे। डिवाइन के आउट होने के बाद आखिरी दो ओवर में सिर्फ 11 रन ही बने और न्यूजीलैंड 150/6 के स्कोर तक ही पहुंच सकी। न्यूजीलैंड के लिए कर और डिवाइन ने 45-45 रन बनाए। वहीं श्रीलंका की ओर से स्पिनर दिलहारी ने सबसे ज्यादा 2 विकेट लिए। टी-20 वर्ल्ड कप में इंग्लैंड की लगातार दूसरी जीत- विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में इंग्लैंड का विजयी अभियान जारी है। मंगलवार को बारिश से बाधित मैच में इंग्लैंड ने आयरलैंड को 4 विकेट से हरा दिया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी आयरलैंड की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में 9 विकेट खोकर 118 रन बनाए थे। जवाब में इंग्लैंड ने 17.3 ओवर में 6 विकेट खोकर 119 रन बनाते हुए लक्ष्य हासिल कर लिया। इंग्लैंड की ओर से स्पिनर सोफी एक्लेस्टोन ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 22 रन देकर 3 विकेट चटकाए, वहीं चार्ली डीन ने महज 11 रन देकर 2 विकेट लिए। बल्लेबाजी में अनुभवी नैट साइवर ब्रंट ने 48 रनों की कप्तानी पारी खेली, जबकि हीथर नाइट ने 26 रनों का योगदान दिया। आयरलैंड ने खेलीं 60 डॉट बॉल्स टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने उतरी इंग्लैंड की टीम को ओवरकास्ट कंडीशंस (बादल छाए रहने) का पूरा फायदा मिला। इंग्लैंड के गेंदबाजों ने शुरुआत से ही आयरलैंड पर दबाव बना दिया। शुरुआती 5 ओवरों के भीतर ही आयरलैंड की दोनों ओपनर्स, एमी हंटर और अलाना डेलजेल पवेलियन लौट गईं। कप्तान गेबी लुईस भी बिना खाता खोले आउट हो गईं। इंग्लैंड की कसी हुई लाइन-लेंथ का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि पूरे इनिंग्स में आयरलैंड की बल्लेबाजों ने 60 डॉट बॉल्स खेलीं। इसमें अकेले चार्ली डीन ने 20 डॉट बॉल्स फेंकी। डीन ने 4 ओवर में सिर्फ 11 रन देकर 2 विकेट झटके। ओरला प्रेंडरगास्ट और लुईस लिटिल ने संभाली पारी सिर्फ 25 रन पर 3 विकेट गिर जाने के बाद आयरलैंड के लिए ओरला प्रेंडरगास्ट ने आक्रामक रुख अपनाया। उन्होंने सोफी एक्लेस्टोन के छठे ओवर में दो चौके लगाकर टीम को संभाला। हालांकि, वह अपनी पारी को ज्यादा लंबा नहीं खींच सकीं और 18 गेंदों में 4 चौकों की मदद से 26 रन बनाकर आउट हो गईं। आखिरी ओवरों में लुईस लिटिल ने टीम का स्कोर 100 के पार पहुंचाया। उन्होंने लॉरेन बेल के आखिरी ओवर में चार चौके जड़ते हुए 17 रन बटोरे। यह आयरलैंड की पारी का सबसे महंगा और बेहतरीन ओवर रहा, जिसकी बदौलत टीम 118 के स्कोर तक पहुंच सकी। पावरप्ले में इंग्लिश टीम के 35 रन पर गिरे 3 विकेट 119 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही। घरेलू मैदान पर खेल रही इंग्लैंड की टीम को आयरलैंड के गेंदबाजों ने शुरुआती झटका दिया।

आम खाने का सही तरीका क्या है? क्या दूध-दही और चाय-कॉफी के साथ खा सकते हैं, जानें किन्हे नहीं खाना

नयी दिल्ली। आम फलों का राजा है। अपने अनूठे स्वाद और पोषण के कारण यह बच्चों से

लेकर बड़ों तक सभी को पसंद आता है। लेकिन इसे खाने को लेकर लोगों के मन में कई तरह के सवाल होते हैं। मसलन कोई कहता है इसे पानी में भिगोकर खाना चाहिए तो कोई इसे दूध के साथ खाने से मना करता है। सवाल यह भी है कि आम खाने का सही समय क्या है और क्या रोज आम खाना हेल्दी है? ऐसे में स्वाद के साथ हेल्थ का भी ध्यान रखना जरूरी है। इसलिए 'जरूरत की खबर' में आम खाने के सही तरीकों की बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि- किन चीजों के साथ आम खा सकते हैं? किन चीजों के साथ नहीं खाना चाहिए? किन्हें आम नहीं खाने चाहिए? इन विषयों को समझेंगे एक्सपर्ट डॉ. अनु अग्रवाल, सीनियर क्लीनिकल डाइटीशियन, फाउंडर- 'वनडाइटटुडे' जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल-

आम खाने का सही तरीका क्या है? जवाब- इसका कोई तय तरीका नहीं है। लेकिन बेसिक हाइजीन से जुड़े कुछ तरीके अपनाए जा सकते हैं। खरीदकर सीधे फ्रिज में न रखें। 4-5 घंटे पानी में भिगोएं। धोकर पोछकर फ्रिज में रखें। दोबारा पानी में भिगोएं। खाने से एक घंटे पहले निकालें। सुबह खाली पेट न खाएं। डिनर के बाद नखाएं। देर रात न खाएं। बेस्ट टाइम लंच के बाद है। शाम 4 बजे खा सकते हैं। दिन में सिर्फ 1 आम खाएं। साथ में फाइबर प्रोटीन लें।आम को नॉर्मल पानी यानी रूम टेम्परेचर में रखे पानी में भिगोना सबसे बेहतर होता है। क्योंकि इससे अच्छे से सफाई हो जाती है। फल का स्वाद और टेक्सचर भी सही रहता है। क्या पानी में नमक, बेकिंग सोडा मिलाना चाहिए? हां। क्यों? आम की सतह पर जमी गंदगी और धूल हटाने में मदद मिलती है। इससे कीटनाशक कम करने में मदद मिलती है। साफ फल हेल्थ के लिए सुरक्षित होते हैं। कितनी देर भिगोना चाहिए? 1 घंटे तक।क्यों? इतनी देर में सतह पर लगी गंदगी और केमिकल निकल जाते हैं। आम स्वादिष्ट बने रहते हैं। सवाल- आम खाने का सही समय क्या है? जवाब- इसका सही समय- दोपहर में खाना खाने के बाद है। बेस्ट टाइम लंच के बाद है। इसे इवनिंग स्नैक्स में भी ले सकते हैं। क्यों? इस समय पाचन बेहतर रहता है। सोने से पहले इसका शुगर इस्तेमाल हो जाता है। शुगर फैट के रूप में स्टोर नहीं होता है। आम किस समय न खाएं? सुबह खाली पेट न खाएं। डिनर के बाद न खाएं। देर रात न खाएं। कटे हुए आम को तुरंत खाएं। किन चीज़ो के साथ आम को नहीं खाना चाहिए- सवाल- क्या सुबह खाली पेट आम खा सकते हैं?जवाब- नहीं खाना चाहिए। क्यों? आम में नेचुरल शुगर ज्यादा होती है, जिससे शुगर तेजी से बढ़ सकती है। खाली पेट खाने से गैस या भारीपन हो सकता है। कुछ लोगों को एसिडिटी या ज्यादा भूख महसूस हो सकती है। सवाल- क्या देर रात डिनर के बाद आम खा सकते हैं? जवाब- नहीं खाना चाहिए। क्यों?रात में पाचन धीमा रहता है। आम की हाई शुगर फैट स्टोरेज बढ़ा सकती है। भारीपन, गैस या एसिडिटी हो सकती है। आम न्यूट्रिशन से भरपूर फल है, लेकिन इसे संतुलित मात्रा में लेना चाहिए। दोपहर या शाम में, भोजन के बाद आम खाने से पाचन बेहतर- रहता है। शेक पीने की जगह पूरा फल खाना ज्यादा फायदेमंद है। सवाल- क्या रोज आम खाना सही है? जवाब- हां, खा सकते हैं, लेकिन एक बार में बहुत आम न खाएं। क्यों? आम में विटामिन ए, सी और फाइबर होते हैं, जो शरीर के लिए फायदेमंद हैं। सही मात्रा में खाने से इम्यूनिटी और पाचन को मदद मिल सकती है। लेकिन ज्यादा आम रोज खाने से शुगर और कैलोरी बढ़ सकती है। सवाल- एक बार में कितने आम खा सकते हैं? जवाब- 2 मीडियम साइज आम। क्यों? इससे शरीर को पोषण मिलता है। संतुलित मात्रा पाचन और वजन दोनों के लिए बेहतर रहती है। सवाल- क्या दूध के साथ आम खा सकते हैं? जवाब- हां। क्यों? यह एनर्जी और पोषण दोनों देता है।आम, दूध से प्रोटीन और कार्ब्स का अच्छा कॉम्बिनेशन बनता है। अगर दूध सूट करता है तो मैंगो शेक आमतौर पर सुरक्षित है। सवाल- क्या आम खाने के बाद दूध पी सकते हैं? जवाब- हां, पी सकते हैं। क्यों? ज्यादातर लोगों के लिए यह सुरक्षित होता है। इससे शरीर को एनर्जी और प्रोटीन मिलता है। लेकिन ज्यादा मात्रा में लेने पर भारीपन हो सकता है। सवाल- क्या दही के साथ आम खा सकते हैं? जवाब- हां, खा सकते हैं। क्यों? दही पाचन को सपोर्ट करता है।आम की मिठास और दही का प्रोटीन अच्छा संतुलन बनाते हैं। यह पेट को ठंडक भी दे सकता है। सवाल- क्या आम खाने के बाद चाय-कॉफी पी सकते हैं? जवाब- नहीं पीनी चाहिए। क्यों? इससे पाचन प्रभावित हो सकता है। कुछ लोगों को गैस या एसिडिटी हो सकती है। फल खाने के तुरंत बाद कैफीन लेना अच्छा नहीं माना जाता है। सवाल- क्या आम और तरबूज साथ में खा सकते हैं? जवाब- हां, खा सकते हैं। क्यों? दोनों पानी और विटामिन से भरपूर फल हैं।सामान्य मात्रा में साथ खाना ज्यादातर लोगों के लिए सुरक्षित है। लेकिन ज्यादा मात्रा में खाने से कुछ लोगों का पेट फूल सकता है। सवाल- क्या मैंगो शेक में चीनी डालना सही है? जवाब- नहीं डालनी चाहिए। क्यों? आम में पहले से काफी नेचुरल शुगर होती है। एक्स्ट्रा चीनी कैलोरी और शुगर बहुत बढ़ा देती है।इससे वेट गेन और शुगर स्पाइक का रिस्क बढ़ सकता है। सवाल- क्या आम को काटकर फ्रिज में रख सकते हैं? कितने समय तक सुरक्षित रहता है?जवाब- हां, लगभग 24 घंटे तक फ्रिज में रख सकते हैं। क्यों? फ्रिज में रखने से आम जल्दी खराब नहीं होता है। ढक्कन वाले साफ डिब्बे में रखने से बैक्टीरिया कम लगते हैं। ज्यादा देर रखने पर स्वाद, ताजगी और पोषण कम होने लगते हैं। सवाल- क्या आम खाने के बाद पानी पी सकते हैं? जवाब- हां। क्यों? सामान्य मात्रा में पानी पीना सुरक्षित है। इससे शरीर हाइड्रेट रहता है। लेकिन तुरंत बहुत ज्यादा ठंडा पानी पीने से कुछ लोगों को भारीपन या पेट में असहजता हो सकती है। सवाल- क्या वर्कआउट के बाद आम खाना सही है? जवाब- हां। क्यों? आम शरीर को इंस्टेंट एनर्जी देता है। इसमें नेचुरल कार्ब्स और इलेक्ट्रोलाइट्स होते हैं। वर्कआउट के बाद यह ग्लाइकोजन रिकवरी में मदद कर सकता है। सवाल- क्या बच्चे रोज आम खा सकते हैं? जवाब- हां। क्यों?आम में विटामिन ए, सी और फाइबर होते हैं, जो

बच्चों की ग्रोथ में मदद करते हैं। यह इम्यूनिटी और आंखों की हेल्थ के लिए अच्छा हो सकता है। लेकिन ज्यादा आम खिलाने से शुगर और पाचन सबंधी परेशानी हो सकती है। सवाल- क्या प्रेग्नेंट महिलाएं आम खा सकती हैं? जवाब- हां। क्यों? आम में फोलेट, विटामिन ए और सी होते हैं। यह एनर्जी और पोषण में मदद करता है। लेकिन सीमित मात्रा में खाना बेहतर होता है। सवाल- क्या डायबिटिक लोग आम खा सकते हैं? जवाब- हां। क्यों? सीमित मात्रा में आम खाना संभव है। इसमें फाइबर भी होता है, जिससे शुगर तेजी से स्पाइक नहीं होती। लेकिन ज्यादा आम खाने से ब्लड शुगर बढ़ सकती है।

सवाल- क्या प्री-डायबिटिक लोग आम खा सकते हैं? जवाब- हां। क्यों? सीमित मात्रा में आम खाना सामान्य तौर पर ठीक है। पूरा आम खाना जूस पीने से बेहतर रहता है। ज्यादा मात्रा शुगर स्पाइक हो सकती है। सवाल- क्या कोई खास हेल्थ कंडीशन या बीमारी ऐसी है, जिसमें आम नहीं खाना चाहिए? जवाब- हां। किन कंडीशन में? अनकंट्रोल डायबिटीज होने पर। एसिडिटी होने पर। पेट से जुड़ी सेंसिटिविटी होने पर। आम से एलर्जी होने पर।

संगीत, फिल्म और टीवी शो में अमेरिकी दबदबा घट रहा,स्पोटिफाई

11 जून को फुटबॉल वर्ल्ड कप के उद्घाटन समारोह में अंग्रेजी, फ्रेंच, स्पेनिश और इटालियन भाषाओं में प्रस्तुत आधिकारिक गीत ने वैश्विक

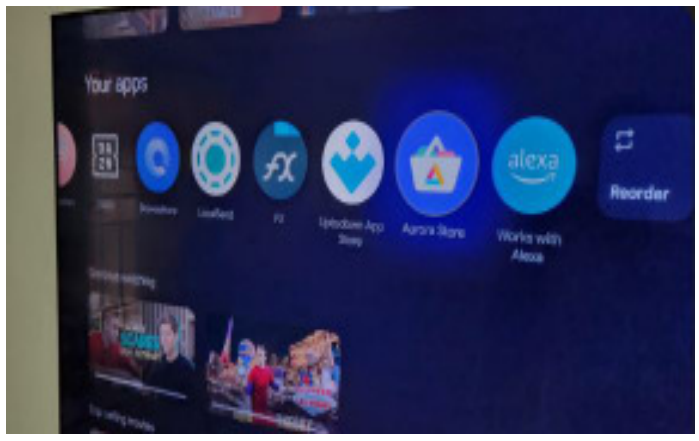

एकता का संदेश दिया। आने वाले हफ्तों में दुनिया की लगभग आधी आबादी इस टूर्नामेंट को देखेगी। पहली नजर में यह लग सकता है कि मनोरंजन की दुनिया पहले से कहीं अधिक वैश्विक हो चुकी है और इसके केंद्र में अब भी अमेरिका की सांस्कृतिक ताकत कायम है, लेकिन हकीकत इससे अलग है। वर्ल्ड कप और ओलिंपिक जैसे मेगा इवेंट आज भी पूरी दुनिया का ध्यान खींचते हैं, मगर मनोरंजन की व्यापक दुनिया लगातार स्थानीय होती जा रही है। संगीत, टेलीविजन, सोशल मीडिया और गेमिंग जैसे क्षेत्रों में लोग तेजी से अपने देशों और भाषाओं के कंटेंट को प्राथमिकता दे रहे हैं। अमेरिकी कंटेंट का प्रभाव पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है, लेकिन उसका एकाधिकार कमजोर पड़ रहा है। स्पोटिफाई, नेटफ्लिक्स, यूट्यूब, एपल और गूगल के ऐप स्टोर जैसे वैश्विक प्लेटफॉर्म्स ने दुनिया भर के लोगों को एक जैसी सामग्री तक ?पहुंच दी है। इससे टेलर स्विफ्ट, मिस्टर बीस्ट और रॉब्लॉक्स जैसे अमेरिकी ब्रांड और सितारों को अभूतपूर्व वैश्विक पहचान मिली। इसके बावजूद स्थानीय पसंद लगातार मजबूत हो रही है। फुटबॉल में लोग विश्व कप का इंतजार करते हैं, लेकिन अधिकांश समय अपनी घरेलू लीग्स और स्थानीय टीमों को ही देखते हैं। यूट्यूब लगभग हर देश का कंटेंट उपलब्ध कराता है, फिर भी उसके अधिकांश दर्शक अपने देश की भाषा और संस्कृति से जुड़े वीडियो ज्यादा देखते हैं। गेमिंग में भी यही रुझान दिखाई देता है। कंसोल और पीसी गेमिंग में कुछ वैश्विक फ्रेंचाइजी का दबदबा है, लेकिन मोबाइल गेमिंग कहीं अधिक विविध हो चुकी है। दुनिया के पांच सबसे बड़े गेमिंग बाजारों में कोई एक ऐप ऐसा नहीं है जो हर देश के टॉप-10 में? शामिल हो।विशेषज्ञों का मानना है कि सॉफ्ट पावर का वैश्विक परिदृश्य तेजी से बदल रहा है।लोकप्रिय संस्कृति पर अमेरिका का लगभग एक सदी पुराना प्रभुत्व कमजोर हुआ है। वितरण प्लेटफॉर्म्स पर उसका प्रभाव बना हुआ है, लेकिन कंटेंट निर्माण में अब ब्राजील, दक्षिण कोरिया और चीन जैसे देश तेजी से उभर रहे हैं।अगले महीने अमेरिका में होने वाले वर्ल्ड कप फाइनल पर दुनिया की नजर होगी, लेकिन सांस्कृतिक प्रभाव के नए खेल में अब कई नए खिलाड़ी मैदान में उतर चुके हैं।म्यूजिक स्ट्रीमिंग में स्थानीय गायक हावी हो रहे हैं?-- डेनमार्क में 2025 में सबसे ज्यादा स्ट्रीम हुए?म्यूजिक ट्रैक स्थानीय रहे। नार्वे, स्वीडन में भी स्थानीय लोगों का बोलबाला है। - पिछले वर्ष स्पोटिफाई के 50 ग्लोबल टॉप गानों में 16 भाषाओं के गाने शामिल थे। - ब्राजील में जून के पहले सप्ताह में यूट्यूब म्यूजिक पर टॉप-100 आर्टिस्ट ब्राजीलियन थे। - पिछले साल थाइलैंड में सभी दस पॉपुलर गाने लोकल थे। इंडोनेशिया, फिलीपीन्स में यह संख्या आठ-आठ रही।- नाइजीरिया के टॉप दस गाने और भाषाओं में लोग ज्यादा? गाने सुन रहे हैं।? म्यूजिक चार्ट्स ज्यादा? स्थानीय हो रहे हैं?-म्यूजिक चार्ट्स अब लोकल हो रहे हैं। ब्राजील? में पिछले सप्ताह सबसे ज्यादा स्ट्रीम किए गए? 100 कलाकारों में 96 स्थानीय थे। नेटफ्लिक्स ?और अमेजन जैसी वीडियो स्ट्रीमिंग सेवाएं ?विदेशों में ज्यादा शो बना रही हैं। पिछले छह? साल में नए स्ट्रीमिंग कमीशन में उत्तर अमेरिका ?का हिस्सा 70फीसदी से गिरकर 36फीसदी रह गया है।? अब स्थानीय भाषाओं में? ज्यादा बन रहे हैं टीवी शो-पिछले दो साल में सोनी म्यूजिक ने ग्रीस, चेकरिपब्लिक और दुबई में ऑफिस खोले हैं। वार्नर ब्रदर्स ने इटली, जर्मनी और तुर्किये में लोकल शो लॉन्च किए हैं। इस साल की पहली तिमाही में ग्लोबल स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स के 36फीसदी शो उत्तर अमेरिकी रहे। नेटफ्लिक्स ने पहली बार स्थानीय भाषाओं में ज्यादा टीवी शो बनाए हैं। भारत में कैरम सबसे अधिक पॉपुलर खेल है- गेमिंग के 5 सबसे बड़े बाजारों अमेरिका, चीन, जापान, ब्रिटेन और दक्षिण कोरिया में कोई एक गेम टॉप-10 में शामिल नहीं है। उनके टॉप-10 में 34 अलग टाइटल थे। भारत में टॉप-10 गेम में कैरम सर्वाधिक पॉपुलर है। भारत में यूट्यूब का 95फीसदी कंटेंट भारतीय भाषाओं में हैं। आधे से ज्यादा कंटेंट हिंदी की जगह अन्य भाषाओं में है।

कोई भी तकनीक हमसे जीने की अनुभूति नहीं छीन सकती

मुम्बई की कई और शामों जैसी ही वह एक शाम थी। मैं मरीन ड्राइव की सी-वॉल पर बैठी थी और मेरे हेडफ़ोन में लियोनार्ड कोहेन का गीत 'फ़ेमस ब्लू रेनकोट' बज रहा था। हवा ने मेरे बालों को बिखेर दिया था और डूबते सूरज की लालिमा मेरी

आंखों में समा गई थी। जैसे ही आग का गोला अरब सागर में उतरा, लहरों की तुमुल-ध्वनि कोहेन की गहरी, सम्मोहक आवाज के साथ मिलकर उस जादुई क्षण को पूर्णता देने लगी। मेरे मन में दूसरे अविस्मरणीय सूर्यास्तों की स्मृतियां उमड़ पड़ीं : क्यूबा के मालेकॉन में, बाली के एक सक्रिय ज्वालामुखी पर और युगांडा के सबसे बड़े राष्ट्रीय उद्यान में सेल्फ-ड्राइव सफारी के दौरान।फिर मेरा ध्यान भटक गया और मैंने अपना ईमेल खोल लिया। एक नया मेल आया था, जो ऊष्मा और सामंजस्य से भरा हुआ था। लेकिन उसके अंत में लिखा था : 'क्या आप इसका थोड़ा और कैंजुअल टोन वाला संस्करण चाहेंगी, या फिर ऐसा जिसे आपके मैनेजर के साथ निजी बातचीत के लिए तैयार किया गया हो?' बीते कुछ महीनों में मुझे अकसर अपनी लिखने और कम्युनिकेट करने की क्षमता पर संशय हुआ। लेकिन बाद में मुझे एहसास हुआ कि जिन ईमेल और सोशल मीडिया पोस्टों को देखकर मैं प्रभावित हुई थी, वे वास्तव में इंसानों ने लिखे ही नहीं थे। जब मुझे एआई द्वारा लिखे ईमेल मिलते हैं, जब मैं टीम के सदस्यों को काम के लिए इसका उपयोग करते देखती हूं, जब मैं चैटजीपीटी द्वारा लिखी लिंक्डइन पोस्ट और वॉट्सएप मैसेज पढ़ती हूं तो समझ नहीं आता क्या प्रतिक्रिया दूं। क्या मुझे अपना समय और ऊर्जा उन एआई द्वारा लिखे गए ईमेल और संदेशों का जवाब देने में लगानी चाहिए? क्या मुझे भी चैटजीपीटी का उपयोग करके जवाब देना चाहिए, जिससे ऐसी विद्रूपतापूर्ण स्थिति पैदा हो जाए, जहां एक मशीन दूसरी मशीन से यह दिखावा करते हुए बात कर रही हो कि वह इंसान है? मैं ऐसे आभासी संबंध कैसे बना सकती हूं, जो वास्तविक इंसानों नहीं, एआई द्वारा तैयार किए उत्तरों पर आधारित हों? मैं क्लॉड द्वारा रची जा रही ब्लॉग पोस्टों और न्यूजलेटर्स से कैसे प्रतिस्पर्धा करूं? जब पर्प्लेक्सिटी से बनी किताबें बुकस्टोर्स में छा जाएंगी, तब क्या होगा? 2024 में ऑक्सफोर्ड ने 'ब्रेन रॉट' को वर्ड ऑफ द ईयर चुना था। इसका अर्थ है- सोशल मीडिया पर कम गुणवत्ता और निम्नतर मूल्य वाली सामग्री का अत्यधिक उपभोग करने से हमारे मस्तिष्क का क्षरण। अब इसमें एआई को भी जोड़ दें तो ब्रेन रॉट कई गुना बढ़ जाता है। मुझे पता है कि तकनीक को नजरअंदाज करने और दुनिया से पीछे रह जाने का क्या परिणाम होता है।जब मैं डिजिटल स्टोरीटेलर के रूप में शुरुआत कर रही थी, तब मैंने पारंपरिक मीडिया के अपने मित्रों के साथ ऐसा होते देखा था। लेकिन एआई केवल कोई नया माध्यम या उपकरण नहीं है; यह एक क्रिएटिव व्यक्ति के रूप में हमारे अस्तित्व पर ही प्रश्न उठा रहा है। मैंने अपना फोन रख दिया। समुद्र-तट के आकाश में नारंगी और गुलाबी रंगों की छटाएं फैल गई थीं। मुझे एहसास हुआ कि कोई भी तकनीक इस अकथनीय सुख को कभी पूरी तरह री-क्रिएट नहीं कर सकती- यहां बैठने का आनंद, मुंबई की नमकीन हवा को सांसों में संजोने का अनुभव, सूर्यास्त को समुद्र में उतरते हुए देखने का क्षण और एक महानगर के जन-ज्वार के बीच भी एक अजीब-सी शांतचित्तता की अनुभूति। डेढ़ महीने से अधिक समय तक मैंने स्वयं को पूरी तरह जर्मन भाषा सीखने के लिए समर्पित कर दिया था। हर दिन पांच घंटे एक नई भाषा सीखने में खुद को लगाना थकाऊ काम था, लेकिन साथ ही यह ऊर्जा से भर देने वाला भी था। मेरे मस्तिष्क में नए तंत्रिका-संबंध शुरुआत में मैंने महसूस किया कि छोटे प्रारूप वाली कहानियों ने लंबे समय तक चलने वाले प्रोजेक्ट्स पर काम करने की मेरी क्षमता को प्रभावित किया था। इसलिए मैंने सचेत रूप से गहन कार्य और धीमी, टिकाऊ उत्पादकता को प्राथमिकता देना शुरू किया। उस शाम मरीन ड्राइव पर एक सम्मोहक अर्धचंद्र दिखाई दिया। मुम्बई के क्षितिज की रोशनियां जगमगाने लगीं, हवा तेज हो गई, भीड़ धीरे-धीरे छंट गई। अपनी जगह पर बैठे, उन तमाम उलझे हुए तरीकों के बारे में सोचते हुए- जिनसे हम बदलावों का सामना करते हैं- मैंने स्वयं को अपरिष्कृत, भ्रांत और अपूर्ण महसूस किया- लेकिन जीवित भी! कोई भी तकनीक इसे हमसे नहीं छीन सकती! क्या मुझे अपना समय एआई द्वारा लिखे गए ईमेल का जवाब देने में लगाना चाहिए? क्या मुझे भी चैटजीपीटी का उपयोग करके जवाब देना चाहिए, जिससे ऐसी स्थिति पैदा हो जाए, जहां एक मशीन दूसरी मशीन से यह दिखावा करते हुए बात कर रही हो कि वह इंसान है? (ये लेखिका के अपने विचार हैं,शिव्या नाथ)

केवल दक्षिण ही नहीं, देश के हर कोने में घट रही है आबादी

योजनाओं को बेहतर ढंग से आकार देने के लिए हमें विश्वसनीय जनसंख्या अनुमानों की आवश्यकता होती है। किंतु भारत के जनसांख्यिकीय अनुमान- जिन्हें स्वयं संयुक्त राष्ट्र

विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) ने तैयार किया है- एक चिंताजनक कहानी बताते हैं। ये अनुमान संभवतः 10 करोड़ लोगों और कई दशकों तक की अवधि के संदर्भ में गलत सिद्ध हो सकते हैं। इसका दोष सरकार पर आता है, जिसने 2021 में जनगणना आयोजित नहीं की और उसके बाद वर्ष-दर-वर्ष उसे टालती रही। पिछली जनगणना 15 वर्ष पहले हुई थी। इसलिए सभी अनुमान एक पुरानी और अप्रासंगिक जनगणना के आंकड़ों पर आधारित रहे हैं। इस प्रक्रिया में, भारत ने भविष्य के 10 करोड़ संभावित नागरिकों को मानो परिदृश्य से बाहर कर दिया है- इनमें वे युवा उपभोक्ता और कामगार भी हैं, जो भारत की आर्थिक वृद्धि को गति देने वाले थे और देश को विकसित राष्ट्र बनाने में योगदान देने वाले थे। जिस डेमोग्राफिक डिविडेंड की हम लंबे समय से प्रतीक्षा कर रहे थे, वह अचानक विलुप्त होता प्रतीत हो रहा है। पुराने और अप्रचलित आंकड़ों पर आधारित अनुमानों के अनेक जोखिम और दुष्परिणाम होते हैं। 2011 की जनगणना पर आधारित यूएनडीपी के 2024 के अनुमानों के अनुसार भारत की जनसंख्या 2060 के दशक के प्रारम्भ में 1.7 अरब के शिखर पर पहुंचने वाली थी। किंतु हाल ही में जारी सैम्पल रजिस्ट्रेशन सिस्टम (एसआरएस) 2024 के प्रजनन-दर संबंधी आंकड़ों पर आधारित नए अनुमानों से संकेत मिलता है कि भारत की जनसंख्या इससे कहीं पहले लगभग 1.6 अरब के पीक पर पहुंच जाएगी। यह 2060 के दशक में नहीं बल्कि 2040 के दशक के मध्य के आसपास होगा। इसके बाद इसमें गिरावट शुरू होगी, और संभवतः यह गिरावट उस गति से भी अधिक तीव्र होगी, जिस गति से जनसंख्या बढ़ी थी।

मनुष्यों की तरह सब्जियों की भी अपनी पर्सनैलिटी होती है

एक अरसे के बाद मैंने सब्जी मार्केट में पैर रखा और मजा आ गया। मोटे-ताजे लाल टमाटर, खिलता हुआ फूलगोभी, हरा-भरा

फ्रेश पालक। ऐसा लगा कि हर सब्जी मुझसे बतिया रही है, जैसे कि किसी कार्टून फिल्म ने उन्हें जान दे दी हो। जैसे मनुष्य की अलग-अलग पर्सनैलिटी है, वैसे ही हर सब्जी की भी है। भिंडी थोड़ी इठलाती है- ले लो, मुझे ले लो। घर पर सब पसंद करते हैं मुझे। टमाटर में तो अकड़ है ही- मेरे बिना तो खाना ही नहीं बनेगा। आलू भी इसी कैटेगरी में है पर वो घमंडी नहीं। वो अकेले भी सुखी, दूसरों के साथ भी घुल-मिल जाता है। इसलिए हर किसी को भाता है। बैंगन धीरे से पुकारता है- ले लीजिए ना। कूट-कूट कर भुर्ता जिस दिन बनेगा, मेरा जीवन सफल होगा। उधर करेला देवदास बना बैठा है। लोग उसे ठुकरा देते हैं, कड़वा समझकर। लेकिन एक चुटकी अमचूर की कीमत तुम क्या जानो, बाबू। सही ढंग से बनाओ, तभी तो मेरा स्वाद जानोगे। फ्रेंच बीन्स का अपना अंदाज है, फलियों की मिस यूनिवर्स जो है। लेकिन देखो बेचारी 'गंवार' फली को- बिल्कुल अनपढ़, फिगर भी नहीं। सेम इत्यादि अन्य फलियों की बातचीत हल्दी-जीरे तक सीमित है। लेकिन फ्रेंच बीन्स का सोशल सर्कल बहुत बड़ा है। दुनिया के टॉप शेफ्स के साथ उसका उठना-बैठना है। चुलबुली गाजर और कॉन्फिडेंट ककड़ी- दोनों जानते हैं कि इनकी जगह तो फिक्स है। खाने के पहले आप उनका सेवन जरूर करते हैं। उनका दिल भी बड़ा है। सेहत के शौकीन आजकल जाने क्या-क्या खाने लगे हैं। नाजुक-सी, रंग-बिरंगी एनआरआई सब्जियों ने अब मार्केट में अपना स्थान जमा लिया है। ब्रोकली, आइसबर्ग लेट्यूस, जुकीनी अब सब्जीवाले के ठेले पर मिल जाती हैं। यहां तक कि एवोकाडो भी अब देश का डार्लिंग है। इंस्टाग्राम पर उसकी इतनी फ्री पब्लिसिटी हुई कि चाटवाले भी एवोकाडो सेव पूरी बेचने लगे। मगर इस लोकप्रियता की रेस में हमारी देसी सब्जियों का क्या? तुरई, टिंडा, परवल, लौकी- इनका देश प्रेम इतना है कि इन्होंने कभी पासपोर्ट बनवाया नहीं। विदेशी सुपरमार्केट में इनका नामोनिशान नहीं। इनके फैन मिलना आसान नहीं। जहां-जहां ये बनते हैं, जरूर कोई बड़े-बुजुर्ग रहते हैं। वो लौकी-टिंडा, जिन्हें बच्चे मुंह बनाकर खाते हैं- क्या उनके कोई अधिकार नहीं? कब तक वो दबे रहेंगे, आपकी थैली में, आपके फ्रिज में? क्या उनका दिल नहीं करता कि किसी अच्छे रेस्तरां के मेन्यू में उनका नाम दिखे? खैर, सब्जियों के बीच वाद-विवाद तो चलता रहता है। लेकिन उनका असली दुश्मन कौन है? पनीर। हर शादी में, हर पार्टी में, हर फंक्शन में उस हट्टे-कट्टे सफेद स्पंज ने मेन्यू पर कब्जा करा हुआ है। उसके आस-पास लोग मंडरा रहे हैं, ग्रेवी में से चुन-चुन कर खा रहे हैं। उसको कहते हैं शाही पनीर, पनीर लबाबदार, पनीर पसंदा और हमें? मिक्स वेजिटेबल। कौन खाएगा? भाई समय आ गया है कि हम भी एक आंदोलन शुरू करें। आप लोग हमारी कदर कीजिए। मार्केट में आकर लीजिए। यह जो कल्चर है ऐप से मंगाने का, समय आ गया है कुछ समझाने का। प्लास्टिक में कैद हमें वो करते हैं, अंदर ही अंदर से हम मरते हैं। कोई प्यार से हमें सहलाता नहीं, चुन-चुन कर थैली में डालता नहीं। गोदाम के अंधेरे में हम पड़े हुए हैं, हमारे कुछ साथी सड़े हुए हैं। कोई खूब पैसे बना रहा है, छोटा आदमी इसमें मारा जा रहा है। जब हो सके मंडी में आया करो, अपने बच्चों को साथ लाया करो। भिंडी कैसे चुनते हैं उन्हें सिखाना, धनिये और पुदीने में फर्क दिखाना। पुराने जमाने की आउटिंग थी सब्जी बाजार का चक्कर, आते हुए ले आना आटा और शक्कर। यह वो काम था जो जेंट्स भी करते थे, ऑफिस से लौटते हुए थैला भरते थे। अब बड़े शहरों में लोगों के पास टाइम नहीं। ऑनलाइन ऑर्डर करना लगता है सही। खैर मैंने तय किया है हर हफ्ते खुद जाऊंगी। अपनी पसंद की ताजी सब्जियां लाऊंगी। काट कर, घिस कर, कम तेल में पका कर। मिलेगा मुझे सुख खा कर। वैसे पनीर भी अपनी जगह अच्छा है। प्रोटीन उसका सच्चा है। मगर सब्जी को भी हक दीजिए। अपने शरीर को चुस्त कीजिए। जब हो सके मंडी में आया करो, बच्चों को साथ लाया करो। भिंडी कैसे चुनते हैं उन्हें सिखाना, धनिये-पुदीने में फर्क दिखाना। पुराने जमाने की आउटिंग थी सब्जी बाजार का चक्कर, आते हुए ले आना आटा और शक्कर। यह काम जेंट्स भी करते थे, ऑफिस से लौटते थैला भरते थे। (ये लेखिका के अपने विचार हैं, रश्मि बंसल)

क्या लेट प्रेंगनेंसी के फायदों पर उससे जुड़ी समस्याएं भारी पड़ रही हैं!

53 साल के एक शानदार परफॉर्मर ने दो दशक से अधिक समय पूरी निष्ठा से काम किया। सहकर्मियों की तुलना में वह कहीं तेजी से कॉर्पोरेट के पायदान चढ़े और आखिरकार बिजनेस के शीर्ष पद तक पहुंचे। लेकिन बीते दो वर्षों में कंपनी के प्रमोटर्स ने उनकी परफॉर्मेंस में गिरावट देखी। वह बेहद दबाव में दिखते, बिजनेस ट्रैवल से बचने लगे और ऑफिस में लंबे समय तक रुकना भी छोड़ दिया था। वह हमेशा असंतुष्ट नजर आते थे। इसकी वजह जानने के लिए कंपनी मालिकों ने एक बाहरी विशेषज्ञ की मदद ली। कंसल्टेंट ने गोपनीय रिपोर्ट में बताया कि उनके असंतोष का कारण वेतन-भत्ते नहीं, बल्कि ये है कि वह अपने बच्चे के साथ क्वालिटी टाइम नहीं बिता पा रहे हैं। वह उस 'कॉर्पोरेट ट्रैप' में फंसे थे, जहां हर समय उपलब्ध रहना पड़ता है, बड़ी टीम के साथ लगातार संपर्क में रहना पड़ता है और इसीलिए उनके पास बच्चे के लिए मानसिक ऊर्जा बचती ही नहीं थी। वह लगातार नींद की कमी से जूझ रहे थे और यह उनके 'उम्रदराज पैरेंट' होने का परिणाम था। उनका बच्चा जब पैदा हुआ था तो वह 41 के और पत्नी 40 वर्ष की थीं। 12 साल बाद, कॅरिअर के सबसे महत्वपूर्ण दौर और छोटे बच्चे की परवरिश की हाई-एनर्जी डिमांड के बीच संतुलन बना पाना उनके लिए बोझ बन गया है। यह उस व्यापक संकट की झलक है, जिससे आज कई उम्रदराज पैरेंट्स गुजर रहे हैं। आज बहुत-से लोग देरी से पैरेंट्स बन रहे हैं। लेकिन फिर उन्हें निजी समय की कमी, सामाजिक दबाव और गंभीर आर्थिक चुनौतियों जैसी अप्रत्याशित हकीकतों का सामना करना पड़ रहा है। कई लोग ऐसे समय में बच्चों की परवरिश का भारी खर्च उठा रहे हैं, जब उन्हें रिटायरमेंट के लिए बचत बढ़ानी चाहिए या उम्र से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं को मैनेज करना चाहिए। नतीजतन, कुछ लोगों को सर्वाधिक कमाई वाले वर्षों में भी अपने प्रोफेशन से पीछे हटने के बारे में सोचना पड़ता है। काम

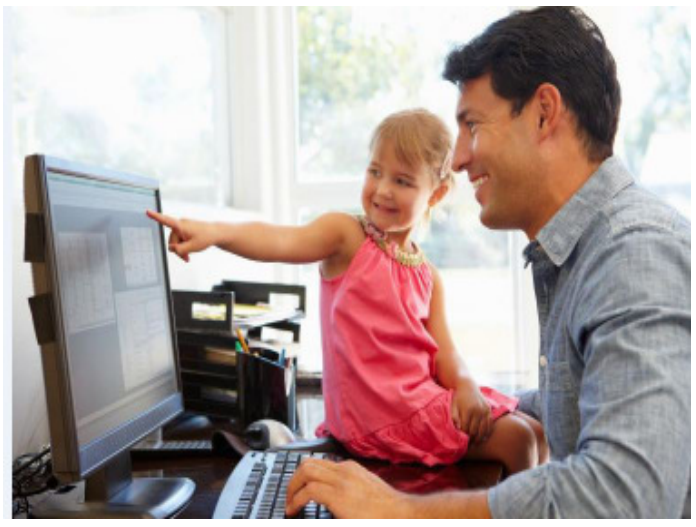

का लगातार दबाव और नींद की कमी का विषाक्त गठजोड़ शारीरिक थकान को तेजी से बढ़ाता है। इसीलिए कई प्रमोटर्स और बॉस उनके बर्नआउट को अकसर 'असंतोष' मान लेते हैं। कॅरिअर-ड्रिवन प्रोफेशनल्स का एक बड़ा वर्ग जानबूझकर देर से बच्चे पैदा कर रहा है। अमेरिका में 2025 में कुल जन्मों में 40 वर्ष या उससे अधिक उम्र की महिलाओं की हिस्सेदारी लगभग 4.3फीसदी रही। यह 1990 की महज 1.2फीसदी हिस्सेदारी की तुलना में नाटकीय बढ़ोतरी है। भारत के नेशनल डेटा बताते हैं कि देशभर के कुल प्रसवों में 40 से 44 वर्ष की महिलाओं के प्रसव 1फीसदी होते हैं। हालांकि, केवल राष्ट्रीय औसत ही देखें तो जमीनी हकीकत नजर नहीं आती। महानगरों के फर्टिलिटी क्लिनिकों की रिपोर्ट कहती है कि कॅरिअर संबंधी महत्वाकांक्षाओं और फाइनेंशियल सिक्योरिटी की चाह में 35 और 40 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं में आईवीएफ जैसी उन्नत प्रजनन प्रक्रियाओं की मांग साल-दर-साल 5फीसदी बढ़ रही है। यह प्रवृत्ति संकेत है कि अधिक उम्र में मातृत्व हासिल करने की सोच में बड़ा बदलाव आ रहा है।अध्ययन पुष्टि करते हैं कि इन उम्रदराज मांओं को तीखी तुलना झेलनी पड़ती है। उन पर लगातार बाहरी सलाहों और डिजिटल जानकारी की बौछार होती रहती है, जिससे वे व्याकुल हो जाती हैं। पैरेंट्स का दबाव कोई नई बात नहीं। यह पीढ़ियों से चला आ रहा है, लेकिन आज यह कहीं अधिक दखल देने वाला लगता है, क्योंकि आधुनिक एल्गोरिदम ने इससे बच निकलना लगभग असंभव बना दिया है। खासकर इन्फ्लुएंसर्स के सोशल मीडिया अकाउंट्स ने इस चिंता को और बढ़ा दिया है कि बच्चों की परवरिश अब बेहद जटिल, खर्चीली हो गई है और इसमें सफल होना बेहद मुश्किल है। पहले की पीढ़ियों को पैरेंटिंग के बारे में बिन मांगी सलाह मंदिरों, यात्राओं या सामाजिक आयोजनों में मिलती थी। लेकिन आज पैरेंट्स लगातार ऐसी तस्वीरों से घिरे रहते हैं, जो बताती रहती हैं कि बच्चों के लिए उन्हें क्या करना चाहिए। यह डिजिटल दबाव उनमें अयोग्यता और अपराधबोध का भाव पैदा करता है। अधिकतर 'सुपरमॉम्स' की सोशल मीडिया फीड्स इसे और बढ़ाती हैं। जैसे ही कोई उम्रदराज पैरेंट्स थोड़ा आगे बढ़ते हैं कि डिजिटल इकोसिस्टम नई सांस्कृतिक बहस खड़ी कर उनकी एंगजायटी फिर बढ़ा देता है। फंडा यह है कि निस्संदेह देरी से मां बनने के कुछ खास फायदे हैं, लेकिन लगता है कि इस फैसले से पैदा होने वाली चुनौतियां उन फायदों पर भारी पड़ने लगी हैं। अपने विचार मुझसे साझा कीजिए कि आप अपने आसपास क्या देख रहे हैं। एन. रघुरामन

मानसून पश्चिमी तट पर रुका, मुंबई 7-8 दिनों में पहुंचेगा, देश के 103 जिलों में ही सामान्य बारिश

जयपुर/लखनऊ। मानसून 8 जून से पश्चिमी तट पर लगभग स्थिर है। मौसम एजेंसी स्काईमेट के मुताबिक, मानसून को मुंबई

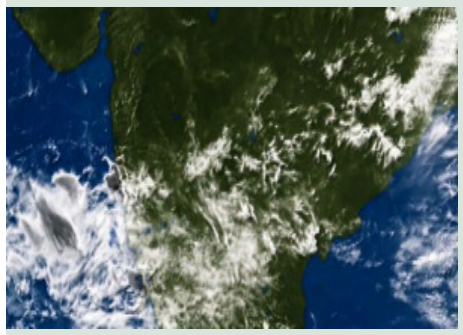

आने में 7-8 दिन लग सकते हैं। इसकी मुख्य वजह बंगाल की खाड़ी में मजबूत लो-प्रेशर एरिया यानी डिप्रेशन नहीं बनना है। मानसून की धीमी रफ्तार की वजह से देश के 723 जिलों में से सिर्फ 103 में ही सामान्य बारिश हुई है। राजस्थान के जयपुर, भरतपुर और कोटा समेत 23 जिलों में आज आंधी-बारिश का यलो अलर्ट है। पिछले 24 घंटे में झुंझुनूं समेत राज्य के 10 जिलों में 2 इंच बारिश हुई है। वहीं, मध्य प्रदेश के रायसेन, छिंदवाड़ा, ग्वालियर और सागर समेत 8 जिलों में आंधी-बारिश का असर रहेगा। बिहार के भागलपुर, पूर्णिया और चंपारण समेत 26 जिलों में आज बारिश का अलर्ट है। मंगलवार को पटना समेत 7 जिलों का तापमान 40 डिग्री से ज्यादा रहा। दिल्ली-एनसीआर में मंगलवार को बारिश और तेज हवाएं चलीं। अधिकतम तापमान सामान्य से 6डिग्री तक कम दर्ज किया गया, जिससे यह जून का अब तक का सबसे ठंडा दिन रहा। 4 जून को केरल में दस्तक देने के बाद मानसून 13 दिन में 19 राज्यों तक पहुंच चुका है। 10 राज्यों में गर्मी का असर, पारा 40डिग्री पार-राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, ओडिशा, बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश, तेलंगाना और मध्य प्रदेश के कई शहरों में सोमवार को पारा 40डिग्री से ज्यादा रहा। देश में सबसे ज्यादा पारा उत्तर प्रदेश के वाराणसी में दर्ज किया गया। यहां पारा 43डिग्री रहा। वहीं यूपी के बांदा और प्रयागराज में 42.6डिग्री, एमपी के खजुराहो 42.2डिग्री, महाराष्ट्र के ब्रह्मपुरी में 42.2डिग्री और ओडिशा के बौध में 42.6डिग्री रहा। अगले दो दिन के मौसम का हालः- 18 जूनःबिहार, झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और सिक्किम में बारिश की संभावना। बिहार में कुछ जगहों पर 50-70किमी/घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। असम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कर्नाटक के कुछ हिस्सों में भारी बारिश हो सकती है। राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और विदर्भ में गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। कई इलाकों में 40-60किमी/घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है।19 जूनः-सिक्किम, उत्तर बंगाल, असम और मेघालय में भारी बारिश की संभावना है। राजस्थान और मध्य प्रदेश में बारिश के साथ 40-60किमी/घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल में गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना है। तमिलनाडु, पुडुचेरी, कर्नाटक और महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों में बारिश जारी रह सकती है। जेट स्ट्रीम कमजोर होने पर आगे बढ़ेगा मानसून-मौसम विभाग के मुताबिक, जेट स्ट्रीम का मौजूदा पैटर्न कमजोर होने पर मानसूनी हवाएं तेज होंगी। अगले 4-5 दिनों में मानसून के महाराष्ट्र, कर्नाटक, छत्तीसगढ़ और अन्य हिस्सों में आगे बढ़ने की परिस्थितियां बन सकती हैं। जेट स्ट्रीम वायुमंडल की ऊपरी परतों में बहने वाली अत्यंत तेज हवाएं हैं। ये आमतौर पर पृथ्वी की सतह से करीब 8 से 15 किलोमीटर की ऊंचाई होती हैं। ये मानसूनी बादलों और वेस्टर्न डिस्टर्बेंस यानी पश्चिमी विक्षोभ को प्रभावित करती हैं।

टेलीग्राम नीट-यूजी री-एग्जाम तक बैन के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट पहुंची, सीईओ बोले- पेपर लीक करने वालों की जगह भारत के 15 करोड़ यूजर्स को सजा!

नयी दिल्ली। मैसेजिंग प्लेटफॉर्म टेलीग्राम ने दिल्ली हाईकोर्ट में केंद्र सरकार के उस फैसले को चुनौती दी है, जिसके

तहत नीट-यूजी री-एग्जाम से पहले एप पर अस्थायी रोक लगाई गई है। कोर्ट ने बुधवार को मामले की सुनवाई के लिए सहमति दे दी है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने मंगलवार को सरकार की तरफ से टेलीग्राम पर बैन की जानकारी दी थी। यह रोक 22 जून 2026 तक लागू रहेगी। टेलीग्राम का मैसेज-एडिटिंग फीचर भी 30 जून तक बंद किया गया है। टेलीग्राम सीईओ ने सरकार के फैसले की आलोचना करते की है। उन्होंने कहा है कि इस फैसले से भारत के 15 करोड़ से ज्यादा टेलीग्राम यूजर्स को सजा मिली है, न कि उन लोगों को जिन्होंने पेपर लीक की थी। इस बैन से कुछ भी नहीं रुकेगा। लीक करने वाले दूसरे एप्स पर शिफ्ट हो जाएंगे। गूगल और एप्पल ने प्ले स्टोर से टेलीग्राम हटाया- देश में पहली बार किसी एप को पेपर लीक की आशंका के कारण बैन किया गया है। सरकार का कहना है कि कुछ लोग इस एप का इस्तेमाल पेपर लीक की अफवाह फैलाने और छात्रों से ठगी करने के लिए कर रहे थे। एनटीए के महानिदेशक अभिषेक सिंह ने कहा कि 'कोई विकल्प' नहीं बचा था, क्योंकि जालसाज इसका दुरुपयोग कर रहे थे। सरकार के आदेश पर गूगल और एप्पल ने प्ले स्टोर से भी टेलीग्राम एप हटा दिया है। 3 सवाल-जवाब में जानिए, टेलीग्राम पर बैन क्यों लगा- टेलीग्राम पर पाबंदी क्यों जरूरी लगी?टेलीग्राम पर कोई व्यक्ति अपनी पहचान छिपाकर ऐसा चैनल बना सकता है, जिसमें असीमित लोग जुड़ सकते हैं। 'पेपर लीक्ड नीट' जैसे चैनलों पर लाखों लोग थे, जिनकी ट्रैकिंग कठिन थी। 'मैसेज एडिटिंग' फीचर क्यों बैन किया? टेलीग्राम पर पुराने मैसेज एडिट करने पर भी उसका असली समय नहीं बदलता। परीक्षा खत्म होने के बाद एडमिन अपने पुराने और सामान्य मैसेज को एडिट करके वहां असली प्रश्न पत्र की पीडीएफ डाल देते थे। फिर इसका स्क्रीनशॉट दिखाकर झूठा दावा करते थे कि परीक्षा से पहले लीक हो गया था। टेलीग्राम पर बड़ी फाइलें शेयर करने का क्या नियम है, जो दुरुपयोग की वजह बना? टेलीग्राम पर बिना साइज कम किए 2जीबी तक की बड़ी फाइलें आसानी से शेयर की जा सकती हैं। इसी वजह से इस पर परीक्षा के पेपर और फिल्में आसानी से लीक की जाती हैं।क्या टेलीग्राम कार्रवाई नहीं करता है? कार्रवाई करता है। टेलीग्राम ने 2025 में 4.35 करोड़ से ज्यादा चैनल ब्लॉक किए थे और 2026 में रोजाना हटाए जाने वाले चैनलों की संख्या बढ़ाकर 80,000 से 1,40,000 तक कर दी है, लेकिन यह नाकाफी साबित हुई। टेलीग्राम बैन, तो वॉट्सएप क्यों नहीं? टेलीग्राम पर अपराधियों को पहचान छिपाने और लाखों का ग्रुप बनाने की आजादी मिलने से इस पर अस्थायी बैन लगाना पड़ा। वहीं, वॉट्सएप भारतीय नियमों को मानता है। यहां यूजर को ट्रैक करना आसान है। वॉट्सएप पर मोबाइल नंबर जरूरी, टेलीग्राम पर 'यूजरनेम' से पहचान छिपती है। वॉट्सएप पर चैट डिफॉल्ट एन्क्रिप्टेड और ग्रुप मेंबर्स सीमित (1,024) हैं। टेलीग्राम में असीमित लोग जुड़ सकते हैं, जिससे पेपर जल्दी वायरल होते हैं। वॉट्सएप का भारत में ऑफिस है और एआई से निगरानी होती है। टेलीग्राम में इसकी कमी है। 12 जूनः रीएग?जाम 3:15 घंटे का होगा, 4 रफ वर्क शीट मिलेंगी-एनटीए ने नीट-यूजी रीएग?जाम में कुछ बदलाव किए हैं। 12 जून को जारी नई गाइडलाइंस के मुताबिक, परीक्षा का समय अब 180 मिनट से बढ़ाकर 195 मिनट कर दिया गया है। इसके अलावा आंसर शीट में रफ वर्क के लिए भी जगह बढ़ाई गई है। पेपर लीक के कारण 3 मई को हुई परीक्षा रद्द हुई-3 मई 2026 को नीट-यूजी परीक्षा देशभर में आयोजित की गई थी। परीक्षा के बाद कई राज्यों से प्रश्नपत्र लीक होने और कुछ अभ्यर्थियों को पहले से पेपर मिलने के आरोप सामने आए। जांच में गड़बड़ियों के संकेत मिलने पर एनटीए ने 12 मई को परीक्षा रद्द कर दी। इसके बाद केंद्र सरकार और जांच एजेंसियों की समीक्षा के आधार पर दोबारा परीक्षा कराने का फैसला लिया गया। नीट से 1 लाख से ज्यादा मेडिकल कॉलेज में एडमिशन-नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट भारत में मेडिकल और डेंटल कोर्सेज में एडमिशन के लिए होने वाली राष्ट्रीय प्रवेश परीक्षा है। इसकी शुरुआत 2013 में हुई थी। इस परीक्षा के माध्यम से देश के सभी सरकारी और निजी मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस, बीडीएस, आयुष (बीएएमएस, बीएचएमएस) और नर्सिंग जैसे कोर्सेज में एडमिशन मिलता है, जिसमें एम्स और जिपमर जैसे प्रतिष्ठित संस्थान भी शामिल हैं।

नेपाल ने चीन के सामने कालापानी-लिपुलेख का मुद्दा उठाया,कहा- भारत के साथ समझौते का आधार क्या,चीन बोला- ये आप दोनों का मामला

काठमांडू। ऐसे में कूटनीतिक हलकों में इस बात पर चर्चा है कि नेपाल ने नई दिल्ली के मुकाबले बीजिंग में ज्यादा सख्त रुख

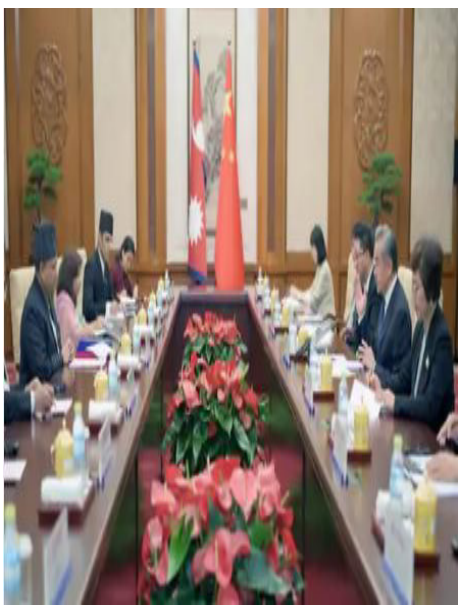

दिखाया।विश्लेषकों का मानना है कि नेपाल दोनों पड़ोसियों के साथ संतुलन बनाए रखते हुए सीमा विवाद को जिंदा रखना चाहता है, लेकिन खुलकर टकराव से भी बचना चाहता है। भारत-चीन में लिपुलेख दर्रा से व्यापार शुरू-भारत-चीन सीमा पर स्थित लिपुलेख दर्रे से व्यापार दोबारा शुरू होने जा रहा है। गलवान घाटी में 2020 में हुए संघर्ष के बाद यह मार्ग बंद हो गया था। करीब छह साल बाद अब इस रास्ते से व्यापार बहाल करने की तैयारी शुरू हो गई है। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले से करीब 300 व्यापारियों के नाम विदेश मंत्रालय को भेजे गए हैं। इन्हें पासपोर्ट और वीजा के बजाय ट्रेड पास के जरिए तिब्बत के तकलाकोट बाजार तक जाने की अनुमति दी जाएगी। इस बार सीमा तक सड़क पहुंचने से व्यापारियों को बड़ा फायदा मिलेगा। पहले सामान घोड़े-खच्चरों के जरिए ले जाया जाता था, लेकिन अब वाहन सीधे सीमा तक पहुंच सकेंगे। इससे व्यापार की लागत और समय दोनों कम होंगे। लिपुलेख दर्रा भारत और तिब्बत के बीच सदियों पुराने व्यापार का हिस्सा रहा है। तिब्बती व्यापारी नमक, ऊन और बोरेक्स लेकर भारत आते थे, जबकि भारतीय व्यापारी कपड़ा, अनाज और मसाले तिब्बत ले जाते थे। 1962 के भारत-चीन युद्ध के बाद यह मार्ग बंद हो गया था। 1991 में दोनों देशों के बीच समझौते के बाद इसे फिर खोला गया था। हालांकि 2020 के गलवान संघर्ष के बाद व्यापारिक गतिविधियां बंद हो गई हुई थीं। दो नदियों से तय हुई भारत-नेपाल की सीमा-भारत, नेपाल और चीन सीमा से लगे इस इलाके में हिमालय की नदियों से मिलकर बनी एक घाटी है, जो नेपाल और भारत में बहने वाली काली या महाकाली नदी का उद्गम स्थल है। इस इलाके को कालापानी भी कहते हैं। यहीं पर लिपुलेख दर्रा भी है। यहां से उत्तर-पश्चिम की तरफ कुछ दूरी पर एक और दर्रा है, जिसे लिंपियाधुरा कहते हैं। अंग्रेजों और नेपाल के गोरखा राजा के बीच 1816 में हुए सुगौली समझौते में काली नदी के जरिए भारत और नेपाल के बीच सीमा तय की थी। समझौते के तहत काली नदी के पश्चिमी क्षेत्र को भारत का इलाका माना गया, जबकि नदी के पूर्व में पड़ने वाला इलाका नेपाल का हो गया। काली नदी के उद्गम स्थल, यानी ये सबसे पहले कहां से निकलती है, इसे लेकर दोनों देशों के बीच विवाद रहा है। भारत पूर्वी धारा को काली नदी का उद्गम मानता है। वहीं नेपाल पश्चिमी धारा को उद्गम धारा मानता है और इसी आधार पर दोनों देश कालापानी के इलाके पर अपना-अपना दावा करते हैं।

1 महीने से सिगरेट नहीं पी नींद भगाने के लिए कॉफी पीती हूं-जॉर्जिया मेलोनी

जी7 समिट में माइक पर रिकॉर्ड हुई बातचीत

पेरिस। मैक्रों ने फ्रांस की टीम का समर्थन करते हुए कहा, अलेज ले ब्लू यानी आगे बढ़ो फ्रांस। एक तो ट्रम्प ने कहा- ये मुझे दे दो,- सम्मेलन के दौरान फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों अपनी घड़ी कहीं छोड़ जॉर्जिया मेलोनी की बातचीत भी हुई। मेलोनी ने मोदी से कहा- दोबारा मिलकर अच्छा लगा, हम इंस्टाग्राम

नेता ने पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) क्लब की हालिया चैंपियंस लीग जीत की तारीफ की। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने भी केप वर्डे की टीम की सराहना की, जिसने मौजूदा विश्व चैंपियन स्पेन के खिलाफ 0-0 से ड्रॉ खेला था। स्टार्मर ने कहा, यह वास्तव में हैरान करने वाला प्रदर्शन था। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने भी फुटबॉल से इतर यूएफसी मुकाबले का जिक्र किया। दरअसल, ट्रम्प के जन्मदिन 14 जून पर व्हाइट हाउस में यूएफसी मुकाबला हुआ था। ट्रम्प ने इसके आयोजक डाना व्हाइट की खूब तारीफ की। ग्रीनलैंड का जिक्र करना नहीं भूले ट्रम्प- समिट में एक रहस्यमय बातचीत भी रिकॉर्ड हुई। ट्रम्प यूरोपीय परिषद के चीफ एंटोनियो कोस्टा से बात कर रहे थे। बातचीत के दौरान ट्रम्प ने कहा, आप जानते होंगे। कुछ देर रुकने के बाद उन्होंने कोस्टा की तरफ देखते हुए कहा- ग्रीनलैंड। बातचीत का बाकी हिस्सा साफ नहीं सुनाई दिया। ट्रम्प की यह टिप्पणी इसलिए चर्चा में आ गई क्योंकि वह पहले भी कई बार डेनमार्क के स्वायत्त क्षेत्र ग्रीनलैंड को खरीदने की इच्छा जता चुके हैं। उनके इस प्रस्ताव ने पिछले वर्षों में कई यूरोपीय नेताओं को नाराज किया था। हालांकि, इस बार ट्रम्प का क्या मतलब था, यह स्पष्ट नहीं हो सका। मैक्रों घड़ी ले जाना भूले गए। जब नेता दोपहर खाने के लिए जा रहे थे, तब कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा, मैक्रों अपनी घड़ी यहां छोड़ गए हैं। हमारे पास उनकी घड़ी है। इस पर ट्रम्प ने तुरंत मजाक करते हुए कहा, अगर उन्होंने छोड़ दी है तो मुझे दे दो। उनकी बात सुनकर वहां मौजूद लोग हंस पड़े। समिट में तोहफों का आदान-प्रदान भी हुआ। मैक्रों ने सभी जी7 नेताओं को व्यक्तिगत साइकिल भेंट की। ट्रम्प को साइकिल मिलने पर कई लोगों ने हैरानी जताई क्योंकि वह गोल्फ को छोड़कर अन्य शारीरिक गतिविधियों और खासकर साइकिल चलाने में रुचि नहीं दिखाते। हालांकि उस समय पास में कोई माइक्रोफोन नहीं था, इसलिए उनकी बातें रिकॉर्ड नहीं हो सकी। जर्मन चांसलर मर्त्ज भी ट्रम्प के लिए एक खास तोहफा लेकर पहुंचे। उन्होंने ट्रम्प को जर्मनी की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम की जर्सी भेंट की, जिस पर ट्रम्प का नाम और 47 नंबर लिखा था। यह उनके अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति होने का संकेत था। ट्रम्प ने मुस्कुराते हुए जर्सी को कैमरों के सामने दिखाया और फोटो खिंचवाई। बाद में मर्त्ज ने इसकी तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा करते हुए लिखा, आखिरकार हम एक ही टीम में हैं। मोदी से मेलोनी बोलीं- हम इंस्टाग्राम पर सबसे फेमस-इसी बीच मोदी और इटालियन पीएम पर सबसे फेमस हैं। मोदी पिछले महीने 5 देशों के दौरे पर गए थे। जहां उन्होंने रोम में पीएम मेलोनी को मेलोडी टॉफी दी थी। जिसका वीडियो वायरल हो गया था। सम्मेलन के दौरान जब इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आमने-सामने आए। मेलोनी ने मुस्कुराते हुए मोदी से कहा, आपसे फिर मिलकर अच्छा लगा। बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने इंस्टाग्राम का जिक्र किया, जिस पर मेलोनी ने मजाकिया अंदाज में जवाब दिया, हां, हम इंस्टाग्राम पर सबसे ज्यादा मशहूर हैं। उनकी इस टिप्पणी पर आसपास मौजूद लोग हंस पड़े। कार्नी ने ट्रम्प को चीन के साथ हुए समझौते के बारे में बताया-एक और बातचीत में कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी और ट्रम्प चीन से जुड़े एक समझौते पर चर्चा करते सुनाई दिए। कार्नी ने बताया कि चीन की हालिया यात्रा के दौरान एक ऐसा समझौता हुआ है जिसके तहत कनाडा में सीमित संख्या में चीनी इलेक्ट्रिक वाहनों के आयात की अनुमति होगी। ट्रम्प को यकीन दिलाने के लिए कार्नी ने कहा- यह हमारे बाजार का 0फीसदी से भी कम हिस्सा है, यानी लगभग 49 हजार कारें। हमने इस पर सख्त सीमा तय की है। मुझे लगा कि आपको यह पसंद आएगा। ट्रम्प ने कहा- यह अच्छा है, मुझे पसंद आया।

आरओबी निर्माण के बीच जनता की चिंता, मौके पर पहुंचे सदर विधायक भूपेश चौबे

बोले- वैकल्पिक व्यवस्था के बिना न शुरू हो काम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। रॉबर्ट्सगंज रेलवे क्रॉसिंग पर रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) निर्माण कार्य शुरू होने और रेलवे फाटक से चार पहिया व भारी वाहनों के आवागमन पर रोक लगाए जाने के बाद क्षेत्र में बढ़ी जनचिंताओं के बीच

सदर विधायक भूपेश चौबे ने मंगलवार को निर्माण स्थल का स्थलीय निरीक्षण किया। रेलवे क्रॉसिंग बंद होने और डायवर्जन लागू होने की सूचना मिलते ही विधायक मौके पर पहुंचे तथा उपजिलाधिकारी, निर्माणाधीन कंपनी के अधिकारियों और संबंधित विभागों के प्रतिनिधियों के साथ निर्माण स्थल एवं वैकल्पिक मार्गों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान विधायक ने अधिकारियों से स्पष्ट कहा कि विकास कार्यों के साथ-साथ आमजन की सुविधा और सुरक्षा का भी पूरा ध्यान रखा जाना चाहिए। उन्होंने निर्देश दिया कि पर्याप्त वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित किए बिना ऐसा कोई कदम न उठाया जाए, जिससे लोगों को अनावश्यक परेशानी का सामना करना पड़े। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन हजारों लोग इस मार्ग का उपयोग करते हैं, इसलिए आवागमन की सुगम व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन और निर्माण एजेंसी की जिम्मेदारी है।विधायक ने रेलवे क्रॉसिंग पर पैदल यात्रियों और दोपहिया वाहन चालकों के लिए सुरक्षित सर्विस लेन विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जब तक आरओबी निर्माण कार्य पूरा नहीं हो जाता, तब तक लोगों के सुरक्षित आवागमन की समुचित व्यवस्था रहनी चाहिए। विशेष रूप से स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और दैनिक यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसका ध्यान रखा जाए। डायवर्जन मार्गों का निरीक्षण करते हुए विधायक ने अधिकारियों का ध्यान उन स्थानों की ओर आकर्षित किया जहां सड़कें संकरी हैं और मोड़ अपेक्षाकृत तीखे हैं। उन्होंने निर्देश दिया कि ऐसे स्थानों पर पर्याप्त संकेतक बोर्ड,बैरिकेडिंग, प्रकाश व्यवस्था तथा यातायात नियंत्रण के इंतजाम किए जाएं, ताकि दुर्घटनाओं की आशंका को कम किया जा सके। साथ ही आवश्यकता पड़ने पर पुलिस एवं यातायात विभाग की अतिरिक्त तैनाती भी सुनिश्चित करने को कहा। विधायक ने कहा कि आरओबी निर्माण जनपद की बहुप्रतीक्षित परियोजना है, जिसके पूरा होने के बाद रेलवे फाटक पर लगने वाले जाम से स्थायी राहत मिलेगी और आवागमन पहले की अपेक्षा अधिक सुगम होगा। लेकिन निर्माण अवधि के दौरान आम लोगों को कम से कम परेशानी हो, इसके लिए सभी संबंधित विभागों को समन्वय के साथ कार्य करना होगा। उन्होंने निर्माण एजेंसी के अधिकारियों को गुणवत्ता के साथ तेजी से कार्य पूरा करने के निर्देश देते हुए कहा कि परियोजना में किसी प्रकार की अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए। कार्य की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और समयबद्ध तरीके से निर्माण पूरा कर जनता को इसका लाभ दिलाया जाए। इस दौरान अधिकारियों ने विधायक को निर्माण कार्य की प्रगति, डायवर्जन व्यवस्था तथा आगामी कार्ययोजना की जानकारी दी। विधायक ने कहा कि जनता से जुड़े किसी भी मुद्दे की अनदेखी न की जाए और यदि कहीं कोई समस्या उत्पन्न होती है तो उसका तत्काल समाधान सुनिश्चित किया जाए। निरीक्षण के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी, निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि तथा स्थानीय लोग भी मौजूद रहे। विधायक ने क्षेत्रवासियों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि यह परियोजना जनहित में है और थोड़े समय की असुविधा के बाद इसका लाभ पूरे क्षेत्र को लंबे समय तक मिलेगा। साथ में पूर्व जिला अध्यक्ष धर्मवीर तिवारी भाजपा के जिला उपाध्यक्ष शंभू नारायण सिंह बलिराम सोनी अनूप तिवारी शिबू चौबे एसडीएम सदर कोतवाल सहित रेलवे विभाग के राजस्व विभाग के नगर पालिका के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

सूचना विभाग द्वारा लगाई गई विकास प्रदर्शनी का किया गया उद्घाटन,केन्द्र एवं प्रदेश सरकार ने समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुँचाने का कार्य किया - अध्यक्ष

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। केन्द्र सरकार के 12 वर्ष व प्रदेश सरकार के 09 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सामुदायिक केन्द्र, रतापुर में आयोजित 'विकसित भारत संकल्प सम्मेलन एवं विकास प्रदर्शनी' का आयोजन किया गया। अध्यक्ष, 30प्र0 अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति आयोग बैजनाथ रावत, मा0 अध्यक्ष जिला पंचायत रंजना चौधरी, मा0 अध्यक्ष भाजपा बुद्धिलाल, मुख्य विकास अधिकारी अंजुलता द्वारा सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग 30प्र0 द्वारा केन्द्र सरकार व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, उपलब्धियों स्थापित किये गये नये कीर्तिमानों पर आधारित विकास प्रदर्शनी का फीता काट कर अतिथियों द्वारा शुभारंभ कर प्रदर्शनी का अवलोकन किया, इसके पश्चात विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों का भी अवलोकन किया। कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य अतिथियों ने अपने विचार व्यक्त करते हुए सरकार की उपलब्धियों, जनकल्याणकारी योजनाओं तथा विकसित भारत के संकल्प पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजनान्तर्गत 20-20 लोहार एवं नाई ट्रेड की किट, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी के 04 युवाओं को 05-05 लाख के लोन का डमी चेक तथा 05 किसानों को मिनीकिट एवं 10-10 प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण प्रमाण पत्र वितरित किये गये। अध्यक्ष, 30प्र0 अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति आयोग बैजनाथ रावत ने अपने संबोधन में कहा कि केन्द्र एवं प्रदेश सरकार ने समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुँचाने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि बीते वर्षों में अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के उत्थान हेतु अनेक योजनाएं संचालित की गई हैं, जिनसे शिक्षा, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व सुधार हुआ है। उन्होंने 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के मंत्र को सरकार की कार्यशैली का आधार बताते हुए कहा कि यह केवल नारा नहीं, बल्कि धरातल पर दिखने वाली सच्चाई है। आज गरीब, किसान, महिला और युवा सभी वर्गों को सशक्त बनाने की दिशा में ठोस कार्य किए गए हैं। उन्होंने उपस्थित लोगों से आह्वान किया कि वे सरकार की योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर उनका अधिक से अधिक लाभ उठाएं तथा विकसित भारत के निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें। अध्यक्ष जिला पंचायत रंजना चौधरी ने अपने वक्तव्य में कहा कि ग्रामीण विकास को सशक्त बनाने के लिए केन्द्र एवं प्रदेश सरकार ने ऐतिहासिक कार्य किए हैं। पंचायत स्तर तक बुनियादी सुविधाओं जैसे सड़क, शुद्ध पेयजल, आवास, स्वच्छता एवं स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार हुआ है।उन्होंने कहा कि आज गांव आत्मनिर्भर बनने की दिशा में अग्रसर हैं और महिलाओं की भागीदारी भी लगातार बढ़ रही है। स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत किया जा रहा है, जिससे उनका आत्मविश्वास भी बढ़ा है। उन्होंने कहा कि विकास प्रदर्शनी के माध्यम से आमजन को योजनाओं की जानकारी मिल रही है, जो उन्हें लाभान्वित करने में सहायक सिद्ध होगी। उन्होंने सभी से अपील की कि वे योजनाओं का लाभ लेकर अपने जीवन स्तर को बेहतर बनाएं। जिलाध्यक्ष भाजपा बुद्धिलाल पासी ने अपने संबोधन में कहा कि सरकार की नीतियों का मूल उद्देश्य समाज के हर वर्ग को मुख्यधारा से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार एवं सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में जो परिवर्तन देखने को मिल रहा है, वह सरकार की दूरदर्शी सोच का परिणाम है।

सोनू निगम की गर्दन की नसें दबीं-एमआरआई, सिटी स्कैन हुआ, पेन किलर्स से गला भारी, बोले- भुगत रहा हूं, कॉन्फिडेंस कम हुआ

मुंबई। सिंगर सोनू निगम की गर्दन की नसें दब गई हैं। ये जानकारी सिंगर ने खुद सोशल मीडिया के जरिए दीं और दिखाया कि कैसे वो पट्टियां

लगाकर परफॉर्मेंस की तैयारी कर रहे हैं। ये घटना 13 जून की हो। सोनू निगम ने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने कहा, देखिए मेरी नसें दब गई हैं। मैं तो एक हफ्ते से भुगत रहा हूं। एमआरआई, सिटी स्कैन स्कैन सब हुआ। दवाइयां, फिजियोथैरेपी बहुत थकान का काम है। फिलहाल पेनकिलर्स ले रहा हूं, जिससे गला भी थोड़ा भारी हो गया है। आगे सिंगर ने कहा, आज (13 जून) में एक महीने 10-12 दिन बाद परफॉर्म कर रहा हूं। मेरा कॉन्फिडेंस वैसे भी थोड़ा कम है। नसों को आराम देने के लिए जो दवा ले रहा हूं, उनसे मेरे गले पर असर पड़ा। कोई बात नहीं, भगवान स्टेज पर मुझे शक्ति दे। सोनू निगम की पोस्ट सामने आने के बाद कई सिंगर्स उन्हें दुआएं दे रहे हैं। इनमें कविता सेठ, रूपकुमार राठौड़, अलीशा चिनॉय शामिल हैं। घर की स्थिति नहीं थी ठीक, स्टेज पर गाना गाया करते थे सोनू के पिता। सोनू निगम के पिता अगम कुमार निगम एक गायक हैं। एक समय घर की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी, इसलिए वे शादियों और कई कार्यक्रमों में स्टेज पर गाना गाया करते थे। इसी के चलते सोनू को भी छोटी उम्र से ही संगीत में रुचि होने लगी। जब सोनू सिर्फ 4 साल के थे और उनके पिता स्टेज पर गा रहे थे, तभी सोनू अचानक रोने लगे और गाने की जिद करने लगे। यह देखकर उनके माता-पिता हैरान रह गए, क्योंकि इससे पहले सोनू ने कभी ऐसा व्यवहार नहीं किया था, न ही कोई गाना गाया था। हालांकि वहां मौजूद लोगों ने कहा कि बच्चा है, गाने दो, तो माता-पिता ने भी उन्हें मंच पर जाने दिया। पिता से विरासत में मिला संगीत-सोनू ने पहली बार अपने पिता के साथ मंच पर मोहम्मद रफी का मशहूर गाना 'क्या हुआ तेरा वादा' गाया था। उनकी आवाज में इतनी मिठास कि वहां मौजूद माता-पिता ही नहीं, बल्कि हर कोई हैरान रह गया। उसी पल उनके माता-पिता को एहसास हुआ कि सोनू के भीतर प्रतिभा छिपी है। संगीत की प्रारंभिक शिक्षा सोनू को पिता से ही मिली। इसके बाद धीरे-धीरे सोनू ने पिता के साथ मेलों, शादी समेत हर तरह के इवेंट में गाने गाए। हालांकि जब सोनू बड़े हो रहे थे, तो उन्होंने एक समय वैज्ञानिक बनने की इच्छा भी जताई, लेकिन संगीत के प्रति उनका जुनून इतना गहरा था कि वे इससे कभी दूर नहीं हो पाए। सबकुछ छोड़कर मुंबई आए, 4 साल तक नहीं मिला काम-सोनू को धीरे-धीरे दिल्ली में अच्छी-खासी पहचान मिलने लगी थी। उनकी गायकी को लोग काफी पसंद करने लगे थे। छोटे से लेकर बड़े इवेंट्स तक में उन्हें गाने के लिए बुलाया जाने लगा, लेकिन सोनू और उनके पिता जानते थे कि अगर सिंगिंग की दुनिया में बड़ा नाम कमाना है, तो दिल्ली से निकलकर मुंबई जाना ही होगा। इसके बाद वे 1991 में अपने पिता के साथ मुंबई शिफ्ट हो गए। हालांकि सोनू ने पहले कभी संगीत की शिक्षा नहीं ली थी, लेकिन मुंबई जाने से छह महीने पहले उन्होंने ताहिर खान साहब से संगीत सीखा। उस समय सोनू की उम्र 18 साल थी। मुंबई आने के बाद शुरुआती दौर में उन्हें कोई काम नहीं मिला। सोनू और उनके पिता ने कई म्यूजिक कंपोजर्स के घरों के चक्कर लगाए, लेकिन उन्हें यह कहकर रिजेक्ट कर दिया जाता था कि उनकी आवाज में बहुत ज्यादा वैराइटी है और उसे कंट्रोल करना पड़ेगा। इसी तरह चार साल तक उन्हें कोई काम नहीं मिला। इस दौरान घर चलाने के लिए सोनू स्टेज पर मोहम्मद रफी के गाने गाया करते थे। उन्होंने सुदीप रिकॉर्डिंग स्टूडियो में भी प्रयास किया, लेकिन वहां उन्हें गाना रिकॉर्ड करने की अनुमति नहीं दी गई, जिस कारण वह बहुत रोए थे। टी सीरीज के मालिक गुलशन कुमार से मुलाकात, चमकी किस्मत-सोनू के गाने टी-सीरीज के मालिक गुलशन कुमार को काफी पसंद आए। 1992 में उन्होंने सोनू को स्टूडियो में बुलाया। उस समय टी-सीरीज ने एक एल्बम रफी की यादें लॉन्च किया था, जिसमें सोनू निगम को गाने का मौका दिया गया। सोनू ने इस ऑफर को खुशी-खुशी स्वीकार कर लिया। इस एल्बम में उन्होंने मोहम्मद रफी के गानों को अपनी आवाज में गाया। साथ ही उन्होंने कई भजनों की भी रिकॉर्डिंग की। इसी के जरिए उन्हें धीरे-धीरे पहचान मिलने लगी। उन्होंने कई कॉमर्शियल एड्स के लिए भी काम किया। उनकी आर्थिक स्थिति भी अब पहले से बेहतर होने लगी थी। इसके बाद उन्होंने दिल्ली से अपनी मां और दोनों बहनों को भी मुंबई बुला लिया। सोनू निगम ने अपना पहला गाना फिल्म जनम के लिए रिकॉर्ड किया था, लेकिन यह फिल्म कभी रिलीज नहीं हो सकी। फिल्म बेवफा सनम का गाना हिट हुआ, मिली पहचान-1995 में गुलशन कुमार ने एक बार फिर सोनू को फिल्म बेवफा सनम में गाना गाने का मौका दिया। इस फिल्म में उन्होंने 'अच्छा सिला दिया तूने मेरे प्यार का' गाना गाया, जो काफी हिट हुआ और इसने उन्हें एक नई पहचान दिलाई। इसी साल उन्होंने जी टीवी के म्यूजिकल रियलिटी शो सा रे गा मा में बतौर होस्ट काम करना शुरू किया। यह शो बेहद लोकप्रिय हुआ और सोनू को हर घर में पहचान मिल गई। 1997 में उन्होंने फिल्म बॉर्डर में रूप कुमार राठौड़ के साथ मिलकर 'संदेशे आते हैं' गाना गाया। यह गाना देशभक्ति की भावना से भरा हुआ था और सुपरहिट साबित हुआ। इस गाने के लिए सोनू को 'बेस्ट प्लेबैक सिंगर' का अवॉर्ड भी मिला। हालांकि उन्होंने यह अवॉर्ड लेने से इनकार कर दिया, क्योंकि इस गाने में रूप कुमार राठौड़ की भी अहम भूमिका थी, लेकिन सम्मान केवल सोनू को दिया गया था। इस वजह से उन्होंने अवॉर्ड समारोह में न जाने का निर्णय लिया। इसी दौरान, 1997 में रिलीज हुई फिल्म परदेस में उनका गाया हुआ गाना ' यह दिल दीवाना' कल्ट हिट बन गया। इसके बाद सोनू ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। वे एक के बाद एक हिट गाने गाते चले गए। अब तक वह 32 भाषाओं में 6 हजार से ज्यादा गाने गा चुके हैं।

गोविंदा के सिर में बाल नहीं, हेयर पैच लगाते हैं-पत्नी सुनीता ने उड़ाया मजाक, बोलीं- सारे एक्टर करते हैं

जानिए कब-कब दिए पति के खिलाफ बयान

मुंबई। गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा ने नए पॉडकास्ट में फिर एक बार पति का मजाक उड़ाया है। उन्होंने दावा किया है कि जब वो गोविंदा से पहले मिली थीं, तब

वो बेहद स्मार्ट थे, हालांकि अब गोविंदा के सिर में बाल नहीं है, जिसे छिपाने के लिए वो हेयर पैच का इस्तेमाल करते हैं। मैशेबल इंडिया को दिए इंटरव्यू में सुनीता ने गोविंदा से हुईं शुरुआती मुलाकातों पर कहा है, 'मेरी बहन की शादी, उनके मामा से हुई थी, तो मैं उनसे शादी में ही मिली थी। मैं किस्मत कॉटेज में रहती थी, जब मेरा गोविंदा के साथ अफेयर शुरू हुआ। मैं 15-16 साल की थी। अच्छा माल पटाया था।' आगे उन्होंने कहा- 'क्या माल था चीची (गोविंदा)। देसी माल था। बहुत हैंडसम लगता था। जब उनसे कहा गया कि वो अब भी हैंडसम हैं। इस पर सुनीता ने कहा- लगते हैं, लेकिन तब ऑरिजिनल बाल थे ना, अब पैच लगाते हैं। ये कहते ही सुनीता जोर-जोर से हंस पड़ी।' जब उनसे कहा गया कि वो पति के सीक्रेट रिवील कर देती हैं, तो उन्होंने कहा, 'बोलने में क्या जाता है। कौन सा हीरो ये नहीं करता है। सभी जाते हैं ऑपरेशन करवाते हैं। झूठ नहीं बोल रही हूं।' पहले भी सुनीता के बयानों से फंस चुके हैं गोविंदा-2025 से ही सुनीता और गोविंदा तलाक की खबरों से चर्चा हैं। इस बीच सुनीता ने गोविंदा के खिलाफ कई विवादित बयान दिए हैं। एक बार तो गोविंदा ने खुद सुनीता के बयान पर माफी मांगी थी। गोविंदा पर लगाए थे एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर के आरोप-सुनीता आहूजा ने तलाक की खबरों के बीच मिस मालिनी को दिए इंटरव्यू में कहा था, '2025 मेरे लिए बहुत बुरा साल था, हमारी फैमिली लाइफ में काफी परेशानियां चल रही थीं। मैं गोविंदा के बारे में भी कई बातें सुन रही थी, जो मुझे बिल्कुल अच्छा नहीं लग रहा था। मैं हमेशा कहती हूं कि हर चीज करने की एक उम्र होती है। 63 साल की उम्र में ऐसी बातें सुनना अच्छा नहीं लगता, खासकर जब बच्चे बड़े हो चुके हों। यह सब बहुत गलत और दुखद था। उम्मीद है कि 2026 में भगवान गोविंदा को सही समझदारी दें।'आगे उन्होंने कहा था, 'मैं हमेशा कहती हूं कि यह तुम्हारी उम्र नहीं है। आजकल क्या होता है, जो लड़कियां स्ट्रगल करने आती हैं, उन्हें एक शुगर डैडी चाहिए होता है, जो उनका खर्च चलाए। चेहरा दो कौड़ी का होता है, लेकिन हीरोइन बनना चाहती हैं। तो फिर क्या उम्मीद करोगे? फिर फंसा लेंगी, बाद में ब्लैकमेल करेंगी, ऐसी बहुत लड़कियां आती हैं। लेकिन तुम थोड़ी बेवकूफ हो। तुम 63 साल के हो चुके हो।' पूजा पाठ पर सुनीता ने दिया विवादित बयान, गोविंदा ने मांगी माफी-बीते साल सुनीता ने एक्टर पारस छाबड़ा के पॉडकास्ट में कहा था -'हमारे घर में एक ज्योतिष है, गोविंदा का पुजारी। वो पूजा करवाते हैं और 2 लाख रुपए लेते हैं। मैं कहती हूं कि खुद पूजा करो, उनकी कराई पूजा से कुछ नहीं होता। भगवान आपके अपने हाथों से की गई पूजा स्वीकार करते हैं। मैं किसी को पैसे देकर भक्ति नहीं करती। डरने वाला ही डरता है।' विवाद बढ़ने पर गोविंदा ने 4 नवंबर 2025 को अपने पंडित जी से माफी मांगते हुए कहा, 'आदरणीय पंडित मुकेश शुक्ला जी अत्यंत योग्य, प्रमाणिक और बड़े गुणी व्यक्ति हैं। यज्ञ-विधि और प्रयोग की गहन समझ रखने वाले ऐसे चुनिंदा लोग और परिवार उत्तर प्रदेश में बहुत कम हैं। मेरी आदरणीय धर्मपत्नी ने आपके विषय में कुछ अपशब्द कहे, उसके लिए मैं क्षमाप्रार्थी हूं और उनका खंडन भी करता हूं।' गोविंदा के माफीनामे पर भी सुनीता ने बयान जारी किया और कहा कि वो नहीं चाहतीं कि गोविंदा उनके लिए माफी मांगें। सुनीता के अपने खिलाफ दिए जा रहे बयान पर भी गोविंदा ने एक एएनआई से बातचीत में कहा कि उनके खिलाफ सालों से साजिश हो रही है, जिसके लिए उनके परिवार को इस्तेमाल किया जा रहा है। इसके अलावा उन्होंने सुनीता के एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर पर कहा था, 'मुझे ये बताइए, मैंने कितनी शादी की। 40 साल हो गए हैं, 4-5 शादियां करके बैठा हूं किया। जिन्होंने की है वो मजे कर रहे हैं। फिल्म लाइन के लोग ऐसी चीजें डिस्कस नहीं करते हैं। शायद ही दूध के धुले लोग इस वर्ग में मैंने देखे हैं। जो किसी और पर आरोप लगा पाएं। मैंने ऐसा देखा नहीं है। जिस समय हमें कॉर्नर कर दिया जाता है हमें लगता है हम इस योग से कैसे निकलें।' 'मैं बहुत ज्यादा घुट जाऊं ऐसी स्थित तैयार न करें। ऐसी मैं सबसे विनती करता हूं, खासतौर पर अपने ही परिवार के लोगों से करता हूं। मैं हीरो हूं, फिल्म लाइन में हूं। मुझे ताज्जुब होता है जब ऐसे सवाल किए जाते हैं। सुनीता ने कहा- गोविंदा अच्छा पति नहीं है-पिंकविला के एक पुराने इंटरव्यू में सुनीता से पूछा गया था कि क्या वो सात जन्मों के लिए गोविंदा को पति के रूप में देखना चाहती हैं। इस पर सुनीता ने हाथ जोड़ते हुए कहा था, 'नहीं भैया, मुझे नहीं चाहिए। मैंने कपिल के शो में भी बोला था कि गोविंदा बहुत अच्छा बेटा है, बहुत अच्छा भाई है, लेकिन अच्छा पति नहीं है। मैंने तो पहले ही बोला भाई चीची (गोविंदा) तू मेरा बेटा बन कर पैदा होना, पति तू नहीं चाहिए। ये जन्म ही काफी है।' 2025 से चल रही हैं तलाक की खबरें- बीते साल गोविंदा और सुनीता के तलाक की खबरें सुर्खियों में थीं। रिपोर्ट्स के अनुसार, मई 2025 में सुनीता ने बांद्रा फैमिली कोर्ट में तलाक की अर्जी भी दी थी। हालांकि बाद में उन्होंने इंटरव्यू में सुलह की बात कही। इसी समय खबरें रहीं कि गोविंदा का अफेयर एक मराठी एक्ट्रेस से चल रहा है।

बॉयफ्रेंड के अपनी फैमिली से रिश्ते खराब, क्या इसका असर हमारे रिश्ते पर पड़ेगा, क्या वो मेरी फैमिली को अपना मानेगा?

नोएडा। आज के परिवेश में वैवाहिक जीवन सफल होना कम ही देखा जाता हैं तो विवाह से पूर्व हर व्यक्ति सोच समझा कर निरनय लेता हैं इस विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. जया सुकुल, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट, नोएडा जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- मेरी उम्र 28 साल है। मैं पिछले 3 साल से रिलेशनशिप में हूं और अब हम शादी के बारे में सोच रहे हैं। लेकिन एक बात मुझे परेशान कर रही है कि मेरे बॉयफ्रेंड के अपने परिवार से रिश्ते अच्छे नहीं हैं। वह इस बारे में बात भी नहीं करता। मैं अपने परिवार के काफी करीब हूं। क्या यह फर्क हमारे रिश्ते पर असर डाल सकता है? मुझे डर लग रहा है कि मैं भी अपनी फैमिली से दूर हो जाऊंगी? क्या मेरे बच्चों पर भी असर पड़ेगा? मैं इस बारे में उससे बात कैसे करूं? मुझे क्या करना चाहिए? जवाब- सबसे पहले तो सवाल पूछने के लिए शुक्रिया। आपकी फिक्र बता रही है कि आप अपने भविष्य को लेकर संजीदा हैं। चलिए आपकी सिचुएशन समझते हैं और उसके सॉल्यूशन पर बात करते हैं। बचपन तय करता है हमारा स्वभाव;- व्यक्ति के स्वभाव की जड़ें उसके बचपन से जुड़ी होती हैं। हमारे सभी इमोशन और एक्शन अतीत से प्रभावित होते हैं। आपने लिखा कि आप अपने पेरेंट्स के काफी करीब हैं। इसका एक मतलब ये भी है कि आपको बचपन में प्यार, सुरक्षा और केयर मिली है। दूसरी ओर आपके पार्टनर के बचपन में शायद ये बुनियादी चीजें न मिली हों। आपने लिखा कि अपने पेरेंट्स के साथ उनके रिश्ते अच्छे नहीं हैं। उनके इस व्यवहार के पीछे कुछ 'अनरिजॉल्व्ड पेन' यानी अनसुलझे दर्द हो सकते हैं। बचपन में हमें जैसा माहौल और केयर मिलती है, उससे हमारी 'इमोशनल लैंग्वेज' तय होती है। जिन्हें बचपन में भरपूर प्रेम मिलता है, बड़े होने पर उनके भीतर प्यार होता है। आपके पार्टनर के मामले में शायद उनकी परिस्थितियां ऐसी रही हों कि उनके और पेरेंट्स के बीच 'इमोशनल कनेक्शन' डेवलप न हो पाया हो। परिवार से दूरी हमेशा चॉइस नहीं होती। कई बार यह बचपन के इमोशनल घावों का नतीजा होता है, जिन्हें उसने बचपन से दबाकर रखा है। शादी से पहले उस दर्द को समझना, उसके बिहेवियर को जज करने से ज्यादा जरूरी है। आपके मन में उठ रहे डर की वजह-जब हम किसी को जीवनसाथी चुनते हैं, तो चाहते हैं कि हमारे परिवार भी आपस में जुड़ें। इसलिए आपके मन में कुछ डर होना स्वाभाविक है। इस डर के पीछे कई कारण छिपे हो सकते हैं, जिन्हें समझना जरूरी है- शादी के बाद अकेली पड़ गई तो? अपने परिवार से कट गई तो? मुझे मायके जाने से रोका तो? परिवारों के बीच दूरियां रहीं तो? इस सबका असर बच्चों पर पड़ा तो ? मेरे परेंट्स की रिस्पेक्ट नहीं की तो? शुरुआती रिश्तों में प्रेम बेहद जरूरी-साइकोलॉजी के मुताबिक, इस दुनिया में मनुष्य का पहला रिश्ता अपने पेरेंट्स से बनता है। यही रिश्तों की बुनियाद होती है। अगर जड़ ही कमजोर हो तो इंसान की प्यार करने, जुड़ने और भरोसा करने की क्षमता प्रभावित हो जाती है। यह आपके रिश्ते को कैसे प्रभावित कर सकता है? अगर आप किसी ऐसे व्यक्ति के साथ जुड़ते हैं, जो अपनी जड़ों से कटा हुआ है तो वह डिस्कनेक्शन आपसी कम्युनिकेशन में भी झलक सकता है। उनके रिएक्शंस में भी इसके कुछ संकेत दिख सकते हैं। हमारे रिएक्शंस का मनोविज्ञान-मशहूर मनोवैज्ञानिक जॉन गॉटमैन और एस्थर पेरेल के मुताबिक, रिश्तों में होने वाले झगड़े अक्सर 'उस वक्त से' जुड़े नहीं होते हैं। ये रिएक्शन कहीं और से आ रहे होते हैं। अगर आपके पार्टनर को लगता है कि कोई उन्हें प्यार नहीं करता तो आपकी थोड़ी सी एब्सेंस भी उन्हें ये एहसास करा सकती है कि आप उन्हें शायद प्यार नहीं करती हैं। कुल मिलाकर ऐसे माहौल में बड़े हुए बच्चों का रिएक्शन असल स्थिति से कहीं बड़ा और आक्रामक होता है। मौजूदा स्थिति पर अतीत का साया-जब कोई पुराना दर्द प्रोसेस नहीं होता, तो वह वर्तमान की किसी भी छोटी घटना से 'ट्रिगर' हो जाता है। उदाहरण के लिए, अगर आपने उनका फोन नहीं उठाया, तो उन्हें सिर्फ फोन न उठने का दुख नहीं होगा। उन्हें वह पूरा बचपन याद आ जाएगा, जब उन्हें 'इग्नोर' किया जाता था। इस समय एडल्ट व्यक्ति नहीं रो रहा, वह बच्चा रो रहा है, जिसका कभी ख्याल नहीं रखा गया। जिसे वह अनकंडीशनल मोहब्बत नहीं मिली। ऐसी मामूली घटनाएं उनके ट्रामा को ट्रिगर कर सकती हैं बच्चों पर क्या असर पड़ेगा? जब पेरेंट्स अपने परिवार से खुद इमोशनली डिस्कनेक्टेड होते हैं, तो अनजाने में उसका असर बच्चों पर भी पड़ता है। मनोविज्ञान में इसे 'इंटरजनरेशनल ट्रॉमा' कहते हैं। यानी एक पीढ़ी का अनसुलझा दर्द अगली पीढ़ी में ट्रांसफर हो जाता है। अगर पिता के मन में परिवार को लेकर कड़वाहट है, तो संभव है कि वह अपने बच्चे को भी 'जुड़ाव' और 'भरोसे' के बुनियादी सबक न दे पाए। पिता का छोटी बातों पर 'आउट ऑफ प्रपोर्शन' रिएक्शन देना बच्चे के मन में डर पैदा कर सकता है, जिससे वे अपनी भावनाएं छिपाने लगते हैं। इसके ये असर हो सकते हैं- असुरक्षित लगाव- बच्चों में जुड़ाव की कमी होना। रिश्तों का डर- उन्हें लगेगा कि रिश्ते बोझिल होते हैं। इमोशनल रेगुलेशन- जज्बातों को काबू करने में दिक्कत होती है। एंग्जाइटी- घर के भारी माहौल से घबराहट होने लगती है। सोशल स्किल- बाहरी लोगों से घुलने-मिलने में हिचक। आइडेंटिटी क्राइसिस- अपनी फैमिली हिस्ट्री पर शर्मिंदगी। भरोसे की कमी- लोगों पर भरोसा करने में कठिनाई होना। बच्चों को इस मुश्किल से बचाएं-अगर पेरेंट्स ने कुछ झेला है तो जरूरी नहीं है कि वही ट्रॉमा बच्चों पर भी ट्रांसफर हो। उन्हें इससे बचाने के लिए कुछ ठोस कदम उठाने होंगे- हीलिंगः पार्टनर को अपने अतीत के गुस्से पर काम करना होगा। ट्रांसपेरेंसीः बच्चों के सामने किसी भी परिवार की बुराई न करें। हेल्दी एनवार्नमेंटः पिता अपनी कहानी या नफरत बच्चों पर न थोपें। ननिहाल से जुड़ावः बच्चों को फैमिली से मिलने वाले प्यार का अनुभव होने दें। बच्चे वह नहीं सीखते, जो हम उन्हें सिखाते हैं। वह सीखते हैं, जो देखते हैं। अनजाने में हम अपने घाव बच्चों को विरासत में दे देते हैं। इसलिए हीलिंग सिर्फ आपके लिए नहीं, आने वाली पीढ़ी के लिए भी जरूरी है। आपको अब क्या करना चाहिए? ऑब्जर्व करेंः-देखें कि क्या वह आपके परिवार का सम्मान करते हैं? क्या वह आपको पेरेंट्स से मिलने से रोकते हैं? अगर ऐसा नहीं है और वह आपके रिश्तों का सम्मान करते हैं, तो स्थिति आराम से संभल सकती है। थेरेपी का सुझावः अगर उनका गुस्सा कंट्रोल से बाहर है, तो उन्हें प्रोफेशनल काउंसलिंग या थेरेपी के लिए मनाएं। उन्हें समझाएं कि यह उनके पुराने घावों को भरने के लिए है। बाउंड्री तय करेंः स्पष्ट करें कि आप अपनी फैमिली से जुड़ी रहेंगी। उन्हें यह भरोसा दिलाएं कि आपके परिवार के करीब होने का मतलब उनसे दूर होना नहीं है। अंतिम सलाहः-आपका डर गलत नहीं है, लेकिन प्यार में बदलाव लाने की ताकत होती है। अगर पार्टनर अपनी कमियों को स्वीकार करने और उन पर काम करने को तैयार है, तो आप एक स्वस्थ भविष्य बना सकते हैं। अपने स्टैंड पर कायम रहें और धीरे-धीरे उन्हें खुशहाल रिश्तों की अहमियत समझाएं।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डॉ. दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।